अधिकतम :32° C
न्यूनतम: 18° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

हल्द्वानी, गुरुवार 16 अप्रैल 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 229 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com बैसाख कृष्ण पक्ष 14 विक्रमी सम्वत् 2083 27 शव्वाल 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

महिला आरक्षण में SC,ST और OBC महिलाओं के लिए कोटा सुनिश्चित हो: मायावती पेज 2

धीमी ओवर गति के लिए अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा खेल टाइम्स

सही समय: महिला आरक्षण से बदलेगी भारतीय लोकतंत्र की तस्वीर सम्पादकीय

इजरायल-लेबनान ने तीन दशक बाद की सीधी बातचीत पेज 12

CBSE: 10वीं के नतीजों में बेटियां अव्वल

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने इस वर्ष देशभर के 22 रीजन में घोषित किए गए हाईस्कूल परिणामों में कुल 93.70 फीसदी छात्र-छात्राएं सफल हुए हैं।

इस बार भी परिणामों में लड़कियों ने बाजी मारी है और बेहतर प्रदर्शन के साथ अपनी बढ़त कायम रखी है। इस साल त्रिवेंद्रम रीजन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 99.79 फीसदी के साथ देश में पहला स्थान हासिल किया। नोएडा रीजन का प्रदर्शन इस बार गिरा है। यहां पास प्रतिशत 87.66 फीसदी रहा, जो पिछले साल के 90.75 फीसदी के मुकाबले 3.09 फीसदी कम है। इसके साथ ही परीक्षा देने वाले 25 लाख से अधिक छात्रों का इंतजार खत्म हो गया। बुधवार शाम 4 बजे उमंग और डिजिलॉकर सहित सभी सरकारी पोर्टल

सक्रिय हो गए और एक फ्लैश संदेश के जरिये परिणामों की घोषणा की गई। सीबीएसई की नई द्वि-बोर्ड प्रणाली के तहत, इस बार कक्षा 10वीं के नतीजे अप्रैल के बजाय मई की शुरुआत में आने की उम्मीद थी, लेकिन बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र को सुव्यवस्थित करते हुए परिणाम जारी कर दिए हैं। इस नई

93.70 प्रतिशत छात्र हुए पास, लड़कियों का पास प्रतिशत 94.99 व लड़कों का 92.69% रहा

प्रणाली के तहत शैक्षणिक वर्ष को दो अलग-अलग परीक्षा सत्रों में विभाजित किया गया है। पहला सत्र, जो सभी छात्रों के लिए अनिवार्य था, 17 फरवरी से 11 मार्च, 2026 के बीच आयोजित किया गया था। यह परीक्षाएं देश भर के 8,075 परीक्षा केंद्रों पर 83 विषयों के लिए आयोजित की गईं। इस वर्ष कुल 25,08,319 छात्र पंजीकृत थे, जिनमें से 14,08,546 छात्र और 10,99,773 छात्राएं शामिल थीं। बोर्ड परीक्षाओं का दूसरा चरण 15 मई से शुरू होने वाला है। छात्र अब आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से अपनी मार्कशीट और प्रमाणपत्र डिजिटल रूप से प्राप्त कर सकते हैं।

ईरान के साथ युद्ध खत्म होने के करीब: ट्रम्प

अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक संभावित कूटनीतिक सफलता का भी दिया संकेत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को घोषणा की कि ईरान के साथ संघर्ष 'समाप्त होने के करीब' है। उन्होंने एक संभावित कूटनीतिक सफलता का संकेत भी दिया है। ट्रम्प ने संकेत दिया कि रुकी हुई बातचीत पाकिस्तान में कुछ ही दिनों में फिर से शुरू हो सकती है, जिससे युद्धविराम समाप्त होने से पहले किसी समझौते की उम्मीद जगी है।

अमेरिका ने ईरान की अर्थव्यवस्था पर अपनी पकड़ काफी सख्त कर दी है। सेना ने पुष्टि की है कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से घेराबंदी लागू करते हुए ईरानी समुद्री व्यापार को प्रभावी ढंग से बंद कर दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के प्रमुख ब्रैड कूपर ने कहा कि इस अभियान ने 36 घंटों से भी कम समय में ईरान की व्यापारिक जीवन रेखा को पंगु बना दिया है। ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी पूरी तरह से लागू कर दी गई है। ईरान की लगभग 90 प्रतिशत अर्थव्यवस्था समुद्री व्यापार पर निर्भर है, जो अब प्रभावी रूप से ठप हो गई है। शक्ति प्रदर्शन के बावजूद मुख्य गतिरोध अभी भी बने हुए हैं। अमेरिका ईरान के यूरेनियम संवर्धन को तत्काल रोकने और प्रमुख परमाणु केंद्रों को नष्ट करने की मांग कर रहा है। साथ ही होर्मुज को फिर से खोलने की भी मांग कर रहा है। दोनों पक्षों द्वारा समझौते पर सहमति नहीं बन पाने के कारण 10 अप्रैल को हुई पहले दौर की बातचीत के बाद मुख्य मुद्दे अनसुलझे रह गए हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दोनों पक्षों के बीच गहरी अविश्वास की भावना को स्वीकार किया, लेकिन एक सतर्क आशावादी रुख भी अपनाया।

डोनाल्ड ट्रम्प ने खोला होर्मुज स्ट्रेट का रास्ता

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर बड़ा दावा किया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को स्थायी रूप से खोल दिया है। उन्होंने लिखा कि चीन बहुत खुश है कि मैं होर्मुज स्ट्रेट को स्थायी रूप से खोल रहा हूं। मैं यह उनके लिए भी कर रहा हूं और दुनिया के लिए भी। ऐसी स्थिति फिर कभी नहीं होगी। वे ईरान को हथियार न भेजने पर सहमत हो गए हैं। जब मैं कुछ हफ्तों में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वहां जाऊंगा तो मुझे जोरदार गले लगाएंगे। डोनाल्ड ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि ईरान से जुड़े संघर्ष के खत्म होने के बाद वैश्विक तेल कीमतों में बहुत बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी। ट्रम्प ने कहा कि फिलहाल तेल की कीमतें लगभग 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास हैं, लेकिन हालात सामान्य होते ही इसमें तेज गिरावट आएगी।

संक्षिप्त समाचार

चीनी टैंकर होर्मुज पर अमेरिकी नाकाबंदी तोड़ने में नाकाम

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिकी प्रतिबंध झेल रहा चीनी टैंकर रिच स्टैरी बुधवार को फिर से होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी नाकाबंदी नहीं तोड़ पाया। यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हमरियाह पोर्ट से चला था। वहां से इसमें करीब 2.5 लाख बैरल मेथेनाल लोड किया था। यह टैंकर खाड़ी से निकलने की कोशिश कर रहा था। लेकिन होर्मुज के आगे अमेरिकी नाकाबंदी की वजह से इसे वापस लौटना पड़ा। इससे पहले भी इस टैंकर ने मंगलवार को होर्मुज स्ट्रेट पार करने की कोशिश की थी।

राघव चड्ढा को केंद्र ने दी जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। सूत्रों के अनुसार खुफिया ब्यूरो (आईबी) की खतरे की आशंका को लेकर दी गई रिपोर्ट के आधार पर राघव चड्ढा को यह सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्हें दिल्ली और पंजाब में अर्धसैनिक बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पंजाब सरकार द्वारा राघव चड्ढा को दी गई जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली गई है। सूत्रों के अनुसार, यह फैसला आप नेता के संसद में पंजाब से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने में कथित विफलता के चलते उठाया गया है।

पश्चिम एशिया संकट का असर: अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में 7.9 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव का असर अप्रैल महीने की हवाई यात्रा पर पड़ा है। अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में व्यवधान देखने को मिला। जबकि वैश्विक व्यापार भी इससे प्रभावित हुआ है, जिससे कई देशों की आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है। ओएजी के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल महीने में देश की कुल विमानन क्षमता जिसमें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। यह कमी करीब 0.2 प्रतिशत रही। इस गिरावट की बड़ी वजह अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की क्षमता में आई तेज कमी है, जो लगभग 7.9 प्रतिशत तक पहुंच गई।

सम्राट ने ली सीएम पद की शपथ

बिहार में मंत्रियों की सूची से पहले बंटे विभाग

पटना, वार्ता

भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मुख्यमंत्री बनते ही विभागों के प्रारंभिक बंटवारे की अधिसूचना जारी कर दी है।

अधिसूचना के तहत मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह, सामान्य प्रशासन, नगर विकास, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, पथ निर्माण समेत कुल 29 विभाग अपने पास रखे, जबकि दोनों उप मुख्यमंत्री को मिलाकर जनता दल यूनाइटेड को मात्र 18 विभाग दिए गए। गृह विभाग सहित मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन, राजस्व एवं भूमि सुधार, खान एवं भू तत्व, नगर विकास एवं आवास, स्वास्थ्य, विधि, उद्योग, पथ निर्माण, कृषि, लघु जल संसाधन, श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण, युवा रोजगार एवं कौशल विकास, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, डेयरी मत्स्य एवं पशु संसाधन, आपदा प्रबंधन, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, सूचना प्रावैधिकी, खेल, सहकारिता, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन, गन्ना उद्योग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण एवं पंचायती राज विभाग -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गृह समेत 29 विभाग रखे

दोनों उप मुख्यमंत्री को मिलाकर जदयू को मात्र 18 विभाग दिए गए

पवन खेड़ा को सुप्रीम झटका

शीर्ष अदालत ने अग्रिम जमानत पर लगाई रोक

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को दी गई एक हफ्ते की अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी है। यह मामला असम में दर्ज उस एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के खिलाफ कई पासपोर्ट रखने के आरोप लगाए थे।

न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरीऔर अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने इस मामले में खेड़ा को नोटिस जारी करते हुए तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। यह नोटिस असम सरकार की उस याचिका पर जारी किया गया, जिसमें तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट बेल पर रोक लगाने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि फिलहाल संबंधित आदेश (ट्रांजिट बेल) पर रोक लगाई जाती है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर खेड़ा

असम के सीएम की पत्नी पर लगाए थे कई पासपोर्ट रखने के आरोप से जुड़ा मामला

असम की संबंधित अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश उस प्रक्रिया में बाधा नहीं बनेगा। अदालत ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी और तब तक सभी पक्षों को अपना जवाब दाखिल करना होगा। सुनवाई के दौरान असम सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि तेलंगाना हाईकोर्ट को इस मामले में सुनवाई का अधिकार क्षेत्र नहीं था, क्योंकि कथित अपराध और एफआईआर दोनों असम में दर्ज हैं। उन्होंने इसे फोरम चुनने की कोशिश बताते हुए कानून का दुरुपयोग करार दिया। असम सरकार ने स्पेशल लीव पिटीशन दायर कर 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें खेड़ा को एक सप्ताह के लिए ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई थी। हाईकोर्ट ने यह राहत इसलिए दी थी, ताकि खेड़ा संबंधित अदालत में नियमित जमानत के लिए आवेदन कर सकें। तेलंगाना हाईकोर्ट की एकल पीठ, जस्टिस के सुजाना ने आदेश दिया था कि गिरफ्तारी की स्थिति में खेड़ा को एक सप्ताह के लिए अग्रिम जमानत पर रिहा किया जाए। खेड़ा ने यह राहत तब मांगी थी, जब असम पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

समुद्र में गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी: जयशंकर

नई दिल्ली/ टोक्यो। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर भारत का डंका बजाया है।

जापान की ओर से आयोजित एशिया जीरो एमिशन कम्युनिटी की आभासी बैठक में जयशंकर ने कहा कि व्यापारिक जहाजों पर होने वाले हमले किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं। इस बैठक का मुख्य एजेंडा ऊर्जा बाजारों में मची उथल-पुथल और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली बाधाओं पर चर्चा करना था।

एशिया जीरो एमिशन कम्युनिटी की आभासी बैठक में विदेश मंत्री ने चेताया

अयप्पा मंदिर रेस्टोरेंट नहीं: सबरीमाला मैनेजमेंट

नई दिल्ली। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

मंदिर का मैनेजमेंट देखने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने कहा कि यह खिलौने की दुकान या रेस्टोरेंट का मामला नहीं है। यह आजन्म ब्रह्मचारी माने जाने वाले देवता का मंदिर है। टीडीबी का पक्ष रखते हुए एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि 10 से 50 साल के उम्र की महिलाएं देवता के स्वरूप और पहचान के विपरीत हैं। भारत में अयप्पा के लगभग 1,000 मंदिर हैं। अगर महिलाओं को दर्शन करना है, तो वहां जाएं। उन्हें इसी खास मंदिर में क्यों आना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे मुश्किल कामों में से एक है। साथ ही यह भी कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में 10 से 50 साल की महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए बैन हटा दिया। इसके बाद दायर पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर 7 महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न तय किए गए हैं, जिन पर अब बहस हो रही है।

कहा: यहां ब्रह्मचारी देवता, महिलाएं क्यों आना चाहती हैं

विपक्ष करेगा महिला आरक्षण बिल का विरोध

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्षी दलों की बैठक के बाद केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि तमाम विपक्षी दल महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सरकार जिस तरह से इसे लागू करने की योजना बना रही है, वह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित और जनता को गुमराह करने वाला कदम है।

खड़गे ने विपक्षी दलों की बैठक के बाद कहा कि हम सभी महिला आरक्षण बिल के पक्ष में हैं, लेकिन सरकार जिस तरह से इसे लेकर आई है, वह राजनीति से प्रेरित है। हमने हमेशा इस बिल का समर्थन किया है, लेकिन हमारा आग्रह है कि पुराने संशोधनों को लागू किया जाए। सरकार परिसीमन और जनगणना के नाम पर चालें चल रही है। कार्यपालिका के जरिये संविधान की उन शक्तियों को हथिया रही है, जो संसद और संस्थाओं के पास होनी चाहिए, इन्होंने पहले भी असम और जम्मू-कश्मीर के परिसीमन में हमें धोखा दिया है। इसलिए हम इस बिल के मौजूदा स्वरूप का एकजुट होकर संसद में विरोध करेंगे। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि महिला आरक्षण को तुरंत लागू किया जाना चाहिए और हम इसके समर्थन में हैं, लेकिन हम इस बिल के साथ जोड़ी गई परिसीमन की प्रक्रिया के पूरी तरह खिलाफ हैं। उनका कहना है कि आरक्षण को परिसीमन और जनगणना की शर्तों में उलझाना सरकार की एक सोची-समझी चाल है, जिससे इस अधिकार को लंबे समय तक टाला जा सके, इसलिए विपक्ष महिलाओं को हक देने का तो पक्षधर है लेकिन सरकार के इस तरीके का पुरजोर विरोध करता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के यहां स्थित आवास पर विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने बैठक में भाग लिया।

खड़गे बोले: नीयत में खोट है, यह सिर्फ चुनावी पैंतरा

LPG लेकर गुजरात के बंदरगाह पहुंचा 'जग विक्रम'

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय ध्वज वाला जहाज जग विक्रम करीब 20,400 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर गुजरात के कांडला स्थित दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी पर पहुंच गया है।

पोर्ट अथॉरिटी के अनुसार यह जहाज दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण कांडला में मंगलवार रात ऑयल जेटी-1 पर सुरक्षित रूप से लंगर डाल चुका है। अधिकारियों ने बताया कि यह टैंकर 11 अप्रैल को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार कर आगे बढ़ा था। यह हाल के दिनों में क्षेत्र में घोषित दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद इस मार्ग से गुजरने वाला पहला भारतीय जहाज है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, यह जहाज मार्च की शुरुआत के बाद फारस की खाड़ी से बाहर निकलने वाला नौवां भारतीय जहाज है। हालांकि अभी भी करीब 15 भारतीय ध्वज वाले जहाज क्षेत्र में मौजूद हैं और आगे के मार्ग के लिए इंतजार कर रहे हैं। रूस ने एक बार फिर संकेत दिया है कि वह ईरान के समृद्ध यूरेनियम से जुड़े विवाद को सुलझाने में सहयोग देने के लिए तैयार है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को बीजिंग में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि मास्को इस समस्या के समाधान में विभिन्न तरीकों से योगदान दे सकता है। इसमें उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम को ईंधन-ग्रेड यूरेनियम में बदलना या उसका एक हिस्सा रूस में सुरक्षित रखना जैसे विकल्प शामिल हो सकते हैं। लावरोव ने यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी कदम ईरान की सहमति से और उसके अधिकारों का सम्मान करते हुए ही उठाया जाएगा।

हाल के दिनों में क्षेत्र में घोषित दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद होर्मुज मार्ग से गुजरने वाला पहला भारतीय जहाज

संक्षिप्त समाचार

प्लास्टिक अपशिष्ट गोदाम में आग लगने से तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के बुध विहार इलाके में प्लास्टिक अपशिष्ट गोदाम में भीषण आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बुधवार को दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित एक ऐसे परिवार के सदस्य थे जो बुध विहार के मांगे राम पार्क इलाके में स्थित गोदाम में बनी एक अस्थाई झोपड़ी में रहते थे। यह घटना मध्यरात्रि के दौरान घटी जब साइट पर रखे अपशिष्ट में आग लग गई और वह तेजी से झुग्गी में पफैल गई। दमकल कर्मियों की सात गाड़ियां मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद बुधवार सुबह आग पर काबू पा लिया गया। शव बुरी तरह जले हुए थे, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। आग लगने के सटीक कारण का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

अनंत स्वरूप बने फिक्की के नए महासचिव

नई दिल्ली। उद्योग मंडल पिफक्की ने भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) के पूर्व अधिकारी अनंत स्वरूप को अपना नया महासचिव नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति बुधवार 15 अप्रैल से प्रभावी हो गई है। पिफक्की ने मीडिया को दी जानकारी में कहा है कि 1992 बैच के आईआरपीएस अधिकारी स्वरूप की नियुक्ति देश के उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व को और सशक्त बनाती है। उनके पास लोक नीति, लॉजिस्टिक्स, विनियामक सुधार और अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं का तीन दशक से भी अधिक का अनुभव है।

महिला आरक्षण विधेयक शीघ्र लागू किया जाए:मायावती

महिला आरक्षण में एससी, एसटी और ओबीसी महिलाओं के लिए कोटा सुनिश्चित किया जाए

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में 33 प्रतिशत आरक्षण में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं के लिए अलग से कोटा सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा प्रावधान नहीं किया गया, तो इस कदम का वास्तविक उद्देश्य कापफी हद तक निष्प्रभावी हो जाएगा।

सुश्री मायावती ने लखनऊ में मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण के मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के पफैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित इस 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने की पहल 'उचित और स्वागतयोग्य' है, भले ही इसमें देरी हुई हो। पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार हाशिए पर रही एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग की महिलाओं के लिए अलग आरक्षण का प्रावधान किया जाना ऐतिहासिक और न्यायसंगत कदम होगा। उन्होंने कहा कि केवल सामान्य महिला आरक्षण से इन वर्गों की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पाएगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब संसद में महिला आरक्षण लागू करने को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। केंद्र सरकार द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में संशोधनों पर 16 अप्रैल को चर्चा प्रस्तावित है, साथ ही परिसीमन से जुड़े बिल पर भी विचार किया जाएगा। सरकार 2029 के आम चुनाव से लोकसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने के लिए संवैधानिक संशोधन लाने की तैयारी में है। प्रस्तावित योजना के तहत लोकसभा की कुल सीटें 543 से बढ़ाकर 816 की जा सकती हैं, जिनमें से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने महिला आरक्षण विधेयक का स्वागत करते हुए इसे जल्द से जल्द लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को दलगत भावना से ऊपर उठकर इस महत्वपूर्ण विधेयक को लागू कराने के लिए एकजुट होना चाहिए। उन्होंने अपने बयान में कहा कि महिला आरक्षण विधेयक के लागू होने से महिलाओं को राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने यह भी कहा कि देश की आधी आबादी को उनके अधिकारों के अनुरूप भागीदारी देना समय की मांग है। बसपा प्रमुख ने केंद्र सरकार से अपील की कि इस विधेयक को लागू करने में किसी प्रकार की देरी न की जाए, ताकि महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाया जा सके।

नोएडा में श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन के बाद केंद्र ने मांगी रिपोर्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के उग्र विरोध-प्रदर्शनों के बाद केंद्र सरकार सतर्क हो गई है। श्रम मंत्रालय के तहत मुख्य श्रम आयुक्त ने हालात की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

अचानक भड़की हड़तालों और हिंसक घटनाओं ने प्रशासन को भी चौंका दिया

अधिकारियों के अनुसार अचानक भड़की हड़तालों और हिंसक घटनाओं ने प्रशासन को भी चौंका दिया है। दरअसल विरोध की शुरुआत सात अप्रैल को हरियाणा के मानेसर औद्योगिक क्षेत्र से हुई, जहां ऑटोमोबाइल सेक्टर के श्रमिकों ने वेतन वृद्धि और बेहतर कार्य-शिफ्ट की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद मंगलवार को नोएडा के सेक्टर-62 में भी श्रमिकों का गुस्सा पफूट पड़ा, जहां बड़ी संख्या में मध्यम उद्योग स्थित हैं और स्थिति हिंसक हो गई। केंद्र सरकार इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। सूत्रों के अनुसार सरकार इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं श्रम संहिताओं को लेकर गलत जानकारी पफैलाकर श्रमिकों को भड़काया तो नहीं जा रहा। हालांकि इस पर श्रम मंत्रालय की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। श्रमिकों का आरोप है कि महंगाई तेजी से बढ़ी है, खासकर पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते, लेकिन उनके वेतन में उसके अनुरूप बढ़ोतरी नहीं हुई। नई श्रम संहिताओं के बाद वेतन संरचना में बदलाव से भी उनकी आय पर असर पड़ा है, जो बढ़ते खर्चों के सामने अपर्याप्त साबित हो रही है। भारतीय ट्रेड यूनियन के एक पदाधिकारी ने कहा कि वेतन और शिफ्ट जैसे मुद्दे प्रमुख हैं और इस समय सरकार के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने कई श्रमिक नेताओं को नजरबंद कर रखा है। नोएडा में यूनियन के जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा को भी नजरबंद किए जाने की बात सामने आई थी। प्रशासन ने श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों और पफैक्ट्री प्रबंधन के साथ वार्ता शुरू कर दी है। उद्योगपतियों का कहना है कि कच्चे माल की लागत बढ़ने से उत्पादन पर असर पड़ा है, जिससे वेतन बढ़ाना उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो गया है। विवाद की जड़ न्यूनतम वेतन में नियमित संशोधन को लेकर बताई जा रही है, जो उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से जुड़ा होता है और आमतौर पर साल में दो बार अप्रैल और अक्टूबर में संशोधित किया जाता है।

शाहतूश कारोबारी वन्यजीव अपराध में दोषी करार

नई दिल्ली, वार्ता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की एक अदालत ने लुप्तप्राय तिब्बती मृग चिरू के बालों से बने शाहतूश शॉल के अवैध निर्यात के आरोप में जयपुर स्थित मेसर्स इंडियन आर्ट गैलरी के मालिक सैयद शाहिद अहमद काशानी को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत दोषी करार दिया है।

दिल्ली के राउज एवेन्यू जिला न्यायालय के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने हाल ही में काशानी के खिलापफ दिसम्बर 2008 में दर्ज मामले में यह पफैसला सुनाया है। उसे लुप्तप्राय तिब्बती मृग (पैंथोलोप्स हॉजसोनी) के बालों से बने शाहतूश शॉल के कारोबार के गंभीर आरोप में दोषी ठहराया गया है। स्थानीय रूप से चिरू के नाम से प्रसिद्ध यह तिब्बती मृग वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची में सूचीबद्ध है और कानूनी रूप से इसका व्यापार प्रतिबंधित है। पिछले 51 साल से शाहतूश शॉल के व्यापार पर वैश्विक स्तर पर प्रतिबंध है। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार इस मामले की अनूठी विशेषता वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), सीमा शुल्क और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्लूआईआई) के बीच लगभग 17 वर्षों तक चले निरंतर समन्वय का परिणाम बताया जा रहा है। डब्ल्यूसीसीबी को यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निर्यात खेप में 1,290 शाहतूश शॉल होने का पता चला और पफरवरी 2009 में सीबीआई में शिकायत दर्ज की गई। यह पहली बार था, जब वन्यजीव अपराध के मामले में सीबीआई के माध्यम से मुकदमा चलाया गया।

प्रधानमंत्री ने परिसीमन मुद्दे पर राष्ट्र के साथ जानबूझकर छल किया

कांग्रेस ने परिसीमन को लेकर मोदी पर बोला हमला

नई दिल्ली, वार्ता

संसदीय प्रतिनिधित्व पर पहले दिए गए आश्वासनों को कमजोर करने का आरोप लगाया

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला और सरकार पर जानबूझकर धोखा देने और संसदीय प्रतिनिधित्व पर पहले दिए गए आश्वासनों को कमजोर करने का आरोप लगाया। सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर लिखे एक तीखे पोस्ट में, रमेश ने आरोप लगाया कि परिसीमन पर प्रधानमंत्री के दावों का आगामी संसद के विशेष सत्र के लिए प्रसारित विधेयकों में खंडन किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एक तथाकथित नेता हैं, जिनकी एकमात्र विशिष्ट विशेषता उनकी बेजोड़ भ्रामक नेतृत्व क्षमता है। उन्होंने परिसीमन मुद्दे पर राष्ट्र के साथ जानबूझकर छल किया है। प्रस्तावित परिवर्तनों के संभावित प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए, कांग्रेस नेता ने दावा किया कि कई क्षेत्रों के लोकसभा में सापेक्ष प्रतिनिधित्व में कमी आ सकती है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्यों के सदस्यों की लोकसभा में संख्या कम हो जाएगी और इसी तरह की स्थिति उत्तर-पश्चिम भारत के छोटे राज्यों और पूर्वी राज्यों की भी है। उन्होंने सरकार की विपफलता पर सवाल उठाया, जो सभी राज्यों में सीटों में एक समान एवं आनुपातिक वृद्धि करने की अपनी पिछली प्रतिबद्धता का सम्मान करने में विपफल रही। रमेश ने कहा कि सभी राज्यों के लिए लोकसभा में समानुपातिक संख्या में वृद्धि का जो वादा प्रधानमंत्री और उनके कुछ सहयोगियों ने किया था, उसका क्या हुआ? ऐसा नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री के आश्वासनों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने सरकार पर संवैधानिक सिद्धांतों के बजाय राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। रमेश ने कहा कि वह सत्ता हथियाने की अपनी अशिष्ट प्रवृत्ति से ऊपर उठकर एक राजनेता बनने में असमर्थ हैं यहां तक कि परिसीमन जैसे संवेदनशील मुद्दे पर भी।

महिला आरक्षण चर्चा का नहीं, तत्काल क्रियान्वयन का मामला है: डा. अनिल

नई दिल्ली। कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन डा. अनिल जय हिंद ने कहा है कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण चर्चा का नहीं, बल्कि उसके तत्काल क्रियान्वयन का मामला है। उन्होंने बताया कि नरेंद्र मोदी सरकार 16 अप्रैल से संसद का विशेष सत्र बुला रही है, जिसमें संविधान संशोधन लाने की तैयारी है। जय हिंद के अनुसार पहले सरकार ने 2027 में जातिगत जनगणना, उसके बाद परिसीमन और पिफर महिला आरक्षण लागू करने का रोडमैप बनाया था, लेकिन अब 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने की बात कही जा रही है, जो मौजूदा जनसंख्या बदलावों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जातिगत जनगणना से बचना चाहती है। इस संदर्भ में 2021 में संसद दिए गए आश्वासन और उच्चतम न्यायालय में दिए गए हलपफनामों का हवाला दिया गया।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 78111.24 | निफ्टी 24231.30 | सोना 15299 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट) | चांदी रु. 239934 प्रति किलो

शेयर बाजारों में लौटी तेजी सेंसेक्स 1264 अंक चढ़ा

मुंबई, वार्ता

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता पिफर शुरू होने की उम्मीद में घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी लौट आई और बीएसई का सेंसेक्स 1,263.67 अंक (1.64 प्रतिशत) चढ़कर 78,111.24 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 388.65 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की बढ़त में 24,231.30 अंक पर पहुंच गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ पाकिस्तान में शांति वार्ता दो दिन में पिफर शुरू हो सकती है। इससे निवेशकों में उत्साह देखा गया। उत्साहित निवेशकों की लिवाली से सभी सूचकांकों और सभी सेक्टरों में तेजी रही। मझौली कंपनियों का निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.29 प्रतिशत और छोटी कंपनियों का निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.35 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।

टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, आईटी, रियलटी, तेल एवं गैस, रसायन और मीडिया समूहों के सूचकांक दो से तीन प्रतिशत के बीच चढ़े। ऑटो, वित्त, एपफएमसीजी, धातु, पफार्मा, बैंकिंग और स्वास्थ्य समूहों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत तक मजबूत हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडिगो का शेयर साढ़े चार प्रतिशत से अधिक की बढ़त में रहा। इटरनल और पावरग्रिड में भी चार प्रतिशत से अधिक तेजी रही। अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, टीसीएस, एलएंडटी और एशियन पेंट्स के शेयर तीन से चार प्रतिशत तक ऊपर रहे। ट्रेंट, सनपफार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंपफोसिस और बजाज पिफनसर्व के शेयर दो से तीन प्रतिशत मजबूत बंद हुए। टाइटन, एचडीएपफसी बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज पफाइनेंस, एनटीपीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, हिंदुस्तान यूनीलिवर, बीईएल, आईटीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा स्टील के शेयर एक से दो प्रतिशत ऊपर रहे। भारतीय स्टेट बैंक भी हरे निशान में बंद हुआ, जबकि भारती एयरटेल में गिरावट रही।

चावल, गेहूं के भाव बढ़े, चीनी नरम दालों और खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। गेहूं में भी तेजी देखी गई, जबकि चीनी का भाव टूट गया। वहीं दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 33 रुपये बढ़कर 3,811 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई।

गेहूं आठ रुपये महंगा हुआ और 2,778 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 21 रुपये घट गई। दाल-दलहनों में मिश्रित रुख देखा गया। चना दाल औसतन 12 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ, जबकि अन्य दालों में नरमी रही। उड़द दाल 67 रुपये और मसूर दाल 41 रुपये सस्ती हुई। मूंग दाल की कीमत 40 रुपये और तुअर दाल की छह रुपये प्रति क्विंटल घट गई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा आठ रिगिट चढ़कर 4,474 रिगिट प्रति टन पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.69 प्रतिशत की बढ़त में 66.90 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में ज्यादातर खाद्य तेलों में नरमी देखी गई। पाम ऑयल औसतन 204 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। मूंगफली तेल 128 रुपये और सूरजमुखी तेल 93 रुपये सस्ता हुआ। वनस्पति की 82 रुपये और सरसों तेल की 34 रुपये पिसल गया। सोया तेल की कीमत 40 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 76 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। चीनी 26 भी 35 रुपये सस्ती हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7659.32 रुपये, मसूर काली 8040.86 रुपये, मूंग दाल 10137.03 रुपये, उड़द दाल 10764.82 रुपये, तुअर दाल 11227.98 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2778.13 रुपये और चावल 3811.05 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3262.84 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना
खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

योगी ने टाटा मोटर्स लखनऊ संयंत्र से बनी 10 लाखवीं गाड़ी को हरी झंडी दिखाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को टाटा मोटर्स के लखनऊ संयंत्र में बनी 10 लाखवीं गाड़ी को हरी झंडी दिखाई और इसे प्रदेश की औद्योगिक प्रगति का ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य को ग्लोबल मैन्युपफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि किसी भी संस्था या समूह की मजबूती के लिए बाहरी तत्वों के हस्तक्षेप से बचना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि बिगाड़ने वाले बहुत मिलते हैं, लेकिन बनाने वाले बहुत कम होते हैं, इसलिए हर कार्मिक का दायित्व है कि वह संगठन को परिवार की तरह समझे और उसकी एकता व विश्वास को बनाए रखे। मुख्यमंत्री ने कार्यसंस्कृति पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की सफलता टीमवर्क, ईमानदारी और कृतज्ञता पर आधारित होती है। हर कर्मचारी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता के साथ करना चाहिए, क्योंकि यही भाव दीर्घकालिक प्रगति सुनिश्चित करता है।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

सम्राट ने... मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने फिलहाल अपने पास रखे हैं। जनता दल यूनाइटेड के खाते में फिलहाल 18 विभाग ही आए हैं, जिसमें उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी को जल संसाधन, संसदीय कार्य, सूचना एवं जन-संपर्क, भवन निर्माण, अल्पसंख्यक कल्याण, शिक्षा, विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा, ग्रामीण विकास, परिवहन और उच्च शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं दूसरे उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव को ग्रामीण विकास, परिवहन, उच्च शिक्षा, ऊर्जा, योजना एवं विकास, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन, वित्त, वाणिज्य-कर, समाज कल्याण, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण और ग्रामीण कार्य विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अजय राय सहयोग करें: योगी

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पत्र लिखकर सहयोग की अपील की है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि नारी शक्ति वंदन भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी, संतुलित और संवेदनशील बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और युगांतकारी पहल है।

योगी ने अपने पत्र में कहा कि आजादी के अमृतकाल में 'नया भारत' समावेशी और न्यायपूर्ण राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसमें हर वर्ग की समान भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति इस संकल्प का एक महत्वपूर्ण आधार है और महिला आरक्षण कानून इसी दिशा में एक मजबूत कदम है। योगी ने कहा कि दशकों से संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण पर व्यापक विमर्श होता रहा है, लेकिन वर्ष 2023 में इस कानून का लागू होना भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता और सामाजिक न्याय के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। 16 अप्रैल से संसद के दोनों सदनों में इस कानून पर चर्चा प्रस्तावित है, जो 2029 के लोकसभा चुनाव से इसके प्रभावी क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगी। इससे न केवल महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को संस्थागत मजबूती मिलेगी, बल्कि शासन- व्यवस्था में नया दृष्टिकोण, अधिक संवेदनशीलता और व्यापक प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि महिला आरक्षण का मुद्दा किसी एक दल या विचारधारा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की आधी आबादी के अधिकारों और भविष्य से जुड़ा विषय है। उन्होंने इसे सभी राजनीतिक दलों के लिए एक महत्वपूर्ण कसौटी बताते हुए कहा कि इससे यह तय होगा कि हम आने वाली पीढ़ियों को कैसा लोकतंत्र सौंपना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने महिला आरक्षण कानून को लेकर सभी राजनीतिक दलों से सकारात्मक और रचनात्मक सहयोग की अपील की है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए संसद में व्यापक और सार्थक चर्चा आवश्यक है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को संबोधित करते हुए आग्रह किया कि उनकी पार्टी इस महत्वपूर्ण विषय पर गहन विचार- विमर्श करते हुए संसद के दोनों सदनों में प्रस्तावित संशोधनों के समर्थन में रचनात्मक भूमिका निभाए।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर हमले के मामले में विधायक अभय सिंह समेत सभी छह आरोपी बरी

वाराणसी, वार्ता

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में विशेष न्यायालय (एमपी/एमएलए) के न्यायाधीश यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत ने बुधवार को लगभग 24 वर्ष पुराने मामले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर हुए जानलेवा हमले के सभी छह आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया।

धनंजय सिंह ने आरोप लगाया था कि चार अक्टूबर 2002 को वाराणसी से जौनपुर लौटते समय उन पर नदेसर स्थित टकसाल सिनेमा हाल के पास अत्याधुनिक हथियारों से प्राणघातक हमला किया गया था। हमले में धनंजय सिंह, उनके चालक, गनर समेत अन्य लोग घायल हो गए थे। हमलावर मौके से पफरार हो गए थे। इस मामले में गोसाईगंज विधायक अभय सिंह, संदीप सिंह, संजय सिंह, विनीत सिंह (एमएलसी), विनोद सिंह और सतेन्द्र सिंह को आरोपी बनाया गया था। विधायक अभय सिंह ने पफैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज सच्चाई की जीत हुई है। हम सभी को न्यायपालिका पर पूरा भरोसा था। 24 वर्षों से हम सभी को पफर्जी मामले में पफंसाया गया था। आज इंसापफ का दिन है। एमएलसी विनीत सिंह ने कहा कि न्यायालय पर हम सभी को पूर्ण विश्वास था कि एक दिन सत्य सामने आ जाएगा। मेरे खिलापफ कोई साक्ष्य नहीं था। गलत तरीके से मेरा नाम शामिल किया गया था। यह न्याय और सत्य की जीत है। झूठ बेनकाब हो गया है। पफैसले को लेकर न्यायालय और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। करीब ढाई दशक तक चले इस हाईप्रोपफाइल मामले के पफैसले के बाद पूर्वांचल की राजनीति में हलचल मच गई है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम, महिला सशक्तिकरण की दिशा में युगांतकारी कदम : सीएम धामी

कहा, महिलाओं की शक्ति, साहस व समर्पण ही हमारे समाज और देश की प्रगति का आधार

■ मुख्यमंत्री ने किया नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संसद द्वारा 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम, देश की मातृशक्ति के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक युगांतकारी कदम है। इस अधिनियम के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की शक्ति, साहस और समर्पण ही हमारे समाज और देश की प्रगति का आधार है।

बुधवार को उत्तराखंड राज्य महिला आयोग द्वारा राजकीय दून मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ये केवल संख्या बढ़ाने का प्रयास नहीं बल्कि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में उठाया गया एक क्रांतिकारी कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दूरदर्शी सोच के साथ नारी शक्ति को लोकतंत्र के सर्वोच्च मंचों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है शिव भी तभी समर्थ हैं जब वे शक्ति से युक्त हों, शक्ति के बिना कोई भी सृजन या सामर्थ्य संभव नहीं हो सकता है, इसलिए नारीशक्ति के सामर्थ्य के बिना राष्ट्र और समाज की वास्तविक उन्नति की कल्पना असंभव है। उन्होंने कहा कि आज की महिला, किसान भी है, तो स्टार्टअप खड़ा करने वाली एंटरप्रेन्योर भी है। वो गाँव की पंचायत में विकास की योजनाएँ बनाने वाली जनप्रतिनिधि भी है, तो देश की संसद में नीति निर्धारण करने की क्षमता रखने वाली सशक्त नेतृत्वकर्ता भी है। उन्होंने कहा कि आज तक हमारे देश की आधी आबादी को वो सम्मान नहीं मिल पाया है, जिसकी वो वास्तव में हकदार है। परन्तु अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नारी शक्ति को सम्मान और अधिकार दिलाने की दिशा में एक नए युग का शुभारंभ हो चुका है। कार्यक्रम में सीएम धामी ने 11 महिलाओं को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना, पद्मश्री माधुरी बर्थवाल, भाजपा नेत्री दीप्ति रावत, रूचि भट्ट सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित है प्रदेश सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार भी मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में राज्य में शिक्षा, रोजगार उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया गया है। राज्य सरकार द्वारा उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही, 'सशक्त बहना उत्सव योजना' और 'मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना' के माध्यम से राज्य की मातृशक्ति को नए अवसर और शक्ति प्रदान करने का काम भी किया है। राज्य सरकार ''मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना'' के अंतर्गत महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को एक ब्रांड के रूप में विकसित करने पर भी ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि "वोकल फॉर लोकल" और "लोकल टू ग्लोबल" की पहल के अंतर्गत, महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से "हाउस ऑफ हिमालयाज'' नाम से अम्ब्रेला ब्रांड की शुरुआत की गई है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश की 2 लाख 65 हजार से अधिक लखपति दीदियों की सालाना आय एक लाख से अधिक हो चुकी। प्रदेश सरकार ने जहां एक और महिलाओं के लिए सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत आरक्षण लागू किया वहीं, महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए "समान नागरिक संहिता" लागू की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 16 अप्रैल से संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विशेष सत्र प्रस्तावित है। कई दशकों से लंबित महिला आरक्षण का सपना अब साकार होने की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाली मातृशक्ति को सम्मानित भी किया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत के भविष्य को दिशा देने वाला परिवर्तनकारी प्रयास : सावित्री

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं बल्कि भारत के भविष्य को दिशा देने वाला परिवर्तनकारी प्रयास है। महिलाओं को संसद एवं विधानसभाओं में आरक्षण की व्यवस्था से महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ेगी और निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल होने का अधिकार मिलेगा। अब महिलाएं भी हर बड़े फसलों में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि इस व्यवस्था से महिलाओं का सम्मान, अधिकार और विश्वास में बढ़ोतरी होगी। प्रधानमंत्री जी ने हमेशा महिला नेतृत्व को प्राथमिकता दी है और उनका सशक्तिकरण किया है। उन्होंने कहा महिलाओं की यात्रा केवल अधिकारों की नहीं अपितु आत्म सम्मान, सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी तय करने की भी है।

महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया का केंद्र बनाता है नारी शक्ति वंदन अधिनियम : रेखा आर्य

महिला सशक्तिकरण बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि इस कानून की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि यह महिलाओं को केवल प्रतिनिधित्व नहीं देता, बल्कि उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया का केंद्र बनाता है। अब महिलाएं स्वयं नीतियां बनाएंगी, अपने अनुभवों के आधार पर समाज को दिशा देंगी। यही वास्तविक सशक्तिकरण है। उन्होंने कहा कि पिछली पीढ़ियों की महिलाओं को अपने अधिकारों की आवाज उठाने के लिए अक्सर पुरुषों पर निर्भर रहना पड़ता था। उन्हें अवसर सीमित मिले, मंच सीमित मिले, और निर्णय लेने के अधिकार भी सीमित रहे। लेकिन आज की स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

राज्यपाल के सामने 'विधि सहयोगी' एप का प्रस्तुतीकरण

■ आमजन को मिलेगी सरल कानूनी सहायता

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) के समक्ष बुधवार को सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने 'विधि सहयोगी' मोबाइल एप का प्रस्तुतीकरण दिया।

उन्होंने बताया गया कि 'विधि सहयोगी' एक एआई सक्षम मोबा. इल एप है, जो आम लोगों को सरल भाषा में कानूनी जानकारी उपलब्ध कराने, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और विधिक सहायता तक पहुंच आसान बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। एप के माध्यम से उपयोगकर्ता कानूनी विषयों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, अध्ययन सामग्री हासिल कर सकेंगे और आवश्यकता पड़ने पर अधिवक्ताओं से संपर्क भी कर सकेंगे। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि भविष्य में इसमें ऑनलाइन परामर्श, केस ट्रैकिंग, दस्तावेज प्रबंधन और सरकारी योजनाओं से जुड़ी सुविधाएं भी जोड़ी जाएंगी। कुल. पति ने बताया कि इसपर कार्य प्रगति पर है और शीघ्र ही इसकी लॉन्चिंग की जाएगी। राज्यपाल ने एप को तैयार करने वाली टीम एवं विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के नवाचार समाज में विधिक जागरूकता बढ़ाने और लोगों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल एवं अपर सचिव रीना जोशी उपस्थित रहे।

शानदार पहलः राज्य के हर स्कूल में बजेगी वॉटर बेल

■ प्रत्येक छात्र-छात्रा को गर्मियों के मौसम में नियमित अंतराल पर मिलेगा पीने के लिए पानी, डिहाइड्रेशन से बचाव होगा सुनिश्चित ■ ग्रीष्म ऋतु की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सभी विद्यालयों में नियमित अंतराल पर वॉटर बेल बजाने के निर्देश दिए हैं, ताकि प्रत्येक छात्र-छात्राएं गर्मियों के मौसम में नियमित अंतराल पर पानी पी सकें और डिहाइड्रेशन से बचाव सुनिश्चित हो। मुख्य सचिव ने बुधवार को ग्रीष्मकाल में हीटवेव की तैयारियों को लेकर शासन के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक ली। उन्होंने विद्यालय के समय में आवश्यकतानुसार परिवर्तन करने, कक्षाओं में पर्याप्त वेंटिलेशन, ओआरएस एवं आवश्यक दवाओं का भंडारण किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को हीट वेव से बचाव सम्बन्धी व्यवहारिक जानकारी देना सुनिश्चित किया जाए। राज्य में बढ़ते तापमान एवं संभावित हीट वेव की स्थिति को देखते हुए सभी स्कूलों में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखी जाए। साथ ही उन्होंने जिलाधिकारियों को गर्मियों के मौसम में जिन भी क्षेत्रों में पानी की किल्लत हो, वहां सभी निर्माण कार्यों पर अस्थायी रोक लगाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बसों, स्टेशन, बाजार में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि हीट वेव की चुनौती से निपटने के लिए राज्य से लेकर ग्राम स्तर तक सभी विभाग समन्वित एवं सक्रिय रूप से कार्य करें। प्रत्येक जनपद में हीट वेव एक्शन प्लान तैयार करते हुए संवेदनशील (हॉटस्पॉट) क्षेत्रों की पहचान की जाए तथा वहां विशेष निगरानी एवं राहत व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके साथ ही 24ञ7 कंट्रोल रूम संचालित कर किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए।

मुख्य सचिव ने पेयजल की उपलब्धता को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए निर्देश दिए कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, बस स्टैंड, पंचायत भवनों आदि पर स्वच्छ पेयजल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिन क्षेत्रों में जल संकट की संभावना है, वहां अग्रिम कार्ययोजना बनाकर टैंकरों की व्यवस्था, नलकूपों एवं पंपिंग सिस्टम की नियमित निगरानी तथा वैकल्पिक जल आपूर्ति व्यवस्था तैयार रखी जाए। उच्च मांग की स्थिति में आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए अतिरिक्त संसाधनों की पूर्व व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर सचिव दिलीप जावलकर, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, सीसीएफ सुशांत कुमार पटनायक, डॉ. पराग मधुकर धकाते, सी. रविशंकर, विनोद कुमार सुमन एवं रणवीर सिंह चौहान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं जनपदों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान आज हर्षिल दौरे पर

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। जनपद के सीमांत क्षेत्र हर्षिल में भारतीय सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान दो दिवसीय दौरे पर पहुंच रहे हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को वह दोपहर 12:10 बजे भारतीय वायुसेना के विमान से हर्षिल सेना हेलीपैड पर उतरेंगे।

दौरे के दौरान सीडीएस 'वाइब्रेंट विलेज योजना' के अंतर्गत स्थानीय किसानों के लिए एक सामुदायिक भवन का शिलान्यास करेंगे और ग्रामीणों से सीधा संवाद भी करेंगे। इसके बाद वह हर्षिल स्थित ऐतिहासिक विल्सन हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे।

सीडीएस का यह दौरा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि हर्षिल के आगे निलांग और जादुंग जैसे क्षेत्र भारत-चीन सीमा की अग्रिम चौकियों के रूप में संवेदनशील माने जाते हैं। इस दौरे से जहां सीमांत सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा होगी, वहीं क्षेत्रीय विकास को भी नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

प्रदेश में 50 स्विफ्ट स्कूलों का होगा शुभारंभः डॉ. रावत

■ शिक्षा विभाग व कॉन्वजीनियस फाउण्डेशन के बीच हुआ एमओयू साइन ■ सीएसआर फंड से छात्र-छात्राओं को वितरित किये जायेंगे 1000 लैपटॉप

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रदेशभर में 50 'स्विफ्ट स्कूल' स्थापित किये जायेंगे। इसके लिये शिक्षा विभाग एवं कॉन्वजीनियस फाउण्डेशन के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू साइन हुआ है। जिसके तहत इन विद्यालयों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिये आधुनिक तकनीक युक्त डिजिटल अवसंरचना विकसित की जायेगी। साथ ही कॉन्वजीनियस फाण्डेशन एमेजन वेब सर्विस के सहयोग से छात्र-छात्राओं को 1000 लैपटॉप भी वितरित करेगा। स्विफ्ट स्कूलों की स्थापना के लिये विभाग द्वारा स्कूलों का चयन कर लिया गया है, साथ ही विभागीय अधिकारियों को स्वीफ्ट स्कूलों के शीघ्र संचालन को निर्देश दे दिये गये हैं।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को तकनीकी आधारित बनाने के लिये निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में समग्र शिक्षा एवं कॉन्वजीनियस फाउण्डेशन के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन साइन हुआ है। जिसके तहत प्रदेशभर में 50 'स्विफ्टस्कूल' की स्थापना की जायेगी। डॉ. रावत ने बताया कि 'स्विफ्ट स्कूल' एक एकीकृत विद्यालय परिवर्तन मॉडल है। जिसमें व्यक्तिगत शिक्षण, कक्षाओं में आधुनिक तकनीक का उपयोग, शिक्षकों को डेटा आधारित सहायता के साथ ही डिजिटल अवसंरचना का समावेश होगा। जिससे छात्र-छात्राओं को उनके सीखने के स्तर के अनुसार शिक्षा देने में मदद मिलेगी साथ ही शिक्षकों को डेटा आधारित जानकारी मिलेगी जिससे वह कक्षा में अधिक प्रभावी अध्यापन कर सकेंगे। स्विफ्ट स्कूलों में तकनीकी के माध्यम से बच्चों के सीखने की कमियों की समय पर पहचाना कर उन्हें आवश्यक शैक्षणिक सहायता भी उपलब्ध कराई जायेगी। बताया कि कॉन्वजीनियस फाउण्डेशन प्रदेश में सीएसआर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने में भी मदद कर रहा है।

सीधी भर्ती के रिक्त पदों के लिए अधियाचन भेजे जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

■ अपर सचिव, कार्मिक व सर्तकता ने जारी किए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। अपर सचिव, कार्मिक एवं सर्तकता गिरधारी सिंह रावत ने उपनल के माध्यम से कार्ययोजित किये जाने वाले कर्मियों के सापेक्ष सीधी भर्ती के रिक्त पदों के लिए अधियाचन भेजे जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं।

उन्होंने सभी प्रमुख सचिवों, सचिवों, मण्डलायुक्तों, विभागाध्यक्षों व जिलाकारियों को सम्बोधित पत्र में स्पष्ट किया है कि विभागों के अन्तर्गत सीधी भर्ती के ऐसे पद, जिनके सापेक्ष सैनिक कल्याण अनुभाग के शासनादेश 03 फरवरी, 2026 में जारी दिशा-निर्देशों एवं प्रावधानों के आलोक में उपनल कर्मियों को रखा जायेगा, उन पदों के सापेक्ष सीधी भर्ती के रिक्त पदों के समस्त अधियाचन/प्रस्ताव चयन संस्था/आयोग को भेजने से पूर्व संबंधित विभाग द्वारा कार्मिक एवं सतर्कता विभाग, न्याय विभाग तथा वित्त विभाग से पूर्वानुमति अनिवार्य रूप से प्राप्त की जाय। उन्होंने सभी विभागों से अपेक्षा की है कि उक्त व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा बिना आवश्यक पूर्वानुमति के किसी भी प्रकार का भर्ती प्रस्ताव अग्रसारित न किया जाए।

खेल प्रतिस्पर्धा का माध्यम व व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त आधारः धामी

■ मुख्यमंत्री ने किया 87वें इंटर स्टेट जूनियर एवं यूथ नेशनल टेबल टेनिस चौंपियनशिप का शुभारंभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को परेड ग्राउंड, देहरादून स्थित बहुद्देशीय क्रीड़ा हॉल में 87वें इंटर स्टेट जूनियर एवं यूथ नेशनल टेबल टेनिस चौंपियनशिप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने टेबल टेनिस खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तराखंड के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि राज्य को पहली बार इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने इसके लिए भारतीय टेबल टेनिस महासंघ का भी आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त आधार है। खेलों के माध्यम से अनुशासन, धैर्य, टीम भावना और लक्ष्य के प्रति समर्पण जैसे जीवन-मूल्य विकसित होते हैं, जो युवाओं को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे न केवल अपने-अपने राज्यों का बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और संकल्प ही भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेबल टेनिस ऐसा खेल है जिसमें गति, संतुलन, तकनीक और मानसिक दृढ़ता का समन्वय आवश्यक होता है। यह खेल खिलाड़ियों को त्वरित निर्णय क्षमता, रणनीतिक सोच और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करना सिखाता है।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, अध्यक्ष राज्य स्तरीय खेल परिषद कुलदीप बुटोला, उपाध्यक्ष राज्य स्तरीय खेल परिषद हेमराज बिष्ट, विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा और उत्तराखंड टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष चेतन गुरुंग मौजूद थे।

कहा, राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने करने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भी खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में 38वें राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन के माध्यम से उत्तराखंड को देवभूमि के साथ-साथ खेलभूमि के रूप में स्थापित किया गया है, जिसमें राज्य के खिलाड़ियों ने 103 पदक जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों में हार और जीत महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि खिलाड़ियों का जज्बा, अनुशासन और आत्मविश्वास ही उन्हें सच्चा विजेता बनाता है।

प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में खेल संस्कृति को नई दिशा मिली : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में खेल संस्कृति को नई दिशा मिली है। 'खेलो इंडिया' एवं 'फिट इंडिया मूवमेंट' जैसे अभियानों के माध्यम से भारत ने खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और आज देश वैश्विक मंचों पर अपनी अलग पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियाई खेलों एवं कॉमनवेल्थ खेलों में भारतीय खिलाड़ियों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट प्रदर्शन देश के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता प्रधानमंत्री के खिलाड़ियों के प्रति विश्वास, प्रोत्साहन और बेहतर संसाधनों की उपलब्धता का परिणाम है।

नारियों को अपना अधिकार लेने से अब कोई रोक नहीं पाएगाः भट्ट

■ पीएम के नेतृत्व में आधी आबादी को पूरा अधिकार देगी संसद : भाजपा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने गुरुवार से होने वाले संसद के विशेष सत्र को आधी आबादी को उसके पूरे अधिकार देने की दिशा में इतिहास सृजन करने वाला बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में मातृ शक्ति को संवैधानिक अधिकार देने का यही समय है, सही समय है। उन्होंने कांग्रेस समेत विपक्ष को भी सुझाव दिया कि राजनैतिक विरोध छोड़ें और महिला आरक्षण संशोधन बिल का समर्थन करें। क्योंकि देश की नारियों को अपना अधिकार लेने से अब कोई रोक नहीं पाएगा।

उन्होंने मीडिया के माध्यम दी गई अपनी प्रतिक्रिया कहा, मातृ शक्ति को समुचित संवैधानिक अधिकार देने में देश पहले से ही बहुत पीछे है। ऐसे में 2023 में पास इस नारी शक्ति वंदन कानून को तय समय से पहले ही 2029 लागू करने की कोशिशों पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। वो भी तब जब विपक्ष इसे 2024 के चुनावों से ही लागू करने की मांग करता रहा हो। लिहाजा देश अच्छी तरह तरह देख समझ रहा है कि जल्दी लागू करने के प्रयासों का विरोध क्यों हो रहा है।

उन्होंने सोनिया गांधी और कांग्रेस की महिला आरक्षण में एससी एसटी तरह, कानून में ओबीसी को शामिल करने की बहस छेड़ना पूरी तरह से महिला अधिकारों की रेल को डिरेल करने की तैयारी बताया। क्योंकि सभी जानते हैं कि संवैधानिक जनप्रति. निधित्व में ओबीसी आरक्षण देना संविधान प्रावधानों में नहीं है। जिसको लेकर विस्तृत्व चर्चा मूल कानून के पास होने के दौरान हुई थी, तब सभी ने वर्तमान कानून को पास किया था। ऐसे अब दोबारा से इस चर्चा को करना, कहीं न कहीं कानून संशोधन को बाधित करना है। वहीं परिसीमन को लेकर आने वाले संशोधन को भी उन्होंने महिला सशक्तिकरण की इस कोशिश में बेहद अहम बताया।

बाज़ार में दस्तक देगी 'कौसानी चाय'

जिलाधिकारी आकांक्षा ने शुरू कराया पैकेजिंग कार्य

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे द्वारा बुधवार को कौसानी चाय की स्थानीय स्तर पर पैकेजिंग व्यवस्था का शुभारंभ किया गया। इस पहल के तहत अब स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं कौसानी चाय की पैकेजिंग का कार्य करेंगी, जिससे स्थानीय उत्पाद को बाजार में बेहतर पहचान और उचित मूल्य मिल सकेगा। डीएम ने कहा कि कौसानी चाय में अपार संभावनाएं हैं और इसकी सही ब्रांडिंग व पैकेजिंग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से उत्पाद के पीछे की सोच और उद्देश्य को समझते हुए एक मजबूत विपणन रणनीति तैयार की जाएगी, जिससे इसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जा सके। यह एक शुरुआत है और आगे सभी आवश्यक कदम योजनाबद्ध तरीके से

उठाए जाएंगे। मुख्य विकास अधिक. ारी आरसी तिवारी ने बताया कि कौसानी चाय के प्रचार-प्रसार हेतु प्रमुख पर्यटन स्थलों पर स्टॉल स्थापित किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक पर्यटकों तक यह उत्पाद पहुंच सके। इस अवसर पर जिला. धिकारी ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद कर उन्हें प्रोत्साहित किया तथा उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल रीप एवं मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के अंतर्गत स्थानीय उत्पादों को सशक्त बनाने और उन्हें बाजार तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे महिलाओं की आजीविका सुदृढ़ होगी और उत्पाद को उसका उचित मूल्य एवं पहचान मिल सकेगी। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डीआरडीओ शिल्पी पंत ने बताया कि क्लस्टर स्तरीय संकल्प के माध्यम से मार्केटिंग में सहयोग के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे कि महिलाओं में मार्केटिंग को लेकर जो भी समस्याएं आ रही है उसका समाधान हो सके। बैठक में परियोजना प्रबंधक मोहम्मद आरिफ समेत संबंधित विभागों के अधिकारी एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

132 केवी जीआईएस उपकेन्द्र का होगा कायाकल्प

महत्वकांक्षी परियोजना को विश्वबैंक की हरी झंडी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जनपद में विद्युत आपूर्ति को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत पिटकुल के 132 केवी जीआईएस उपकेन्द्र बागेश्वर के पुनरोद्धार (कायाकल्प) कार्य जल्द शुरू किए जाएंगे।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए विश्व बैंक से सैद्धान्तिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, जिससे इसके शीघ्र क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता मोहम्मद अफजाल ने बताया कि परियोजना को गति देने के लिए प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट (यूआईपी) का गठन कर लिया गया है। टीम की कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से 15 अप्रैल से 18 अप्रैल तक प्रोक्योरमेंट असेसमेंट से संबंधित प्रशिक्षण भी आयोजित किया जा रहा है, ताकि परियोजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने जानकारी दी कि निर्धारित कार्ययोजना के तहत सीईआरसी के एक्टिवेशन के माध्यम से पुनरोद्धार कार्य को तय समयसीमा में पूरा किया जाएगा। इस परियोजना के पूर्ण होने पर जनपद की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा। वर्तमान व्यवस्था के तहत बागेश्वर को रानीखेत और अल्मोड़ा स्थित 132 केवी उपकेन्द्रों से निर्बाध विद्युत आपूर्ति दी जा रही है। बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए फरवरी माह में रानीखेत उपकेन्द्र पर बागेश्वर के लिए 20 एमवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर भी स्थापित किया गया है, जिससे क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था और मजबूत हुई है।

एक नजर...

विद्युत विभाग की लापरवाही का दंश झेल रहे किसान: डा. गणेश उपाध्याय

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उधम सिंह नगर में विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण गेहूं की फसल में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इस लापरवाही के चलते किसानों को भारी नुकसान हो रहा है, और उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डा. गणेश उपाध्याय ने इस संबंध में कहा कि विद्युत विभाग की लापरवाही की वजह से किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द विद्युत विभाग के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जाए। डा. उपाध्याय ने यह भी कहा कि किसानों को उनकी फसल के नुकसान का मुआवजा मिलना चाहिए, और उत्तराखंड सरकार को प्रति एकड़ रुपये 40,000 का मुआवजा देने का आदेश जारी करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने शीघ्र ही कोई कदम नहीं उठाया, तो किसान एकजुट होकर विद्युत विभाग और राज्य सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे।

बीडीओ ने खड़े कराए सरकारी वाहन

कालाढूंगी। बुधवार को कोटाबाग के सामाजिक कार्यकर्ता अनुराग पांडे द्वारा सीडीओ से की गई रिप कर्मचारियों की शिकायत के बाद सीडीओ अरविंद कुमार पांडे ने कोटाबाग खंड विकास अधिकारी डा. श्वेता को तत्काल सरकारी वाहन ब्लॉक में ही खड़ा करने के आदेश दिए। जिसके बाद बीडिओ ने तुरंत आदेश का पालन करते हुए कोटाबाग ब्लॉक के रीप कर्मचारियों की दो सरकारी मोटर साइकिल जिसमें एक वाहन तो दूसरी स्कूटी को कोटाबाग ब्लॉक में खड़ी करवा दी और चाबी स्टोर प्रभारी को सौंप दी। सीडीओ के निर्देश पर बीडिओ ने सभी रिप कर्मचारियों को आदे. शित किया कि भविष्य में फील्ड के किसी भी कार्य में जाने से पहले बीडीओ की परमिशन आवश्यक है। बीडीओ ने रीप कर्मचारियों को फील्ड में जाने और आने का समय, जगह और फोटो बताने देने को कहा। अन्य शिकायत की जांच के लिए एपीडी को जांच अधिकारी बनाया गया।

बताया: कचरे को अलग-अलग कैसे रखें

काशीपुर। नगर निगम द्वारा संचालित स्कूल जागरूकता अभियान के तहत जीपीएस बांसखेड़ा खुर्द एवं जीपीएस बांसखेड़ा कला में एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान नगर निगम की टीम ने छात्र-छात्राओं को 6 बिन कचरा सेग्रीगेशन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही विभिन्न गतिविधियों एवं खेल के माध्यम से उन्हें कचरे को सही तरीके से अलग-अलग डिब्बों में डालने की प्रक्रिया भी समझाई गई। इस दौरान छात्र-छात्राओं को स्वच्छता वॉरियर स्टिकर्स एवं 6-बिन से संबंधित स्टिकर्स वितरित किए गए, जिससे वे अपने घरों में भी इस संदेश को आगे बढ़ाकर अपने परिवार के सदस्यों को जागरूक कर सकें। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और उन्हें जागरूक नागरिक के रूप में तैयार करना है, ताकि वे आने वाले समय में स्वच्छता के प्रेरक बन सकें।

अव्यवस्थाओं पर फार्मासिस्टों का विरोध

बागेश्वर। चारधाम यात्रा ड्यूटी के दौरान आ रही समस्याओं को लेकर डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन, बागेश्वर ने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। बुधवार को कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि यात्रा भत्ता और प्रोत्साहन भत्ता का भुगतान अब तक लंबित है, जिससे कर्मचारियों में नारा. जगी है। इसके अलावा ड्यूटी पर तैनात फार्मासिस्टों के लिए भोजन और आवास की समुचित व्यवस्था भी नहीं की गई है। फार्मासिस्टों ने यह भी आरोप लगाया कि इस बार महिला फार्मेसी अधिकारियों की भी ड्यूटी लगा दी गई है, जबकि पहले केवल पुरुष कर्मचारियों की तैनाती की मांग की गई थी। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया।

पंडा वंशगोपाल अग्निहोत्री का निधन

काशीपुर। माता बाल सुन्दरी देवी मंदिर के पंडा वंशगोपाल अग्निहोत्री का आज एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जा रहा है कि लगभग 75 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन के बाद मौ पक्काकोट स्थित उनके निवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा हुआ है। पंडा वंशगोपाल अग्निहोत्री माता बाल सुन्दरी देवी मंदिर से जुड़े धार्मिक कार्यों का संचालन कर रहे थे। चैती मेले में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती थी और वे श्रद्धालुओं के मार्गदर्शक के रूप में जाने जाते थे। उनके निधन से धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति मानी जा रही है। क्षेत्रवासियों ने उन्हें अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की है।

वृक्षारोपण के भूमि आवंटन प्रस्तावों की समीक्षा

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में क्षतिपूरक वृक्षारोपण के लिए भूमि आवंटन प्रस्तावों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व विभाग, वन विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संयुक्त निरीक्षण में शिथिलता पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

ढौरा के जंगल में धधकी आग, काबू पाया

अल्मोड़ा। जिले में गर्मी बढ़ने के साथ ही वनाग्नि की घटनाएं भी तेजी से बढ़ने लग गई है। बीते मंगलवार रात ढौरा गांव के जंगल में आग धधक उठी। सूचना पर फायर सर्विस की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया। अल्मोड़ा के जंगलों में वनाग्नि की घटनाएं शुरू हो गई है। ग्राम पंचायत ढौरा के जंगलों में मंगलवार रात अचानक आग धधक उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तेजी से रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ने लगी। आग को बढ़ता देख ग्रामीणों में भी हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना फायर सर्विस को दी। अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में मौके पर पहुंची फायर सर्विस की टीम ने एक होज रील फैलाकर आग पर काबू पाना शुरू किया।

सूचना: नाम परिवर्तन

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम प्रीति खुराना से बदलकर प्रीति अरोड़ा (PREETI ARORA) कर लिया है। भविष्य में मुझे PREETI ARORA (प्रीति अरोड़ा) के नाम से जाना व पहचाना जाए। प्रीति अरोड़ा पत्नी राजेन्द्र अरोरा, वार्ड 9, आवास विकास, किच्छा (उधम सिंह नगर।

NAME CHANGE

I, **AZEEM AHMAD** have changed my name from **AJIM AHAMAD** to **AZEEM AHMAD** hence forth I shall be known as AZEEM AHMAD S/O JALIL AHAMAD R/O Ward-15, Dakbangla, Bazpur, Udham Singh Nagar, UK.

देहरादून में पीएम मोदी का स्वागत करने पहुंचे महापौर दीपक बाली

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आयोजित भव्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने राज्यभर से लोग पहुंचे। इस दौरान काशीपुर के महापौर दीपक बाली भी विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने मुख्यमंत्री

धामी के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने यहां पहुंचे थे, जिसे उत्तराखंड के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम के उपरांत सीएम धामी के साथ महापौर बाली ने भी प्रधानमंत्री को औपचारिक रूप से विदाई दी। महापौर दीपक बाली ने इस अवसर को उत्तराखंड के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राज्य में विकास कार्यों को नई गति मिल रही है। उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया।

किसानों ने विद्युत विभाग से मांगा मुआवजा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

काशीपुर। ग्राम कुआंखेड़ा में किसान के गेहूं के खेत में आग लगने के बाद 220 केवी लाइन की मरम्मत करने आए बिजली कर्मियों का विरोध करते हुए किसानों ने पीड़ित किसान को मुआवजा मिलने का ठोस आश्वासन नहीं मिलने तक मरम्मत कार्य शुरू न करने देने की चेतावनी दी। विदित हो कि सोमवार को ग्राम कुआंखेड़ा में विजन वैली स्कूल के पास दो किसानों के गेहूं के खेतों में हाईटेंशन लाइन पर शॉर्ट सर्किट की वजह से भीषण आग लग जाने से किसानों की 12 एकड़ खेत में लगी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई थी।

मंगलवार को पिटकुल के ईई नवीन प्रसाद कर्मचारियों के साथ लाइन की मरम्मत कराने पहुंचे, लेकिन

किसानों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि पहले किसानों को हुए नुकसान का मुआवजा दिया जाए। बताया कि पीड़ित किसान के खेत में पहले भी दो बार आग लग चुकी है, लेकिन अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। भाकियू युवा के प्रदेश प्रवक्ता मनप्रीत सिंह ने मौके पर पहुंचकर किसानों को मुआवजा देने की मांग की। वहीं, पिटकुल के अधिकारियों ने पटवारी की रिपोर्ट पर मुआवजा देने की बात कही। इस दौरान भाकियू प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पडा, मक्खन सिंह, हरदीप सिंह, सुरजीत सिंह व करन सिंह आदि थे।

मोनिका रावत बनी 'ब्लैक कैट कमांडो' एनएसजी में हुआ चयन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

कशीपुर। मोनिका रावत ने अपनी मेहनत और लगन से एनएसजी में विशेष कमांडो के रूप में चयन प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मो. निका रावत स्व. हवलदार जसपाल सिंह रावत की पुत्री हैं, जो मूल रूप से पौड़ी गढ़वाल के ब्लॉक नैनीडांडा के ग्राम मजेडा की निवासी हैं और वर्तमान में काशीपुर की सैनिक कालोनी में रहती हैं।

मोनिका रावत वर्ष 2022 में असम राइफल्स में भर्ती हुई थीं और अपनी सेवा के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन एनएसजी के लिए हुआ। वे तीन बहनों में सबसे बड़ी हैं और उनका एक छोटा भाई भी

है। मोनिका रावत के पिता स्व. जसपाल सिंह रावत भी असम राइफल्स में तैनात थे और ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे। उनके चाचा हर्षपाल रावत भी असम राइफल्स में हवलदार के पद पर कार्यरत हैं। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) देश की एक विशिष्ट आतंकवाद-रोधी सुरक्षा इकाई है, जो गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करती है। इसमें सीधी भर्ती नहीं होती, बल्कि चयन भारतीय सेना और अन्य केंद्रीय सशस्त्र बलों के जवानों में से किया जाता है।

आर्थिक आधार पर लागू हो आरक्षण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। अखिल भारतीय कल्याणकारी संस्था अल्मोड़ा की बैठक बुधवार को नगर के एक होटल सभागार में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय समस्याओं और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कई प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक में आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने की मांग उठाई गई। संस्था ने कहा कि पूरे देश में आरक्षण की व्यवस्था आर्थिक आधार पर ही होनी चाहिए, जिसके लिए वह लगातार शासन-प्रशासन को अवगत कराती रही है। इसके अलावा शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में झूलते बिजली के तारों को शीघ्र ठीक कराने की मांग उठाई गई। संस्था ने चेतावनी दी कि ढीले तारों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। नगर निगम क्षेत्र में नालियों के उचित जल निकास और नियमित रखरखाव पर भी जोर दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में गैस वितरण की पुरानी व्यवस्था बहाल करने और अक्सलाइन प्रक्रियाओं को अनिवार्य न बनाने की मांग भी रखी गई। क्वारब से पेटशाल मोटर मार्ग के शीघ्र निर्माण, जंगली जानवरों और आवारा पशुओं की रोकथाम, विशेषकर बंदरों के बधियाकरण और बाड़ा निर्माण की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। बैठक में नगर निगम से पेयजल, शौचालय और अन्य आधारभूत सुविधाओं को सुचारु व स्वच्छ बनाए रखने की अपील की गई। वहीं ग्राम पंचायत बिन्तोला में पिछले दो महीनों से पेयजल संकट और अधूरी तारबाड़ निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। अध्यक्ष जमन सिंह देवड़ी, महासचिव लक्ष्मण सिंह बोरा, उप सचिव हयात सिंह बिष्ट, कोषाध्यक्ष राम सिंह बिष्ट, संरक्षक डा. एसएस पाटनी, आनंद सिंह सतवाल, जसोद सिंह बिष्ट, रुप सिंह बिष्ट, दीवान सिंह बिष्ट, चंद्रशेखर सिराड़ी, लाल सिंह मेहता समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

प्रधानों का प्रदर्शन, सीएम को भेजा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिला ग्राम प्रधान संगठन बागेश्वर ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। प्रधानों ने प्रशासनिक जटिलताओं, भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप कार्ययोजना की कमी और विकास कार्यों के भुगतान में हो रही देरी को प्रमुख समस्याएं बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो जिले के सभी ग्राम प्रधान कार्य बहिष्कार करने को बाध्य होंगे। बुधवार को संगठन के जिलाध्यक्ष दीपक खेतवाल के नेतृत्व में कपकोट, गरुड़ और बागेश्वर ब्लॉक के ग्राम प्रधान जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप योजनाएं बनाई जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि मैदानी क्षेत्रों की तुलना में दुर्गम क्षेत्रों में निर्माण सामग्री दूर-दूर से ढोनी पड़ती है, जिससे आधी धनराशि परिवहन में ही खर्च

हो जाती है। प्रधानों ने मांग उठाई कि पुरानी कार्यप्रणाली के अनुसार ही विकास कार्य कराए जाएं। उन्होंने कहा कि एक लाख रुपये के कार्य में जीएसटी और अन्य खर्चों के बाद मात्र 60 हजार रुपये ही बचते हैं, जिससे विकास कार्य कर पाना संभव नहीं है। इसके अलावा ग्राम प्रधानों का मानदेय बढ़ाने, मनरेगा और अन्य विकास कार्यों का लंबित भुगतान शीघ्र करने तथा मनरेगा मजदूरों की दैनिक मजदूरी 500 रुपये निर्धारित करने की मांग भी रखी गई। प्रधानों ने कहा कि वर्ष 2024-25 से कई विकास कार्यों का भुगतान लंबित है, जिससे मजदूरों को मजदूरी देने में भी दिक्कत हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर सभी ग्राम प्रधान विकास कार्य बंद कर धरना-प्रदर्शन करेंगे। इस मौके पर गोकुल पांचपाल, सुंदर मेहरा, बहादुर खाती, नवल किशोर, गीता देवी, आनंदी, सीमा देवी, दीपा देवी, चम्पा देवी, कला देवी, दीक्षा कोश्यारी, मीरा सहित कई ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में लगेगा दुर्गा वाहिनी का विशेष वर्ग

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। नगर के आर्य कन्या इंटर कालेज में आगामी 29 मई से 5 जून तक दुर्गा वाहिनी का विशेष प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जाएगा। विहिप के केंद्रीय मंत्री दिनेश उपाध्याय ने बताया कि इस वर्ग में 200 से अधिक बहनों के शामिल होने की संभावना है, जिसे लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से आयोजकों द्वारा कालेज परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया और प्रशिक्षण वर्ग के संचालन हेतु आवश्यक संसाधनों पर चर्चा की गई। इस दौरान आवास, भोजन, सुरक्षा तथा प्रशिक्षण स्थलों की व्यवस्था को लेकर विशेष रूप से योजना बनाई गई। आयोजकों ने बताया कि यह वर्ग बहनों के शारी.

रिक, मानसिक और सांस्कृतिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होगा। इसमें आत्मरक्षा, अनुशासन, संगठन कौशल और राष्ट्र सेवा से जुड़े विभिन्न प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। साथ ही प्रतिभागियों को सामाजिक जागरूकता और नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर भी जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के वर्गों से युवतियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे समाज में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होती हैं। आयोजन को लेकर स्थानीय स्तर पर उत्साह का माहौल है और विभिन्न सामाजिक संगठनों का भी सहयोग मिल रहा है। आयोजकों ने सभी व्यवस्थाओं को समय रहते पूर्ण करने का भरोसा जताया और कहा कि यह वर्ग क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आयोजन साबित होगा। वरिष्ठ भाजपा नेता बिट्टू कर्नाटक ने जानक. ारी देते हुए बताया कि आगामी कार्यक्रम को लेकर भव्य स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आयोजन को सफल और यादगार बनाने के लिए हर छोटी-बड़ी व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल पर सफ़-सफ़ाई, मंच सज्जा, पेयजल, आवास और भोजन जैसी सुविधाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था और प्रतिभागियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए विस्तृत योजना तैयार की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता को देखते हुए व्यवस्थाओं को उसी अनुरूप मजबूत किया जा रहा है, ताकि सभी प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बिट्टू कर्नाटक ने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से यह आयोजन भव्य, अनुशासित और सफल रूप से संपन्न होगा। यहां वरिष्ठ भाजपा नेता बिट्टू कर्नाटक, केंद्रीय मंत्री दिनेश उपाध्याय, प्रांत संगठन मंत्री अजय, वेद प्रकाश, विजय सिंह सिराड़ी, भानु जोशी, पूजा लटवाल, राजेंद्र कनवाल, राजेश चौहान, प्रकाश लोहनी सहित अन्य मौजूद रहे।

मनरेगा कार्यों में अनियमितता पर कार्रवाई में देरी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

कालाढूंगी। ग्राम पंचायत बांसी, ब्लॉक कोटाबाग, जनपद नैनीताल के निवासी भूपेंद्र सिंह ने मनरेगा कार्यों में अनियमितताओं की शिकायत 10 अगस्त 2025 को सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर की थी, लेकिन प्रारंभिक जांच न तो ब्लॉक स्तर पर और न ही जिला स्तर पर की गई। 19 सितंबर 2025 को शिकायत लोकपाल (मनरेगा) को सौंपे जाने के बाद 8 अक्टूबर 2025 को जांच की गई, लेकिन शिकायतकर्ता को बिना सूचना दिए और उसकी अनुपस्थिति में। जांच के दौरान कुछ अन्य व्यक्तियों को प्रतिनिधि बना दिया गया, जिनका आरोप था कि उन्हें लो. कपाल ने धमकी दी थी। शिकायतकर्ता द्वारा 14 नवंबर 2025 को लिखित उत्तर देने के बावजूद, लोकपाल ने 18 नवंबर 2025 को 51,000 रुपये के अर्थदंड की घोषणा की, जिसके कारण शिकायतकर्ता को मानसिक तनाव और सामाजिक आलोचना का सामना करना पड़ा। 2 जनवरी 2026 को अपील दायर की गई, जिसमें पाया गया कि लोकपाल की कार्रवाई नियमों के खिलाफ थी। अपीलीय प्राधिकरण ने 51,000 रुपये के अर्थदंड को निरस्त कर दिया। ग्राम विकास अधिकारी द्वारा शिकायत की प्रति साझा किए जाने और एफआईआर की धमकी दिए जाने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अपीलीय प्राधिकरण द्वारा न्यायसंगत निर्णय लेते हुए मामले में उचित कार्रवाई की सिफारिश की गई है, लेकिन अभी तक लोकपाल और विभागीय स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

'सनम चौकीदार', 'नीलिमा' की भावपूर्ण प्रस्तुति

नई दिशाएं ट्रस्ट ने कराया कुमाऊँ कौतिक एवं कार्यशाला का भव्य आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नई दिशाएँ ट्रस्ट के तत्वावधान में जयमोहन इंटर कालेज (कान्या) के ऑडिटोरियम में कुमाऊँ कौतिक एवं कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। 15 दिवसीय कार्यशाला के पाश्चात कार्यक्रम में उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति की मनमोहक झलक प्रस्तुत की गई, जिसमें सर्वप्रथम वंदना उत्तराखंड देव भूमि और पारंपरिक लोकगीत, लोकनृत्य, झोड़ा, चांचरी, छपेली तथा एकल गायन की आकर्षक प्रस्तुतियाँ नई दिशाएं के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गईं। जिसके पश्चात झोड़ा, छपेली, सनम चौकीदारा एवं गढ़वाली लोकनृत्य नीलिमा की सुंदर एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने दर्शकों का

मन मोह लिया।

एकल गायन में चंदन सिंह मेहरा की प्रस्तुति विशेष रूप से सराहनीय रही। कार्यक्रम का निर्देशन भुवन जोशी द्वारा किया गया। सहायक निर्देशन तरण पांडे ने संभाला। गायन में चंदन सिंह मेहरा, अमित बुधौरी एवं गायिका ज्योति उप्रेती ने अपनी मधुर आवाज से सभी को मंत्रमुग्ध किया। वाद्य यंत्रों में नाल वादन पर सौरभ जोशी तथा हुड़का पर गौरव जोशी ने उत्कृष्ट संगत दी। नृत्य निर्देशन मानव जोशी के मार्गदर्शन में नृत्य कलाकार ललिता साह, संदीप कश्यप, सोमन एवं प्रदीप प्रकाश थापा ने प्रभावशाली प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संस्थापक गोपालदत्त जोशी, संरक्षिका हिमा जोशी, प्रबंधक अमन जोशी एवं प्रधानाचार्य एमडी तिवारी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। नई दिशाएँ ट्रस्ट के अध्यक्ष तरण पांडे ने सभी अतिथियों एवं कलाकारों का प्रतीक चिन्ह, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 500 छात्र-छात्राओं, गुरुजनों, शिक्षकों, शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों की गरिमामय उपस्थिति रही।

महिला उत्पीड़न मामलों में त्वरित कार्रवाई करें: डीएम

अल्मोड़ा। विकास भवन सभागार में कानून-व्यवस्था, राजस्व वसूली तथा विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिवहन विभाग, नियमित पुलिस, राजस्व पुलिस, वन विभाग एवं राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। विभागीय प्रगति, लंबित मामलों तथा राजस्व न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए विशेष रूप से महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने संवेदनशील स्थलों की पहचान कर वहां कड़ी निगरानी रखने और अपराध होने पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज् किए गए वाहनों के समयबद्ध निस्तारण तथा प्रवर्तन कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए, वहीं राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण पर भी बल दिया गया। मुख्यमंत्री कोष से आर्थिक सहायता के मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पात्र लाभार्थियों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ रामजीशरण शर्मा, एडीएम युक्ता मिश्र, नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा, संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात, एसडीएम संजय कुमार थे।

प्रस्ताव बनाते समय जनता की मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए

जिला योजना की तैयारी बैठक में अधिकारियों को डीएम रयाल के निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिला योजना के प्रस्ताव बनाते समय जनता की मूलभूत आवश्यकताओं, क्षेत्र के प्राथमिक कार्यों, स्वरोजगार परख योजनाओं, वर्तमान में चालू कार्यों को पूर्ण करने सहित क्षेत्रीय जरूरत को देखते हुए व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित प्रमुख कार्यों को प्राथमिकता से योजना में सम्मिलित किया जाए। बुधवार को कैंप कार्यालय हल्द्वानी में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने नैनीताल जिले की प्रस्तावित जिला योजना वर्ष 2026-27 की पूर्व तैयारी बैठक लेते हुए अधिकारियों को यह निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जो भी प्रस्ताव तैयार किए जाएं वे ऐसे हों जिनसे सीधे आम जनता को फायदा पहुंचे और धनराशि का सदुपयोग हो। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया है कि विकास योजनाओं का सीधा और त्वरित लाभ सामान्य नागरिकों तक पहुंचे इस प्रकार की योजनाओं को प्रस्ताव में रखा जाए। उन्होंने स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता बढ़ावा देने के लिए उद्यान, कृषि मत्स्य, दुग्ध विकास पशुपालन आदि विभागों और आजीविका से संबंधित कार्यों के प्रस्ताव में शामिल करने को कहा। उन्होंने कहा कि डप्टेलिंग पर विशेष ध्यान रखा जाए। जिससे केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से

क्लस्टर अप्रोच को बढ़ावा दिया जा सके। ऐसे अवसरों को सृजन करने की जरूरत है जिससे भूमिहीन, छोटे किसानों, ग्रामीण उद्यमियों आदि को बेहतर लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि गर्मी के सीजन में ट्यूबवैल खराब होने की काफी समस्या आती है इस हेतु रिपेयरिंग एवं स्टेपलाईजर क्रय हेतु धनराशि को प्राथमिकता से रखी जाए साथ ही जनपद में पर्यटन स्थलो के विकास को भी प्रस्ताव में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि जंगली जानवरों से किसानों की फसलों को नुकसान से बचाने के लिए सोलर फेंसिंग तार बाढ़ की योजनाओं को संबंधित विभाग प्राथमिकता से रखें। सरकारी कार्मिकों के आवास मरम्मत हेतु भी पूल्ड आवास में लोनिवि प्रस्ताव बनाएं। उन्होंने कहा विगत वर्ष की जिला योजना के अन्तर्गत जो कार्य अपूर्ण हैं उन कार्यों के प्रस्तावों को प्राथमिकता दी जाए, ताकि इस वित्तीय वर्ष में वह कार्य पूर्ण हो और आमजनता को समय से उसका लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित योजना में स्थानीय जनप्रति. निधियों से भी चर्चा करते हुए उनके भी प्राथमिकता के अनुसार प्रस्ताव प्राप्त कर उन्हें भी शामिल किया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि आगामी सप्ताह में जनपद के प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिला योजना 2026-27 की बैठक प्रस्तावित है। बैठक से पूर्व सभी विभाग प्रस्ताव जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे, पुलिस अधीक्षक जगदीश चंद्र, जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी मुकेश नेगी सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मदिरा की दुकानों में मिली अनियमितताएं, चालान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जनपद नैनीताल के हल्द्वानी क्षेत्र में संचालित देशी और विदेशी मदिरा दुकानों से लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने आबकारी विभाग को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी के आदेश पर बुधवार को आबकारी विभाग की टीम ने हल्द्वानी में स्थित विभिन्न मदिरा दुकानों पर छापेमारी की और गहन निरीक्षण किया। आबकारी विभाग की टीम ने काठगोदाम, नैनीताल रोड, तिकोनिया, लोहरियासाल, कुसुमखेड़ा सहित कुल 12 मदिरा दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न अनियमितताएं पाई गईं, जिनमें स्टॉक रजिस्टर का सही तरीके से न भरा जाना, सीसीटीवी कैमरा बंद पाया जाना, और मदिरा के नए रेटों का रेट लिस्ट में अंकन न होना प्रमुख थीं। इन कमियों के आधार पर संबंधित दुकानों के चालान की कार्रवाई की गई और जिले के आबकारी अधिकारी के समक्ष प्रशमन की संस्तुति की गई। इस दौरान सभी मदिरा दुकान विक्रेताओं और अनुज्ञापियों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे केवल निर्धारित मूल्य पर ही मदिरा की बिक्री करें और किसी भी प्रकार की अनियमितताओं को तुरंत ठीक करें, अन्यथा पुनः चालानी कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी में आबकारी निरीक्षक धीरेंद्र सिंह बिष्ट, उप आबकारी निरीक्षक कैलाश चंद जोशी सहित कांस्टेबल चंद्रशेखर कांडपाल शामिल थे।

महंगाई से राहत देगी मंडी

सीएम के निर्देश: उचित मूल्य पर मिलेंगे फल व सब्जी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत बुधवार को उत्तराखंड मंडी परिषद के अध्यक्ष डा. अनिल कपूर (डब्बू) एवं विपणन बोर्ड के अधिकारियों और सचिवों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आदेशों के अनुसार राज्य के नागरिकों को फल, सब्जी और अन्य आवश्यक वस्तुएं उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने और महंगाई से राहत देने के तरीकों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि हर मंडी समिति में 5-5 बड़े रिटेलर काउंटर खोले जाएंगे, जिनके माध्यम से जनता को सस्ते और उचित मूल्य पर फल, सब्जी तथा दैनिक आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अतिरिक्त सभी सचिवों को यह निर्देश दिया गया कि वे प्रतिदिन एक 3 सदस्यीय सचल दल का गठन करें, जो बाजार का निरीक्षण

करेगा और फल तथा सब्जियों के खुदरा दामों का आंकलन कर प्रतिदिन बोर्ड मुख्यालय को सूचित करेगा। सचिवों को यह भी निर्देश दिए गए कि वे समिति क्षेत्र के प्रत्येक खुदरा व्यापारी को लाइसेंस जारी करें, ताकि उपभोक्ताओं को कहीं भी महंगे दामों पर सामान न बेचा जा सके। इसके साथ ही, मोबा. इल वैन के माध्यम से भी उपभोक्ताओं को सस्ते दामों पर सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। मंडी परिषद के अध्यक्ष डा. अनिल कपूर ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन शत-प्रतिशत सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि चारधाम यात्रा और पर्यटन सीजन के दौरान किसी ने भी आम जनता या पर्यटकों को महंगे दामों पर सामान बेचा, तो उसके खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में मंडी परिषद के निद. शक हेमंत वर्मा, महाप्रबंधक निर्मला बिष्ट और विभिन्न अधिक. ारी तथा वर्चुअल माध्यम से सभी मंडी अधिकारी मौजूद रहे।

सड़क हादसा: कार की टक्कर से घायल बच्चे ने दम तोड़ा

हल्द्वानी। बीते मंगलवार की शाम बाजपुर में एक तेज रफ्तार कार चालक ने एक सात साल के बच्चे को टक्कर मार दी। सड़क हादसे में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में उसे उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया जहां पर उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बुधवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार बाजपुर फौजी कॉलोनी निवासी हबीब का सात वर्षीय बेटा जैरूल घर के पास ही खेल रहा था। तभी खेलते समय सड़क से गुजर रही तेज रफ्तार कार ने जैरूल को टक्कर मार दी। सड़क हादसे में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया और घटना के बाद कार चालक कार लेकर फरार हो गया। आनन फानन में घायल बच्चे को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां पर उसकी हालत नाजुक देखते हुए सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर कर दिया। जहां देर रात बच्चे ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत, मंत्री के दखल पर हुआ पीएम

हल्द्वानी। बीते चार अप्रैल को सड़क हादसे में घायल हुए युवक ने बीते मंगलवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। परिजन रात में ही पोस्टमार्टम करना चाहते थे लेकिन रात होने के कारण कर्मचारियों ने सुबह पोस्टमार्टम होने की बात कहीं। रात करीब 11 बजे कैबिनेट मंत्री के दखल के बाद रात ही पोस्टमार्टम कराया गया। जानकारी के अनुसार धारी मुक्तेश्वर निवासी 36 वर्षीय सुरेंद्र सिंह बिष्ट को बीते चार अप्रैल को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। सड़क हादसे में सुरेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे परिजन द्वारा आनन फानन में उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल लाया गया जहां पर उसका उपचार चल रहा था। बीते मंगलवार शाम उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। जिसके बाद शव को मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए रखा गया। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम के लिए कहा तो कर्मचारियों ने रात होने का हवाला देते हुए सुबह पोस्टमार्टम की बात कहीं। परिजनों ने इसकी सूचना कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा को दी। परिजनों की स्थिति को देखते हुए मंत्री कैड़ा ने कार्रवाई के निदेश दिए और रात 11 बजे शव का वीडियोग्राफी और डॉक्टरों के पैनल में पोस्टमार्टम किया गया। रात ही पोस्टमार्टम के बाद शव को लेकर अपने गांव चले गए।

राज्य सरकार 6 सप्ताह के भीतर फिर से पेश करे प्रगति रिपोर्ट: हाईकोर्ट

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हल्द्वानी हल्दूचौड़ में वर्ष 2014 में बनकर तैयार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य की मूलभूत सुविधा मुहैया नहीं होने के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश मनोज कुमार गुप्ता व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ ने राज्य सरकार से 6 सप्ताह के भीतर फिर से प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि जो वहाँ पर कमियां हैं उन्हें भी इस बीच पूर्ण करें। मामले की अगली सुनवाई कोर्ट ने छः सप्ताह बाद की तिथि नियत की है। आज हुई सुनवाई पर याचिकाकर्ता की तरफ से कोर्ट को अवगत कराया गया कि अभी भी कई मूलभूत सुविधाएं वहाँ पर मुहैया नही है। लैब टेक्नीशियन नही है। गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी सुविद्याएँ नहीं है जिसपर कोर्ट ने कहा कि वहाँ पर जो मूलभूत सुविधाओं की कमी है। उन्हें पूर्ण करके फिर से प्रगति रिपोर्ट कोर्ट में पेश करें।

पंचायती एक्ट के लिए ग्राम प्रधानों ने खोला मोर्चा, उठाई अहम मांगें

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। विकास कार्यों में आ रही बाधाओं और ग्राम पंचायतों के अधिकारों को लेकर बुधवार को ग्राम प्रधान संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक ग्राम पंचायत खेड़ा गौलापार में संपन्न हुई। बैठक में प्रधानों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए पंचायती राज एक्ट् को पूर्ण रूप से लागू करने के लिए हुंकार भरते हुए मोर्चा खोल दिया।

संगठन ने चेतावनी दी कि अगर पंचायतों को उनके संवैधानिक अधिकार नहीं दिए गए और लंबित समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पंचायती राज एक्ट के प्रावधानों के अनुसार पंचायतों को अधिकार न मिलना लोकतंत्र की मूल भावना के

खिलाफ है। उन्होंने अधिकारियों के अनावश्यक हस्तक्षेप को समाप्त करने की मांग की। साथ ही पिछले 2. 5 वर्षों से अटके हुए भुगतानों को लेकर भारी रोष व्यक्त किया गया। मनरेगा पोर्टल के न खुलने और मस्टर रोल न बनने से विकास कार्य रुक गए हैं। प्रधानों ने राज्य सरकार से मांग की कि अन्य मदों से बजट की व्यवस्था करके बकाया भुगतान शीघ्र किया जाए। ग्राम प्रधानों ने ग्राम विकास अधिकारियों की बैठक में अनुपस्थिति पर नाराजगी जाहिर की। इसके लिए जल्द ही मुख्य विकास अधिकारी से मुलाकात करने का निर्णय लिया गया। संगठन ने सड़कों, पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं में हो रही ढिलाई पर भी चर्चा की, साथ ही प्रधानों ने खनन न्याय फंड से प्रत्येक गांव को बजट आवंटित करने की मांग की। बैठक में सभी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगर शासन-प्रशासन ने इन जायज मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया, तो विकास खंड और जिला मुख्यालय स्तर पर तालाबंदी और धरना प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में ग्राम प्रधान उमा नीरज रैक्वाल, तारेश बिष्ट, भीम सिंह बिष्ट, चित्रा हरीश बिष्ट, हेमू पडालिया, महेश चंद्र भट्ट, किशन सिंह दरम्वाल, अर्चना बिष्ट, सुनीता बिष्ट, चतुर सिंह, गीता बुधानी, ज्योति चौसाली, गजेंद्र प्रसाद, तुलसी बिष्ट, राजू आर्य, दीपा आर्या, यमुना सनवाल, यशवंत सिंह बिष्ट, रुक्मणी नेगी, नरेश सिंह, पूजा बिष्ट, दिनेश चंद्र जोशी, रमेश चंद्र, प्रदीप कुमार, हिमांशु आर्य, सोनिया प्रीत, सुनीता बर्गली, गीता डोगरा, यशोदा मनवाल सहित कई अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल का प्रदर्शन उत्कृष्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सीबीएसई ने कक्षा 10वीं का रिजल्ट जारी कर दिया है, जिसमें इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल का प्रदर्शन बेहद प्रशंसनीय रहा। इस साल कक्षा 10वीं में 163 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 72 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। प्रकृति पाण्डे ने 99 प्रतिशत, दिग. विजय सिंह अधिकारी ने 98.6 प्रतिशत और देवांश जोशी ने 98.4 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसके अलावा, 36 विद्यार्थियों ने आईटी में 13 ने अंग्रेजी में, 1 ने हिन्दी में और 1 ने सामाजिक विज्ञान में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए। स्कूल के प्रबंधक डा. दीपक बल्यूटिया, चेयरपर्सन डा. गीतिका बल्यूटिया, प्रधानाचार्य अनुराग माथुर, उप-प्रधानाचार्या ममता तनेजा और सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

स्कूल में बेहोश हुए सातवीं के छात्र की उपचारार्थ मृत्यु

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संदिग्ध परिस्थितियों के चलते मुखानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक सातवीं कक्षा के छात्र की मौत हो गई। आनन फानन में उसे बेहोशी की हालत में स्कूल से उपचार के लिए अस्पताल लाया गया जहां पर बच्चे ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। परिजनों के अनुसार छात्र कुछ दिनों से बीमार चल रहा था और परिजनों की मांग पर छात्र का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया। जानकारी के अनुसार मुखानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत 13 वर्षीय देवराज घर के पास ही सरस्वती शिशु मंदिर में कक्षा सात में पढ़ता था। बताया जा रहा कि बीते मंगलवार को जब छात्र स्कूल पहुंचा तो उसे अपने आप चक्कर आए और वह बेहोश होकर गिर गया। आनन फानन में स्कूल प्रशासन ने छात्र को उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। देर रात उपचार के दौरान छात्र की मौत हो गई। बच्चे की मौत कैसे हुई इसका पता नहीं चल सका। परि. जनों के अनुसार छात्र पिछले तीन चार दिनों से बीमार चल रहा था। उसे लगातार चक्कर आ रहे थे और वो बेहोश हो रहा था। परि. जनों की मांग पर छात्र का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया।

चारधाम यात्रा का किया बहिष्कार

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। चारधाम यात्रा ड्यूटी के दौरान पिछले दो वर्षों का यात्रा भत्ता, (टीए, डीए) का भुगतान न होने और यात्रा के दौरान बेहतर रहने की व्यवस्था की मांग को लेकर बुधवार

को डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन की कुमाऊं मंडल शाखा के आह्वान पर जनपद के सभी चिकित्सालयों में कार्यरत फार्मेसी अधिकारियों ने हाथ में काला फीता बांधकर आंदोलन शुरू कर दिया। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने चेताया कि अगर शीघ्र ही मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वह चार धाम यात्रा का बहिष्कार करने को मजबूर होंगे। पहले दिन आंदोलनकर्ता संगठन के पदा. धिकारियों ने कहा कि संगठन के नेताओं ने कहा कि जब तक उनकी उचित मांगों का समाधान नहीं किया जाता, वे अपने विरोध प्रदर्शन को जारी रखेंगे। इस आंदोलन के माध्यम से एसोसिएशन ने सरकार से तत्काल टीए, डीए का भुगतान और यात्रा के दौरान बेहतर व्यवस्थाओं की मांग की है। उन्होंने चेताया अगर शीघ्र ही मांगों पर विचार नहीं किया गया तो 15 मई से चार धाम यात्रा का बहिष्कार किया जायेगा। इस दौरान संगठन के प्रान्तीय कार्यकारी अध्यक्ष पवन पाण्डेय, मंडलीय कोषाध्यक्ष दिगम्बर रावत, अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह बिष्ट, मंत्री नन्दन गोस्वामी, जगदीश टम्टा, दीपक शर्मा, आईके आर्या, डीएस कोश्यारी, विनोद पाण्डेय, गिरीश पाण्डेय, कमलेश कुमार, मनोहर मेहता, पुष्पा, शशिकला गोस्वामी, मदन गोस्वामी, एनके जोशी सहित कई फार्मेसी अधिकारी मौजूद रहे।

हाईकोर्ट में शोक सभा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की बुधवार को शोक सभा आयोजित अधिवक्ता श्याम सुन्दर चौधरी, पान सिंह बिष्ट, रितेश पंत, रोहित कक्कड़ की माताओं व अजयवीर सिंह पुण्डीर, खुशी चौधरी के पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवे. दनाएं व्यक्त कीं। शोक सभा की अध्यक्षता हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीसीएस रावत ने की और संचालन महासचिव सौरव अधिकारी द्वारा किया गया। सभा में उपाध्यक्ष गौरव काण्डपाल, मीना बिष्ट, भुवनेश जोशी, डीएस मेहता, योगेश पचौलिया सहित एसोसिएशन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और भारी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारियों ने तीन दिन का दिया अल्टीमेटम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लंबित पड़ी 15 सूत्रीय मांगों का समाधान ना होने पर नाराज देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ ने बुधवार को नगर निगम परिसर में निगम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। कर्मचारियों ने ऐलान किया कि अगर तीन दिन के भीतर उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो वह अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे। बुधवार को देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के बैनर तले दर्जनों कर्मचारी एकत्र हुए और लंबित पड़ी मांगों को पूरा करने की मांग की। धरना स्थल पर हुई सभा पर कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि पूर्व में हुए समझौते के बावजूद एसीपी का लाभ अब तक लागू नहीं किया गया है, जिससे

कर्मचारियों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

वक्ताओं ने कहा कि पिछले सात माह में सात बार रिमाइंडर दिए जाने के बावजूद नगर निगम प्रशासन द्वारा मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि निगम प्रबंधन लगातार कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी कर रहा है, जिससे सफाई कर्मियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने कहा कि पूर्व में हुए समझौते के अनुसार एसीपी का लाभ शीघ्र दिए जाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक उसे लागू नहीं किया गया, जिससे कर्मचारियों में ठगे जाने की भावना उत्पन्न हो रही है। संघ के पदा. धिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि तीन दिन के भीतर उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो वह अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे। जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी। धरना प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष राहत मसीह, उपाध्यक्ष अमरदीप वाल्मीकि, शाखा अध्यक्ष अशोक चौधरी, महामंत्री श्याम सुंदर सहित विजय तोमर, विशाल, सिद्धार्थ, चंदन बजारी, रोहित, राजेश भारती, बलवीर, राजेश खन्ना, प्रमोद, रुपेश, रोहित मसीह, रवि, जयप्रकाश, अमित, विश्वास, विजयपाल समेत कई सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

बड़ी सफलता: पुलिस ने पकड़ी 66 लाख की स्मैक

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। ऑपरेशन प्रहार के तहत बीती रात्रि वाहन चैकिंग के दौरान पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने युवाओं में नशे का जहर

युवाओं की नसों में ज़हर घोलने वाला तस्कर गिरफ्तार

घोलने वाले एक शातिर स्मैक तस्कर को 66 लाख 30 हजार की स्मैक(221 ग्राम) के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी तस्कर पर कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया। बुधवार को बहुद्देशीय भवन सभागार में स्मैक तस्करी का खुलासा करते हुए

एसएसपी डा. मंजुनाथ टीसी ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत कोतवाल विजय मेहता व एसओजी प्रभारी राजेश जोशी की अगुवाई में टीम भोटिया पड़ाव क्षेत्र में वाहन चैकिंग कर रही थी तभी एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रूकने का इशारा किया लेकिन युवक टीम को देख भागने लगा। शक होने पर टीम ने घेराबंदी करते हुए युवक को दबोच लिया और उसके पास रखे बैग की तलाशी ली तो उसमे से 221 ग्राम स्मैक बरामद हुई। जिसकी कीमत करीब 66 लाख 30 हजार आंकी जा रही है। इसके साथ ही तस्कर के पास से बेची गई स्मैक के 14 हजार 520 रूपये सहित एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू भी बरामद हुआ। बताया जा रहा कि पकड़ा गया युवक वजय सिंह नेगी पुत्र स्व. राम सिंह मूलरूप से ग्राम बेड़ा, थाना द्वाराहाट जिला अल्मोड़ा व हाल निवासी गंगा कॉलोनी, गुलाटी चिकन वाली गली में किराए पर रहता है। पकड़े गए तस्कर के खिलाफ हल्द्वानी कोतवाली व मुखानी में एक-एक मुकदमा दर्ज है। एसएसपी ने गुडवर्क करने वाली टीम को 15 सौ रूपये ईनाम की घोषणा की। टीम में एसआई कृपाल सिंह, हेड कांस्टेबल त्रिलोक सिंह रौतेला, कुन्दन सिंह कठायत, कांस्टेबल भानु प्रताप ओली, अशोक सिंह रावत, भूपेन्द्र सिंह जेष्ठा, महिला कांस्टेबल भावना जोशी शामिल रहे।

राजपुरा व बनभूलपुरा में दो स्मैक तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत राजपुरा व बनभूलपुरा पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान दो अलग-अलग स्थानों से दो स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राजपुरा चौकी प्रभारी कृष्ण गिरी मय टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे तभी गौला गेट राजपुरा के पास से गुलशन पुत्र स्व. छुट्टन निवासी राजपुरा वार्ड नंबर-13 बताया। जिसके कब्जे से 4.18 ग्राम स्मैक बरामद हुई। जबकि दूसरी ओर बनभूलपुरा कोतवाली में तैनात एसआई मनोज यादव मय टीम के साथ क्षेत्र में चैकिंग कर रहे थे तभी चोरगलिया रोड के पास एक युवक संदिग्ध दिखाई दिया जो टीम को देख भागने लगा। शक होने पर टीम ने घेराबंदी करते हुए उसे दबोच लिया। जिसकी तलाशी के दौरान 11.72 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पकड़े गए तस्कर ने अपना नाम मेराज अली पुत्र मो. हनीफ निवासी चोरगलिया रोड लाइन नंबर-18 वार्ड नंबर-24 बनभूलपुरा बताया। पकड़े गए तस्कर मेराज अली के खिलाफ पूर्व में पांच मुकदमें भी दर्ज है। पुलिस ने दोनो तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया जहां से दोनो को जेल भेज दिया।

व्यापार मंडल ने संगठन में वरिष्ठ नागरिकों को दी जगह

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने संगठन की मजबूती के उद्देश्य से कारोबारी और विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में दायित्व निभा रहे प्रबुद्धजनों को अपने संगठन में शामिल किया है। संगठन के प्रदेश महामंत्री राजेंद्र फर्स्वाण और रणनीति सलाहकार दीपक माहेश्वरी ने प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मोंगा और केंद्रीय संयोजक डा. धर्म यादव की संस्तुति पर संरक्षक मंडल, सलाहकार मंडल और विशेष आमंत्रित सदस्यों का गठन किया है। संरक्षक मंडल में मां बराही धाम के लक्ष्मण सिंह लमगडिया, गल्ला मंडी के कारोबारी लक्ष्मी चंद्र आसवानी, भगवान सहाय, भुवन तिवारी, प्रकाश हर्बोला को शामिल किया है। सलाहकार मंडल में कैंची धाम से जुड़े ओम प्रकाश बिंद्रा, स्टोन क्रशर संघ के पूर्व अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, नीरज शारदा, थाल सेवा से जुड़े गिरीश गुप्ता, रमेश चंद बिष्ट, संजय अग्रवाल टीटू, हिमालया चैंबर कॉमर्स के सचिव मनोज डांगा और स्वर्णकार एसोसिएशन के अध्यक्ष घनश्याम रस्तोगी को शामिल किया है। विशेष आमंत्रित सदस्यों में केमिस्ट एसोसिएशन के जिला उपाध्यक्ष राज. कुमार अग्रवाल, लालकुआं के वरिष्ठ व्यापारी नेता भुवन पांडे, पूर्व सहायक नगर आयुक्त विजेंद्र चौहान, शक्तिफार्म के व्यापारी नेता अजय सिंह, अरुणोदय संस्था के जितेंद्र रौतेला, क्रियाशाला डहरिया से जुड़े नवीन चंद्र पांडे, धर्मानंद तिवारी को शामिल किया है। राजेंद्र फर्स्वाण ने कहा कि संगठन व्यापारी हितों के साथ-साथ सामाजिक और देवभूमि की संस्कृति मूल्यों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सिलेंडर न मिलने से परेशान उपभोक्ताओं ने इंडेन गैस एजेंसी पर काटा हंगामा

■ समाजसेवी गाबा ने उठाई तीन गाड़ी प्रतिदिन एवं डीएसी सिस्टम को खत्म करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सिलेंडर न मिलने से परेशान सैंकड़ों उपभोक्ता इंडेन गैस एजेंसी पर सुबह 4 बजे से ही जमा हो गए। सिलेंडर दो-सिलेंडर दो की अपील कर रही जनता के बार-बार बुलावे पर एक बार फिर समाजसेवी सुशील गाबा इंडेन गैस ऐजेंसी पहुंचे और उन्होंने काफी देर तक वहां रहकर चिलचिलाती गर्मी व सिलेंडरों की दिक्क्त के कारण अपना धैर्य खो रहे जनसमूह से बात भी की और जनता की बढ़ती संख्या के कारण भारी दबाब का सामना कर रहे होम डिलीवरी ठेकेदार व स्टाफ से वार्ता कर उनकी बात को सुनकर उन्हें भी सुरक्षा की भावना का बोध करा ईमानदारी से गैस वितरण की अपील की।

स्माजसेवी सुशील गाबा इंडेन एजेंसी के गैस सिलेंडर बैगलाग तथा डीएसी सिस्टम को समस्या की प्रमुख जड़ बताया। श्री गाबा ने कहा कि रोजाना तीन गाडी की डिमांड है, ऐसे में रोजाना केवल एक गाड़ी सिलेंडर आने से यह परेशानी बढ़ती जा रही है। डीएसी पर्ची की बाध्यता के कारण इंडियन आयल कारपोरेशन के सिस्टम में रुद्रपुर के लिए लोड बढ़ाने में परेशानी हो रही है। साथ ही सुबह 4 बजे से लाइनों में लगे उपभोक्ता को जब डीएसी पर्ची जनरेट न होने के कारण सिलेंडर नहीं मिलता, इससे आम जनता को किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही गैंस ऐजेंसी के होम डिलीवरी ठेकेदार व उनके कर्मियों को भी भारी जनदबाव व जनरोष का झेलना पड़ रहा है। श्री गाबा ने कहा कि एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत को दूर करने के लिए डीएसी सिस्टम के साथ ही पर्ची से बुकिंग की पुरानी व्यवस्था को लागू करने की सख्त जरूरत है। पार्षद सचिन मुंजाल ने कहा कि कमर्शियल सिलेंडरों के अभाव में सैंकड़ों छोटी चाय की दुकानें, ढाबे व अन्य दुकानें बंद हो चुकी हैं, इससे हजारों लोग बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। इसलिए शीघ्र ही नये कमर्शियल सिलेंडरों के लिए कनेक्शन दिए जाएं तथा उनकी डिलीवरी भी की जाए। पार्षद परवेज कुरैशी ने कहा कि बस्तियों में सिलेंडरों के लिए जनता पार्षदों के उपर दबाव बना रही है। इस समस्या का जल्द समाधान बहुत जरूरी है। सरकार को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

गैस रिफलिंग करते सिलेंडर में भड़की आग, चार झुलसे

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। घर में अवैध रूप से गैस रिफ्लिंग करने के दौरान सिलेंडर में भड़की आग से वहां मौजूद तीन महिलाओं सहित एक तीन वर्षीय बालिका गंभीर रूप से झुलस गई। आनन-फानन में सभी को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया। मामले की सूचना मिलने पर ट्रांजिट कैम्प कोतवाली पुलिस के साथ दमकल कर्मी भी आ गए और उन्होंने आग पर काबू पाया।

बताया जाता है कि ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र में चामुण्डा मंदिर के पास शिव नगर में आज बुधवार प्रात: अरूण कुमार के भवन में किरायेदार एक परिवार के लोग बड़े घरेलू सिलेंडर से छोटे सिलेंडर में अवैध रूप से गैस रिफ्लिंग कर रहे थे। इसी दौरान अचानक गैस लीक हो जाने से समीप ही खाना बनाते जल रहे गैस चूल्हे से कमरे में आग भड़क गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग लगने से वहां मौजूद लोगों में चीख पुकार शुरू हो गई। शोर की आवाज सुनकर आस पड़ोस के लोग भी आ गए। आग में 55 वर्षीय देवकी पत्नी रामभरोसे मूल निवासी ग्राम बिसलपुर थाना बिलासपुर पीलीभीत, 21 वर्षीय संगीता पत्नी केसरी लाल , उसकी तीन वर्षीय पुत्री पारूल और 30 वर्षीय अनीता पत्नी सत्यवीर मूल निवासी ग्राम पचपेडा, पीलीभीत गंभीर रूप से झुलस गए। आनन-फानन में सभी को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां देवकी देवी की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। मामले की सूचना मिलने पर ट्रांजिट कैम्प कोतवाली पुलिस के साथ दमकल कर्मी भी आ गए और उन्होंने आग पर काबू पाया। आग से घर में रखे सामान को भी नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। डा. जुनेद के अनुसार देवकी देवी लगभग 46 प्रतिशत, अनीता देवी करीब 20 प्रतिशत, संगीता देवी करीब 15 प्रतिशत व पारूल करीब 30 प्रतिशत झुलस गई हैं।

एक नजर

जन्म दिवस पर डा. अंबेडकर को किया याद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। संविधान रचयिता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर पत्थरचट्टा में पूर्व विधायक एवं कांग्रेस नेता राज. कुमार ठुकराल ने महिलाओं के साथ केक काटकर बाबा साहब की जयंती धूमधाम से मनाई।

इस अवसर पर बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस दौरान राजकुमार ठुकराल ने कहा कि बाबा साहब का जीवन और उनके द्वारा रचित संविधान देश की एकता और अखंडता का आधार है। उन्होंने समाज के हर वर्ग को समानता का अधिकार दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। ठुकराल ने उपस्थित लोगों से बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलने और शिक्षित व संगठित समाज के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संजय कुमार, सुरेंद्र कुमार, रोशन कुमार, सूरज यादव, प्रहलाद, उमाशंकर यादव, भोला चौधरी, हरीलाल साहनी, राधेश्याम, जुग्ती प्रसाद, सुरेंद्र यादव, आनंद शुक्ला, लाल बहादुर, पहवारी, अर्जुन, राजन चौधरी, संजय उरांव, प्रमोद, इंदर, उमेश पासवान, भीम, अशोक कुमार, धर्मेंद्र, इंद्रेश कुमार, राजा, बबीता यादव, रेखा, पानमती, उर्मिला, सुरस्ती देवी, सीता देवी, शकुंतला, सहोदरी, विन्द्रावती, लालती देवी, रीनी, शोभा, आशा, ममता, सुनील, इंदु, मिरा, इन्शावती, गीता आदि शामिल रहे।

गेहूं क्रय केंद्र संचालित न होने पर विधायक कापड़ी का तीखा प्रहार

■ किसानों के साथ खुला अन्याय और अत्याचार: विधायक कपड़ी

■ विधायक ने दी जन आंदोलन की दी चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। विधानसभा क्षेत्र में किसानों के साथ हो रही घोर लापरवाही और अन्याय को लेकर खटीमा विधायक भुवन चंद्र कापड़ी ने प्रशासन और सरकार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। विधायक द्वारा कई बार संबंधित अधिकारियों से संपर्क साधा गया और स्वयं मंडी प्रांगण पहुंचकर निरीक्षण किया गया, जहां किसानों की गेहूं खरीद के लिए क्रय केंद्र स्थापित किए जाने थे, लेकिन किसानों की फसल कटे हुए लंबा समय बीत जाने के बावजूद अभी तक गेहूं क्रय केंद्र सुचारू रूप से संचालित नहीं किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे साफ जाहिर होता है कि प्रशासन पूरी तरह से लापरवाह और किसानों की समस्याओं के प्रति असंवेदनशील बना हुआ है।

विधायक भुवन कापड़ी ने तीखे शब्दों में कहा कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि किसानों के साथ खुला अन्याय और अत्याचार है। एक किसान अपनी फसल उगाने में दिन-रात पसीना बहाता है, कर्ज उठाता है, हर जोखिम झेलता है, और जब उसकी मेहनत का फल बेचने का समय आता है, तो सरकार उसे दर-दर भटकने पर मजबूर कर देती है। उन्होंने सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार किसानों की हितैषी होने का केवल दिखावा करती है, लेकिन हकीकत यह है कि किसान आज अपनी ही फसल बेचने के लिए संघर्ष कर रहा है। यह स्थिति बिल्कुल अस्वीकार्य है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधायक भुवन कापड़ी ने प्रशासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द से जल्द सभी गेहूं क्रय केंद्र चालू नहीं किए गए और किसानों की फसल की खरीद शुरू नहीं हुई, तो हम सड़कों पर उतरकर बड़ा जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी।

कुमाऊं में हुआ हैली सेवा का विस्तार

■ विधायक व डीएम ने पंतनगर एयरपोर्ट से हैली सेवा को फ्लैग दिखाकर किया रवाना

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। उड़ान योजना के अन्तर्गत पवन हंस द्वारा पंतनगर एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर सेवाएं हुई प्रारम्भ। बुधवार को विधायक शिव अरोरा व जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने पंतनगर एयरपोर्ट से नौकुचियाताल के लिए प्रथम हैलीकॉप्टर सेवा का झण्डी दिखाकर व नारियल फोड़कर किया शुभारम्भ।

विधायक शिव अरोरा ने शुभकामना देते हुए कहा कि पर्यटक व पहाड़ के विकास के दृष्टि से एक क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में देहरादून, अल्मोड़ा, नैनीताल, पंतनगर के लिए हेली सेवा प्रारम्भ की गई है। इसके लिए विधायक ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी नितिन सिंह ने कहा हेली सेवा देहरादून, नौकुचियाताल, अल्मोड़ा को जोड़ेगा। उन्होंने कहा हेली सेवा शुरू होने से लोगों को काफी सुविधा मिलेगी व समय की भी बचत होगी। उन्होंने कहा पंतनगर एयरपोर्ट को अन्तरराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट बनाया जा रहा है, जिसका विस्तारिकरण कार्य का शीघ्र शुभारम्भ होगा। पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तार से पंतनगर एयरपोर्ट नोयडा के जेवर व इन्दिरा गांधी एयरपोर्ट दिल्ली से जुड़ेगा व अन्तरराष्ट्रीय उड़ानों का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा एयरपोर्ट के विस्तार होने से औद्योगिक संस्थानों को भी काफी सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, कौस्तुभ मिश्र, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, गौरव पाण्डेय, निदेशक पंतनगर एयरपोर्ट, सिविल इंचार्ज अनुज गुप्ता ऑपरेशन इंचार्ज नीरज सैनी, स्टेशन इंचार्ज आलिया हैदर, मार्केटिंग मैनेजर वीसी तिवारी, असिस्टेंट मैनेजर अजय कमाल आदि लोग मौजूद रहे।

तेज गति से आते ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर

सिडकुल कर्मी ने कूदकर बचाई जान, बाइक ट्रक के नीचे दबी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सिडकुल क्षेत्र लगातार सड़क हादसों का केन्द्र बनता जा रहा है। गत रात्रि सिडकुल की एक फैक्ट्री में काम के लिए जा रहे श्रमिक की तेज गति से आते ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। श्रमिक ने किसी तरह कूदकर अपनी जान तो बचा ली, लेकिन उसकी बाइक ट्रक के नीचे आकर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलनें पर चौकी पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने ट्रक को अपने कब्जे में लिया।

बताया जाता है कि पंतनगर निवासी तिलक बहादुर पुत्र स्व. जन बहादुर मंगलवार की रात्रि अपनी मोटरसाइकिल संख्या यूके 06 बीजे 5687 पर सवार होकर सिडकुल की कम्पनी में काम करने के लिए जा रहा था। जब वह वोल्टाज कम्पनी के पास पहुंचा तो अचानक सामने से तेज गति से ट्रक आता दिखाई दिया। जब ट्रक उनके सामने ही आ गया तो उन्होंने अपनी जान बचाते हुए बाइक से छलांग लगा दी। हांलाकि उनकी जान तो बच गई, परंतु उनकी बाइक ट्रक संख्या यूपी 78 सीटी 8870 के नीचे आकर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद वहां लोगों की भीड़ लग गई। मामले की सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी मौके पर आ गए और उन्होंने बाइक चालक से घटना की विस्तार से जानकारी ली तथा ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। घटना के बाद से सिडकुल कर्मियों में अनियंत्रित गति से चलने वाले वाहनों को लेकर रोष काफी बढ़ गया है।

स्मैक के साथ एक युवक को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। उच्च अधिकारियों के निर्देश के क्रम में चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत खटीमा की झनकट पुलिस द्वारा ग्राम बानूसी में आदर्श भारती स्कूल के सामने प्लाटिंग पर से एक अभियुक्त आकाश सिंह राणा पुत्र राजकुमार सिंह निवासी पूरनापुर को मोटरसाइकिल में पारदर्शी पन्नी में 4.78 ग्राम अवैध स्मैक/हीरोइन परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया। वहीं गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस टीम में उप निरीक्षक भुवन चंद्र गहतोड़ी, कांस्टेबल नवीन रजवार, मोहसिन शामिल रहे।

ग्रीष्म ऋतु को लेकर सकर्त रहें अधिकारी: मुख्य सचिव

जल संकट, विद्युत आपूर्ति और वनाग्नि की घटनाओं को लेकर दिए दिशा-निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने सभी जिलाधिकारियों की वर्चुअल बैठक लेते हुए कह कि राज्य में ग्रीष्म ऋतु के दौरान उच्च तापमान एवं शुष्क परिस्थितियों के कारण विभिन्न प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जो जन-जीवन एवं आधारभूत सेवाओं को प्रभावित करती हैं। इस अवधि में पेयजल स्रोतों में कमी आने से जल संकट की स्थिति बन जाती है, जबकि विद्युत की मांग में वृद्धि से आपूर्ति तंत्र पर दबाव बढ़ता है। सूखेपन के कारण वनाग्नि की घटनाओं में भी वृद्धि होती है, जिससे वन संपदा एवं पर्यावरण को क्षति पहुंचती है। इसके अतिरिक्त शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आगजनी की घटनाएं, पेयजल आपूर्ति में व्यवधान तथा अन्य मौसमी चुनौतियां भी सामने आती हैं।

मुख्य सचिव ने कहा कि इसके अतिरिक्त मैदानी जनपदों में हीट वेव की स्थिति विशेष रूप से जन-स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती उत्पन्न करती है। अत्यधिक तापमान के कारण लू लगने, डिहाइड्रेशन एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है, जिससे बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं बाहरी कार्य करने वाले श्रमिकों पर विशेष प्रभाव पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है तथा समय पर राहत एवं बचाव उपायों की आवश्यकता बढ़ जाती है। अत: हीट वेव के प्रभावी प्रबंधन हेतु पूर्व चेतावनी, जनजागरूकता एवं त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु तैयारी के संबंध में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग को अस्पताल में दवाइयां, एंबुलेंस, मेडिकल टीम तैयार करने, गर्भवती महिलाओं का डाटा एकत्रित करने तथा सर्पदंस एंटी वेनम किट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला चिकित्सालय में पर्याप्त रूप से रखे जाने, ग्रीष्म ऋतु की स्थिति में शिक्षण एवं पठन-पठान की समय अवधि में परिवर्तन किए जाने, ग्रीष्म ऋतु से संबंधित जानकारी का प्रचार प्रसार किए जाने हेतु शिक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने बताया कि जल संस्थान और पेयजल विभाग को पेयजल लाइनों की मरम्मत कर शुद्ध पेयजल आपूर्ति किए जाने, खराब हैंडपंप आदि की समय पर मरम्मत करने के साथ ही पेयजल समस्या क्षेत्रों में सुचारू पेयजल हेतु वैकल्पिक व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि ग्रीष्म ऋतु के दौरान सुचारू विद्युत आपूर्ति हेतु विद्युत उकरणों की व्यवस्थाएं रखने, निगर निकायों, बस अण्डो, चिकित्सालयों, निर्माण कार्य स्थलों में पर्याप्त प्याऊ, पेयजल,सेड आदि व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने कहा कि वनाग्नि पर प्रभावी रोक-थाम हेतु समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश प्रभागीय वनाधिकारियों को निर्देश दिये गये है। उन्होंने बताया कि ग्रीष्मकाल हेतु आपदा प्रबंधन कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित कर दिया गया है।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी यूसी तिवारी, अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमाशंकर नेगी आदि मौजूद थे।

गुरुद्वारा नानकसर ठाठ, गजरौला में बैसाखी समागम आज

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। बुधवार को गुरुद्वारा नानकसर ठाठ, गजरौला में आज 16 अप्रैल को बैसाखी का पावन पर्व श्रद्धा, उत्साह और सेवा भाव के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर धार्मिक समागम के साथ एक विशेष सामूहिक विवाह समारोह का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों के 16 जोड़ों का 'आनंद कारज' विधि-विधान के साथ संपन्न कराया जाएगा। गुरुद्वारा नानकसर ठाठ के मुख्य सेवादार बाबा प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि बैसाखी के इस पावन अवसर पर समाज सेवा के उद्देश्य से सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद परिवारों को सहयोग मिल सके और वे अपने बच्चों का विवाह सम्मानपूर्वक कर सकें। उन्होंने कहा कि यह आयोजन संगत और सेवादारों के सहयोग से संभव हो रहा है।

स्वास्थ्य टीम और प्रशासन की संयुक्त निरीक्षण कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. केके अग्रवाल के निर्देशों के अनुपालन में आज बुधवार को रुद्रपुर ब्लॉक में स्वास्थ्य विभाग की PC-PNDT टीम ने एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सघन चेकिंग अभियान चलाया। 10 अल्ट्रासाउंड केंद्रों का औचक निरीक्षण कर अवैध लिंग चयन के खिलाफ सख्त रुख अपनाया।

निरीक्षण दल का नेतृत्व नोडल अधिकारी PC-PNDT डा. एसपी सिंह ने किया। टीम में तहसीलदार प्रतिनिधि संजय कुमार वर्मा कानूनगो जिला चिकित्सालय से डॉ. नम्रता त्रिपाठी, PC-PNDT जिला समन्वयक प्रदीप महर और अधिशासी सहायक गोपाल आर्य शामिल रहे। टीम ने क्षेत्र के 10 प्रमुख अल्ट्रासाउंड और डायग्नोस्टिक केंद्रों अरोरा हार्ट केयर सेंटर, पंत चिकित्सालय, एचबी हॉस्पिटल, संजीवनी हॉस्पिटल, राजकीय पशु चिकित्सालय, अमृत हॉस्पिटल, प्रतिमा अल्ट्रासाउंड सेंटर, आहन अल्ट्रासाउंड सेंटर, कृष्णा हॉस्पिटल, शुभम हॉस्पिटल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पंत हॉस्पिटल की एक खराब पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन और राजकीय पशु चिकित्सालय में खराब पड़ी एक पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन, कुल दो मशीनों को सील किया गया। इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से मिटाना और PCPNDT एक्ट के प्रावधानों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करना है। निरीक्षण के दौरान टीम ने फॉर्म-F का रख-रखाव, अभिलेखों का मिलान और अनिवार्य सूचनाओं/डिस्प्ले की जांच की।

श्रीलंका में रुद्रपुर के खिलाड़ी पार्थ-रौनक ने रचा इतिहास

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। डिगाना, श्रीलंका में 10 से 12 अप्रैल तक आयोजित साउथ एशियन जू-जित्सु चैंपियनशिप में रुद्रपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया। उन्होंने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम से जुड़े खिलाड़ी पार्थ सिन्हा ने जू-जित्सु स्पर्धा में स्वर्ण पदक और फाइटिंग सिस्टम में रजत पदक जीता। वहीं रौनक शर्मा ने जू-जित्सु में कांस्य पदक और फाइटिंग सिस्टम में भी कांस्य पदक हासिल कर अपनी क्षमता का परिचय दिया। इस उपलब्धि के पीछे कोच कमल सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कमल सिंह वर्ष 2022 में चीन में आयोजित 19वें एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के लिए पदक जीत चुके हैं।

इस सफलता पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय कुमार जोशी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं जिला क्रीड़ा अधिकारी जानकी कार्की ने भी खिलाड़ियों और कोच कमल सिंह की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं।

भक्ति और श्रद्धा के साथ आरंभ हुआ अखंड हरिनाम संकीर्तन

शाह टाइम्स संवाददाता

शक्तिफार्म। गुरुग्राम स्थित शिव मंदिर में दो दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन के शुभारंभ से पूर्व बुधवार को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस दिव्य आयोजन ने पूरे क्षेत्र को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

प्रात:काल शिवतला शिव मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का जनसमूह उमड़ पड़ा। पुरुष एवं महिलाएं पारंपरिक बांग्ला वेशभूषा में सुसज्जित होकर भगवान के चरणों में उपस्थित हुए। मुरादाबाद से पधारे मुख्य पुजारी गोपीनाथ प्रसाद दास ने श्री राधा-कृष्ण की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना संपन्न कर अष्ट सखियों एवं श्रद्धालुओं संग मंदिर की परिक्रमा की।

इसके उपरांत भक्तिमय वातावरण में ढोल-नगाड़ों और हरिनाम संकीर्तन के मधुर स्वर के बीच कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। यह यात्रा लगभग तीन किलोमीटर दूर स्थित पावन स्थल तक पहुंची, जहां मां गंगा की आरती कर विधिपूर्वक कलश में जल भरा गया। तत्पश्चात यह पवित्र जल मंदिर लाकर स्थापित किया गया, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।

सायंकाल अधिवास कार्यक्रम विधिपूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें भक्तों ने पूर्ण श्रद्धा एवं समर्पण भाव से भाग लिया। यहां कीर्तन कमेटी के अध्यक्ष जयंत मंडल, ग्राम प्रधान वितिका मिस्त्री, दिलीप मिस्त्री, कुशल गोलदार, आकाश हालदार, विष्णु वैद्य, शेफाली मंडल, शोभा दास, कालीपद मंडल, विश्वनाथ मंडल, कृष्णपद साना, गणेश वैद्य, सुकुमार मंडल, दीपक सरकार, टोमस साना, श्रीकांत विश्वास, सुभाष गोलदार, निर्मल गईन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पोर्टल बढ़ाने की मांग पर भड़के किसान आरएफसी कार्यालय पर जड़ा ताला

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। पोर्टल बढ़ाने की मांग को लेकर बुधवार को किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा के नेतृत्व में किसानों ने मंडी में गेहूं के तौल कांटे बंद कर दिए। इतना ही नहीं, विरोध स्वरूप पूरे जिले में भी तौल कांटे बंद कराए गए। आक्रोशित किसानों ने आरएफसी कार्यालय पर ताला जड़ दिया और अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान किसानों और अधिकारियों के बीच तीखी झड़प भी हुई। किसानों का कहना है कि पोर्टल समय पर न खुलने और पर्याप्त समय न मिलने से उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गईं तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। इस मौके पर, किसान नेता हरप्रीत सिंह निज्जर, किसान नेता अजीत प्रताप रंधावा, सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

2.6 किलो गांजा व तीन तमंचों के साथ दो तस्कर दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। जनपद में चल रहे "ऑपरेशन प्रहार" के तहत बाजपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सघन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2.664 किलोग्राम गांजा, तीन अवैध तमंचे (315 बोर) और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बरामद गांजे की कीमत करीब 65 हजार रुपये से अधिक बताई जा रही है।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के नेतृत्व में जिलेभर में अवैध नशे और असलहों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 14 अप्रैल 2026 को कोतवाली बाजपुर पुलिस ने क्षेत्र में सघन चेकिंग के दौरान लेवड़ा नदी तिराहे के पास दो संदिग्धों को रोककर तलाशी ली। तलाशी में उनके पास से भारी मात्रा में गांजा और अवैध हथियार बरामद हुए। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सेरान अंसारी और मोहम्मद अबूजर के रूप में हुई है, जो रामनगर क्षेत्र (जनपद नैनीताल) के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी मोहम्मद अबूजर के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। इस मामले में कोतवाली बाजपुर में एफआईआर संख्या 136/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट और 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

एसएसपी अजय गणपति ने बताया कि जनपद में अवैध नशे और हथियारों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते सख्त कार्रवाई की जा सके। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक विक्रम सिंह धामी, धीरेन्द्र सिंह परिहार, कैलाश नगरकोटी, जगदीश कोठियाल और कांस्टेबल मोहम्मद इरफान शामिल रहे।

संपर्क क्रांति में हथियारबंद बदमाशों का आतंक

■ ट्रेन में गन प्वाइंट पर व्यापारी के दो कर्मियों से लूटे सात लाख

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। रुद्रपुर व बिलासपुर के मध्य चलती ट्रेन में अज्ञात हथियारबंद बदमाशों ने नगर के एक व्यापारी की दुकान के दो कर्मियों से तमंचे और पिस्टल की नोक पर लाखों रुपये लूट लिए। इस दौरान उन्होंने आस पास बैठे अन्य यात्रियों को हथियार दिखाते हुए धमकाया और बिलासपुर स्टेशन पर उतर कर फरार हो गए। मामले की जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल व व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा के साथ तमाम व्यापारी यहां रेलवे स्टेशन आ पहुंचे और उन्होंने जीआरपी व बिलासपुर थाना पुलिस से बदमाशों को शीघ्र गिरफ्तार कर लूट की रकम बरामद करने की मांग की।

जानकारी के अनुसार नगर के स्पेयर पार्ट्स के व्यापारी मंजीत सिंह की दुकान के दो कर्मचारी रितिक मंडल व साहब सिंह दुकान का सामान लेने के लिए यहां रेलवे स्टेशन से सम्पर्क क्रांति ट्रेन से दिल्ली को रवाना हुए। जब ट्रेन रुद्रपुर से आगे बढ़ी तो अचानक तीन नकाबपोश बदमाश ने रितिक मंडल व साहब सिंह पर तमंचे और पिस्टल तानकर उनके पास रखे सात लाख रुपये लूट लिए और वहां बैठे अन्य यात्रियों पर भी पिस्टल तानते हुए चुपचाप बैठने को धमकाया। बताया जाता है कि बदमाशों ने कहा कि उनका किसी अन्य यात्री से कोई मतलब नहीं है सिर्फ इनको ही लूटना है। जब ट्रेन बिलासपुर स्टेशन पर पहुंची तो तीनों बदमाश तेजी से उतरकर फरार हो गए। दोनों कर्मियों ने घटना की जानकारी तत्काल दुकान स्वामी मंजीत सिंह को दी। जिन्होंने मामले से व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा को अवगत कराया। मामले की जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल व व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा के साथ तमाम व्यापारी यहां रेलवे स्टेशन आ पहुंचे और उन्होंने जीआरपी व बिलासपुर थाना पुलिस को फोन पर घटना की विस्तार से जानकारी देकर बदमाशों को शीघ्र गिरफ्तार कर लूट की रकम बरामद करने की मांग की। उन्होंने घटना पर गहरा रोष जताते हुए कहा कि ट्रेन में प्रतिदिन सैकड़ों लोग यात्रा करते हैं जिनमें शहर के व्यापारी भी शामिल हैं। अब ट्रेन का सफर भी सुरक्षित नहीं रह गया है। रेलवे पुलिस अपनी जिम्मेवारी को ठीक तरह से नहीं निभा रही है। जिसके परिणाम स्वरूप आज यहां सरेआम चलती ट्रेन में लूट की वारदात सामने आई। पुलिस का कहना है कि घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे स्टेशन अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जा रही है।

गेहूं खरीद नहीं होने से आक्रोशित किसान

■ उप जिलाधिकारी को घेरकर सौंपा ज्ञापन, तहसील कार्यालय में दिया धरना

■ खरीद शुरू न करने पर दी आंदोलन की चेतावनी

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। गेहूं क्रय केन्द्रों में गेहूं खरीद नहीं होने से आक्रोशित किसानों ने तहसील परिसर में प्रदर्शन कर धरना दिया तथा उप जिलाधिकारी का घेराव कर अभिलंब गेहूं खरीद करने खरीद के संबंध में ज्ञापन सौंप कर गेहूं खरीदने की मांग की। प्रदर्शनकारी किसान नेताओं ने गेहूं खरीद नहीं करने पर क्रय केन्द्र बंद कराने की चेतावनी दी।

मंडी परिसर में खाद्य विभाग के दो क्रय केन्द्रों में अभी तक मात्र एक हजार क्विंटल गेहूं खरीदे जाने तथा अन्य 33 क्रय केन्द्रों में एक दाने की खरीद नहीं होने के विरोध में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) जिला अध्यक्ष गुरु सेवक सिंह एवं भाकियू (चढ़ूनी) के जिला अध्यक्ष मनजिंदर सिंह भुल्लर के नेतृत्व में तहसील पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप किसान का गेहूं नहीं खरीदा जा रहा है। किसान मजबूरन औने-पौने रेट पर अपनी फसल बिचौलियों को सौंपने को मजबूर है। सरकार बिचौलियों से गेहूं खरीद कर अपना कोटा पूरा करेगी। प्रदर्शनकारी किसानों ने एसडीएम तुषार सैनी को घिराव किया और अभिलंब क्रय केन्द्रों पर गेहूं खरीदने की मांग की। इस दौरान किसान नेताओं ने गेहूं खरीद शीघ्र न करने पर व्यापक आंदोलन की चेतावनी दी। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान यूरिया एवं डीएपीपी खाद की किल्लत पर आक्रोश जताया। घेराव करने वालों में जगविंदर सिंह पप्पू ,अवतार सिंह, हरगोविंद सिंह, अशोक राणा, अनिल सिंह, निशांत सिंह, हरबंस सिंह, हीरा सिंह संधू , सुरेंद्र सिंह सोनू, सुखविंदर सिंह सुभाष राणा राजेन्द्र सिंह आदि मौजूद थे।

आपसी संघर्ष में घायल बाघ का रेस्क्यू किया

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। तराई पश्चिम वन प्रभाग बैलपड़ाव रेंज में आपसी संघर्ष में घायल हुए एक बाघ को वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित इलाज के लिए रेस्क्यू सेंटर भेजा है।बाघ की हालत गंभीर बताई जा रही है, लेकिन विशेषज्ञों की टीम लगातार निगरानी में जुटी है,कॉर्बेट से सटे रामनगर तराई पश्चिमी वन प्रभाग की बेलपड़ाव रेंज में गश्त के दौरान वनकर्मियों को एक बाघ घायल अवस्था में दिखाई दिया,बाघ की हालत देखकर तुरंत इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की मेडिकल टीम मौके पर पहुंची।वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्सक डॉ. दुष्यंत शर्मा और उनकी टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बाघ को ट्रैंकुलाइज किया और सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर ढेला स्थित रेस्क्यू सेंटर पहुंचाया गया।जहां फिलहाल उसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि यह बाघ आपसी संघर्ष में घायल हुआ है।उसके शरीर पर कई जगह गहरे घाव के निशान मिले हैं खासकर अगले पैर और गर्दन के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें पाई गई हैं।डॉक्टरों के मुताबिक ये चोटें दो से तीन दिन पुरानी हैं और इनमें संक्रमण भी फैल चुका है।कुमाऊं चीफ डॉ. साकेत बडोला ने जानकारी देते हुए बताया कि बाघ की उम्र करीब सात से आठ साल के बीच है।फिलहाल उसकी हालत पर नजर रखी जा रही है और जरूरी इलाज दिया जा रहा है।वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही बाघ पूरी तरह स्वस्थ हो जाएगा उसे वापस जंगल में छोड़ दिया जाएगा।फिलहाल बाघ का इलाज जारी है।वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्सक डॉ दुष्यन्त शर्मा और वन विभाग की टीम हर पल उस पर नजर बनाए हुए है।उम्मीद है कि जल्द ही यह जंगल का राजा एक बार फिर अपने इलाके में दहाड़ता नजर आएगा।

मानदेय वृद्धि की मांग को लेकर धरना

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। मानदेय वृद्धि की मांग को लेकर आंगनबाड़ी केंद्र कार्यकर्तियो व सहायिकाओं का कार्य बहिष्कार व धरना दसवे दिन भी लगातार जारी रहा।रामनगर के केवीआर पार्क में चल रहे धरने को अपना समर्थन देते हुए समाजसेवी डा. जफर सैफी ने कहा कि आज सरकार व जनता के मध्य सबसे करीबी सेतु का काम आंगनबाड़ी संचालिकाओ व सहायिकाओं के द्वारा किया जा रहा है। कई अन्य विभागों के कार्य अकेले इन्ही से लिया जा रहा है लेकिन इन लोगों को मेहनताना नही दिया जा रहा है जो कि गलत है। पत्नी पूर्व सभासद रुबीना सैफी ने भी अपनी ओर से राज्य सरकार से आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकत्रियों व सहायिकाओं का मानदेय बढ़ाये जाने का पुरजोर समर्थन किया। यहां दीपा थापा, ममता भंडारी, प्रीति विद्यार्थी, मीरा भारती, पूनम गोला आदि थीं।

एक नजर

ग्राम पंचायत उमरूखुर्द व मुंडेली के कुछ भाग मूलभूत सुविधाओं से वंचित

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। नगर पालिका के हुए परिसीमन में ग्राम पंचायत उमरुखुर्द एवं मुड़ेली के कुछ भाग में रहने वाले ग्रामीण अब मूलभूत सुविधाओं से वंचित चल रहे हैं। ग्राम पंचायत के छूटे भाग में रहने वाले ग्रामीण यहां नगर पालि. का में सम्मिलित होने से वंचित रहे हैं। वहीं उन्हें किसी दूसरी ग्राम सभा से भी नहीं जोड़ा गया है। नगर पालिका सीमा वृद्धि के बाद वंचित रहे ग्राम पंचायत के शेष में रहने वाले लगभग दो हजार आबादी के ग्रामीण जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र, आय, जाति, परिवार रजिस्टरी की नकल एवं अन्य विकास कार्यों से वंचित चल रहे हैं। ग्राम पंचायत उमरुखुर्द एवं मुड़ेली का नगर पालिका में मिलने के बाद दोनों ग्राम सभाओं के लगभग दो हजार आबादी वाले भूभाग को किसी दूसरी ग्राम पंचायत में नहीं जोड़ा गया है। इन्हें नगर पालिका के साथ ही किसी दूसरी ग्राम पंचायत नहीं जोड़े जाने से इन्हें किसी प्रकार की सुविधा नहीं मिल पा रही है। नगर पालिका के ग्राम पंचायत द्वारा होने वाले विकास कार्यों का लाभ भी इन्हें नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में विवेक सिंह राणा, शेर सिंह राणा, मुकेश राणा, विपिन राणा, भुवन राणा, सुनील राणा आदि ग्रामीण कई बार स्थानीय एवं जिला प्रशासन को अवगत करा चुके हैं। इन्हें मात्र आश्वासन ही मिला है। जबकि संतना ग्राम के अवशेष भाग को तत्काल ही ऊंची महूवट ग्राम पंचायत से जोड़ा गया है। उपजिला अधिकारी तुषार सैनी ने बताया कि जो लोग नगर पालिका एवं किसी अन्य ग्राम पंचायत में सम्मिलित नहीं हो सके हैं वर्तमान में शासकीय सुविधाओं से वंचित चल रहे हैं उनके लिए विकासखंड स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। उन्हें शीघ्र ही किसी अन्य ग्राम पंचायत से जोड़ा जा सकेगा अथवा अलग ग्राम पंचायत बनाई जाएगी। जबकि खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गांधी ने बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई जानक. ारी नहीं है। यदि इस संबंध में उन्हें कोई शिकायत मिलेगी तो वह अपनी टिप्पणी के साथ शासन को प्रेषित कर देंगे।

मायावती आश्रम में ख्यात सर्जन डा. हरेश शाह ने शुरू किए निशुल्क ऑपरेशन

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। अद्वैत आश्रम मायावती के धर्मार्थ चिकित्सालय में मानव सेवा की एक प्रेरणादायक मिसाल सामने आई है। गुजरात से आए प्रख्यात सर्जन डॉ. हरेश शाह ने यहां निशुल्क ऑपरेशन शुरू कर दिए हैं, जिससे क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद मरीजों को बड़ी राहत मिल रही है। पिछले तीन दिनों में कई सफल ऑपरेशन कर डॉक्टरों की टीम ने मरीजों को नई जिंदगी देने का काम किया है। आर्थिक तंगी के कारण जो लोग बड़े अस्पतालों तक नहीं पहुंच पाते थे, उनके लिए यह पहल किसी वरदान से कम नहीं है। चिकित्सा सेवा के इस अभियान में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. डीएस दुबे के साथ सुब्रत चटर्जी, मनोज और पंकज भी सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। चिकित्सालय के प्रभारी स्वामी एकदेवानंद जी महाराज के अनुसार, डॉ. हरेश शाह जून माह तक अपनी सेवाएं यहां देते रहेंगे। इस पुनीत कार्य से न सिर्फ मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है, बल्कि समाज में सेवा और समर्पण की एक नई मिसाल भी कायम हो रही है।

लोहाघाट को मिली बड़ी सौगात: केंद्रीय विद्यालय की नई बिल्डिंग का रास्ता साफ

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। क्षेत्र के विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित राहत भरी खबर सामने आई है। केंद्रीय विद्यालय के नए भवन में शिफ्टिंग को लेकर वर्षों से आ रही बिजली के खंभों की समस्या का आखिरकार समाधान हो गया है।

केंद्रीय राज्य मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद अजय टम्टा के विशेष प्रयासों से खंभों को शिफ्ट करने हेतु आवश्यक बजट की व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है। शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और दूरदर्शी सोच का ही परिणाम है कि अब विद्यालय के नए भवन में शिफ्टिंग का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। इस पूरी प्रक्रिया को गति देने में जिलाधिकारी मनीष कुमार की सक्रिय भूमिका भी सराहनीय रही। उनके कुशल मार्गदर्शन और प्रशासनिक तत्परता के चलते यह कार्य तेजी से आगे बढ़ सका। अब जल्द ही केंद्रीय विद्यालय अपने नए भवन में संचालित होगा, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक माहौल मिलेगा और अभिभावकों की वर्षों पुरानी चिंता भी दूर हो जाएगी। यह पहल न केवल शिक्षा के स्तर को मजबूत करेगी, बल्कि लोहाघाट के विकास को भी नई दिशा देगी।

गुमशुदा मोबाइल बरामद, पुलिस ने लौटाई चेहरे की मुस्कान

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। गुमशुदा मोबाइल बरामदगी अभियान के अंतर्गत जनपद पिथौरागढ़ पुलिस द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई लगातार की जा रही है। कोतवाली बेरीनाग क्षेत्र निवासी हेमंत सिंह नेगी का मोबाइल फोन जनवरी 2026 में गुम हो गया था, जिसकी सूचना उन्होंने थाने में दी थी। आज 15.04.2026 को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बेरीनाग नरेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा CEIR पोर्टल पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किया गया तथा सुरक्षित रूप से संबंधित मोबाइल स्वामी को सुपुर्द किया गया। जनपद पुलिस आमजन से अपील करती है कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाने में मोबाइल की संपूर्ण जानकारी जैसे IMEI नंबर, मोबाइल खोने की तारीख, समय व स्थान, मोबाइल पर सिम लगी थी वह नंबर, तथा मोबाइल का खरीद प्रमाण (इनवॉइस/बिल उपलब्ध होने पर) उपलब्ध कराएं, ताकि शीघ्र बरामदगी सुनिश्चित की जा सके।

अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता ही बचाव का सर्वोत्तम उपाय

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर प्रभारी अग्निशमन अधिकारी नरेन्द्र प्रसाद एवं फायर यूनिट पिथौरागढ़ द्वारा औद्योगिक क्षेत्र बिन के विभिन्न संस्थानों में अग्नि सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा उपकरणों के संचालन, उनकी कार्यविधि एवं उपयोग से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही, संभावित अग्निकांड की स्थिति में सुरक्षित निकास मार्गों से बचाव एवं त्वरित प्रतिक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। अग्निशमन कर्मियों द्वारा कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों का प्रायोगिक (डेमो) प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे वे आपात स्थिति में प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें।

प्रसव के दौरान गर्भवती महिला की मौत, उजाला नेशनल हॉस्पिटल सील

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। क्षेत्र के नैनीताल मार्ग स्थित एक निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान गर्भवती महिला की मौत का मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार 13 अप्रैल की रात धनसारा निवासी गुलफ्सा को प्रसव के लिए उजाला नेशनल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर अस्पताल प्रशासन द्वारा महिला को रेफर किया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि महिला की पहले भी ऑपरेशन से डिलीवरी हो चुकी थी, इसके बावजूद अस्पताल द्वारा सामान्य प्रसव का आश्वासन देकर भर्ती किया गया, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। मामले का संज्ञान लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी उधम सिंह नगर ने अस्पताल के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी क्रम में 15 अप्रैल 2026 को दोपहर 2:45 बजे बाजपुर उप जिला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. पी.डी. गुप्ता ने उजाला नेशनल हॉस्पिटल को सील कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है।

अनुज कुमार बने 15वें जिला सूचना अधिकारी

■ धीरज कार्की का चमोली ट्रांसफर

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। जनपद में सूचना विभाग में अहम प्रशास. निक बदलाव हुआ है। चंपावत के जिला सूचना अधिकारी धीरज कार्की का स्थानांतरण चमोली जनपद के लिए कर दिया गया है। उनके स्थान पर चमोली से ही अनुज कुमार अब चंपावत के 15वें जिला सूचना अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे।

सूचना महानिदेशक के हस्ताक्षरों से जारी आदेश के बाद यह बदलाव प्रभावी हो गया है। धीरज कार्की ने 18 फरवरी, 2025 को कार्यभार संभालते हुए अपने कार्यकाल में कई नवाचार किए और विभागीय कार्यों को नई दिशा दी। उन्होंने जिला प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय बनाते हुए सूचना तंत्र को मजबूत किया। विशेष रूप से जिलाधिकारी मनीष कुमार के साथ मिलकर उन्होंने कई महत्वपूर्ण पहल में सक्रिय भूमिका निभाई। "मॉडल जिला" की अवधारणा को आगे बढ़ाने और सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में उनका योगदान सराहनीय रहा। अब उनके स्थान पर आ रहे अनुज कुमार, जो उनके ही बैचमेट हैं, इस जिम्मेदारी को आगे बढ़ाते हुए विभागीय कार्यों को नई गति देने की उम्मीद जगाते हैं। दोनों अधिकारी शीघ्र ही अपने-अपने नए दायित्वों का कार्यभार ग्रहण करेंगे।

गदरपुर में गैस वितरण वाहन से सिलेण्डर लूट का आरोप

■ एजेंसी प्रबंधक ने सभासद प्रतिनिधि पर लगाए गंभीर आरोप

■ सरकारी कार्य में बाधा और दंगा फैलाने की शिकायत, इंडेन गैस प्रबंधक ने डीएम को भेजी तहरीर

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। क्षेत्र में एक नया विवाद सामने आया है, जहां इंडेन गैस एजेंसी के प्रबंधक गणेश आर्य ने वार्ड नंबर 2 के सभासद प्रतिनिधि के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए थाना अध्यक्ष के नाम तहरीर लिखी है। ओर मामले की शिकायत जिलाधिकारी को भेजी गई है।

प्रबंधक द्वारा दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि संबंधित सभासद प्रतिनिधि ने न केवल दंगा फैलाने का प्रयास किया, बल्कि सरकारी कार्य में भी बाधा उत्पन्न की। पत्र के अनुसार, इंडियन गैस एजेंसी की ओर से गैस सिलेंडर वितरण के लिए भेजा गया टुकटुक वाहन रास्ते में रोक लिया गया और कथित रूप से लुटवा दिया गया। गणेश आर्य का कहना है कि इस घटना के दौरान वाहन में रखे गैस सिलेंडर गायब हो गए और नकद भुगतान की राशि में भी कमी पाई गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी घटना सभासद प्रतिनिधि की मनमानी और दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। प्रबंधक ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। वहीं, इस मामले में अभी तक सभासद प्रति. निधि की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रशासन का कहना है कि प्रशाशन अब पूरे मामले की जांच कर रहा है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में सभासद प्रतिनिधि से वार्तालाप करने का प्रयास किया उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

संस्कृति से दूर होता हिंदू समाज एक चिंताजनक विषयः हीरा बल्लभ जोशी का तीखा प्रहार

■ पाश्चात्य प्रभाव में तब्दील होती सनातनीय परंपराएं, रीति-रिवाज और संस्कार के लिए धर्माचार्यों से आगे आने की अपील

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। श्रीबाराही शक्तिपीठ ट्रस्ट के पहले अध्यक्ष एवं वेद-पुराणों के ज्ञाता हीरा बल्लभ जोशी ने हिंदू समाज में तेजी से हो रहे सांस्कृतिक और सामाजिक बदलावों पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता की अंधी दौड़ में समाज अपनी जड़ों और परंपराओं से कटता जा रहा है, जो भविष्य के लिए गंभीर संकेत है। श्री जोशी ने कहा कि आज पारंपरिक वेश-भूषा और संस्कार धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। विवाहित महिलाओं में साड़ी, पल्लू, बिंदी, चूड़ी और मंगलसूत्र जैसे सुहाग के प्रतीकों का प्रचलन कम होता जा रहा है। वहीं शादी-विवाह जैसे मांगलिक अवसरों पर भी अब पारंपरिक रीति-रिवाजों की जगह "प्री-वेडिंग" और आधुनिक आयोजनों ने ले ली है।

उन्होंने जन्मदिन और विवाह जैसे आयोजनों के बदलते स्वरूप पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पहले ऐसे अवसरों पर भगवान मार्कण्य पूजन होता था, जबकि अब केक काटने की पश्चिमी परंपरा हावी हो गई है। बच्चों को मंदिरों, देवी-देवताओं और धार्मिक श्लोकों से जोड़ने की परंपरा भी कमजोर पड़ती जा रही है। यूं कहें कि खत्म ही हो चुकी है। श्री जोशी ने कहा कि पहले जहां बच्चे बड़ों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेते थे, आज वही स्थान "हेलो-हाय" ने ले लिया है। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा और स्थानीय बोली से भी दूर होती जा रही है, जबकि अंग्रेजी बोलने को ही गौरव समझा जा रहा है। संयुक्त परिवारों के विघटन पर भी उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि माता-पिता, जिन्होंने अपने बच्चों के भविष्य के लिए पूरा जीवन समर्पित किया, आज वही उन्हीं से उपेक्षित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता ए पृथ्वी के देवता से भी बढ़कर हैं और उनके आशीर्वाद एवं कृपा के घर, घर नहीं बल्कि "कब्रिस्तान" के समान हो जाता है। जोशी ने धर्माचार्यों और कथा वाचकों से अपील की कि वे खुलकर सामने आएं और समाज को उसकी जड़ों से जोड़ने का कार्य करें, ताकि आने वाली पीढ़ी भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों को समझ सके।

कौन हैं हीरा बल्लभ जोशी?

देवीधुरा के समीप वारी गांव के पुरोहित परिवार में जन्मे हीरा बल्लभ जोशी वेद, पुराण और उपनिषदों के गहन ज्ञाता हैं। वे क्षेत्र के पहले आइआरएस अधिकारी रहे हैं और रेलवे फ्रेट कॉरिडोर में महानिदेशक पद पर रहते हुए भारतीय रेल सेवा के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेवा. निवृत्ति के बाद उन्होंने अपना जीवन सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार को समर्पित कर दिया। वर्तमान में वे श्री बाराही शक्तिपीठ ट्रस्ट के पहले अध्यक्ष हैं और कई धार्मिक पुस्तकों का लेखन कर चुके हैं, जिनकी देश-विदेश में मांग रही है। साथ ही उनके द्वारा बाराही धाम में नए भव्य मंदिर का जनसंयोग से निर्माण करने के लिए वह सामा. जिक मुहिम का मजबूत हिस्सा बने हुए हैं।

गदरपुर में गैस वितरण को लेकर धरना प्रदर्शन

■ पूर्व चेयरमैन राकेश भुड्डी ने उठाए सवाल

■ समय पर सिलेंडर न मिलने से उपभोक्ता परेशान

■ वार्ड रोस्टर के अनुसार गैस वितरण की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। नगर में गैस वितरण को लेकर उपभोक्ताओं की समस्याएं लगातार सामने आ रही हैं। बुधवार को गदरपुर इंडेन गैस एजेंसी के बाहर पूर्व चेयरमैन राकेश भुड्डी ने अपने समर्थकों के साथ धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

धरने के दौरान राकेश भुड्डी ने कहा कि जिन उपभोक्ताओं ने पहले बुकिंग कराई है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग उठाई कि नगर पालिका के वार्डों के लिए जो रोस्टर तय किया गया है, उसी के अनुसार गैस का वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे और किसी भी वार्ड के साथ भेदभाव न हो। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि वार्ड नंबर 7 निवासी रवि पाल ने 27 मार्च को गैस सिलेंडर की बुकिंग कराई थी, लेकिन अभी तक उन्हें सिलेंडर की डिलीवरी नहीं मिल सकी। इसके अलावा होम डिलीवरी की सुविधा भी सही तरीके से काम नहीं कर रही है, जिससे कई उपभोक्ताओं को घर पर सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है।

वहीं गैस एजेंसी के मैनेजर गणेश आर्या ने सफाई देते हुए कहा कि गैस का वितरण उच्च अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है और एजेंसी पूरी कोशिश कर रही है कि सभी उपभोक्ताओं को समय पर सेवा मिल सके। धरने के दौरान ठेकेदार प्रतिनिधि अमित कुमार ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि वर्तमान में गैस वितरण उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार ही हो रहा है, लेकिन पहले की तुलना में कुछ समस्याएं जरूर सामने आ रही हैं।

उन्होंने सुझाव दिया कि यदि अधिकारी पूर्व की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सुधारात्मक कदम उठाएं, तो स्थिति बेहतर हो सकती है।

प्रतिमा लगाने को विधायक एवं पूर्व विधायक के समर्थक भिड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। जसपुर में प्रसिद्ध ठाकुर मंदिर के पास नगर पालिका की भूमि पर महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा को लगाने को लेकर मौके पर दो पक्षों में हंगामा हो गया। मौजूद विधायक एवं पूर्व विधायक के समर्थक आमने सामने आ गए। दोनों पक्षों में जमकर बोलचाल हुई। धक्का मुक्की की नौबत आ गई। विधायक पक्ष रानी लक्ष्मीबाई तो पूर्व विधायक पक्ष महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा लगाने पर अडिग थे। इससे पहले हालात बिगड़ते पुलिस ओर जनप्रतिनिधियों ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत करा दिया।

विधायक के पूछने पर पालिका प्रशासन द्वारा प्रतिमा लगाने के मामले में एक सप्ताह में निर्णय देने के आश्वासन पर लोग शांत हुए। वहीं, अग्र समाज के लोगों ने एसडीएम को एक पत्र देकर मौके पर महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा लगाने की

मांग की है। ज्ञात हो कि करीब दो साल पहले पालिका प्रशासन ने ठाकुर मंदिर के सामने ट्रांसफर के पास से अतिक्रमण हटवाया था। इस स्थान पर विधायक आदेश चौहान, क्षत्रिय समाज ने कार्यक्रम कर महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा लगाने का पालिका प्रशासन को पत्र दिया था। इसके बाद ही अग्रवाल सभा ने यह कहते हुए एक पत्र दिया था कि इस स्थान के आसपास अग्रवाल समाज के काफी लोग निवासरत है। लिहाजा भावनाओं को देखते हुए महाराजा अग्रस. ेन की प्रतिमा को लगाया जाए। दोनों पत्रों पर नगर पालिका ने अपनी रिपोर्ट देते हुए डीएम को स्थिति से अवगत कराया। डीएम ने चार सदस्यीय कमेटी गठित कर दी, लेकिन कमेटी ने क्या रिपोर्ट दी इसकी जानकारी किसी को नहीं हुई। बुधवार को विधायक आदेश चौहान समर्थकों संग मौके पर पहुंचे। तथा खुदाई शुरू करा दी। इस बीच पूर्व विधायक डा. शैलेंद्र मोहन सिंघल, उनके समर्थक, भाजपाई भी आ गए। खुदाई को लेकर विधायक एवं पूर्व विधायक एवं समर्थक आपस में भिड़ गए। आरोप है कि इस बीच धक्कामुक्की भी की गई। दोनों पक्षों में मामला बढ़ने से पहले ही पुलिस ने उन्हे समझाया। ईओ उदयवीर सिंह ने मामले में एक सप्ताह में निर्णय देने की बात पर दोनों पक्ष शांत हो गए।

एसएसबी की कार्यशाला संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

सितारगंज। 57वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय में दो दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ। अध्यक्षता कमांडेंट गंगा सिंह उदावत ने की।

कार्यशाला में वाहिनी मुख्यालय व सीमा चौकियों के कार्मिकों ने नारकोटिक्स नियंत्रण, वन उत्पाद सुरक्षा, जाली नोट पहचान, एनडीपीएस अधिनियम व इमिग्रेशन नियमों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। अंतिम दिन वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजेंद्र प्रसाद व उप निरीक्षक जगत सिंह शाही ने नारकोटिक्स पर विस्तृत व्याख्यान दिया। इस मौके पर उप कमांडेंट प्रियदर्शिनी निहारिका राय, उप कमांडेंट अनिल कुमार, सहायक कमांडेंट अरविंद कुमार, निरीक्षक अमरेश कुमार, प्रकाश चंद्र जोशी, उप निरीक्षक महिपाल सिंह समेत अन्य कार्मिक मौजूद रहे।

एमबीबीएस के छात्रों को सेवा बॉन्ड में बड़ी राहत

हाई कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला: दुर्गम सेवा को अनिवार्य तीन साल की सेवा अवधि में जोड़ा जाएगा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने एमबीबीएस के बाद पीजी करने वाले डाक्टरों के सेवा बॉन्ड को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी छात्र ने एमबीबीएस पूरा करने के बाद और पीजी में प्रवेश लेने से पहले दुर्गम क्षेत्रों में सेवा दी है तो उस अवधि को उनके पीजी के बाद की अनिवार्य तीन साल की सेवा अवधि में जोड़ा जाएगा। कोर्ट ने पिछले दिनों राज्य सरकार की विशेष अपील को निस्तारित करते हुए यह आदेश दिया। यह मामला तब शुरू हुआ जब डा. मेहुल सिंह गुंज्याल और अन्य ने सरकार के उस नियम को चुनौती दी थी जिसमें पीजी के बाद फिर से पूरे समय के लिए पहाड़ी क्षेत्रों में सेवा देने का दबाव बनाया जा रहा था। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि उन्होंने पीजी प्रवेश से पहले ही बॉन्ड के तहत कुछ समय की सेवा दे दी है, जिसे उनकी कुल सेवा अवधि में समायोजित किया जाना चाहिए। इस मामले में पूर्व में एकल पीठ ने भी डाक्टरों के पक्ष में फैसला सुनाया था। अदालत की कार्यवाही के दौरान सरकारी आदेशों का हवाला देते हुए बताया गया कि 23 जुलाई 2008 के शासनादेश के अनुसार एमबीबीएस के बाद 5 वर्ष और पीजी के बाद 3 वर्ष की सेवा अनिवार्य है। यदि कोई डाक्टर यह सेवा नहीं देता है तो उसे 15 लाख रुपये की बॉन्ड राशि सरकार को चुकानी होगी। याचिकाकर्ताओं में से अधिकांश ने निजी मेडिकल कॉलेजों से पीजी किया था जबकि एक छात्र ने सरकारी कॉलेज से डिग्री प्राप्त की थी। राज्य सरकार ने अपील के दौरान यह आशंका जताई थी कि यदि इस तरह की छूट दी गईए तो बॉन्ड की राशि वसूलने में कठिनाई हो सकती है। सरकार का कहना था कि यदि डाक्टर पीजी के बाद निर्धारित सेवा देने में विफल रहते हैं तो सरकार को उनसे बॉन्ड का पैसा लेने का पूरा अधिकार होना चाहिए। इस पर कोर्ट ने स्थिति स्पष्ट करते हुए सरकार की चिंता को भी संबोधित किया। पीठ ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के पास बॉन्ड की राशि वसूलने का अधिकार सुरक्षित रहेगाए बशर्ते याचिकाकर्ता पीजी के बाद आवश्यक सेवा की शर्तों का उल्लंघन करें, हालांकि राहत की बात यह है कि तीन साल की कुल सेवा अवधि की गणना करते समय, उनके द्वारा एमबीबीएस के बाद दी गई पिछली सेवा को भी गिना जाएगा। यानी अगर किसी ने पहले एक साल सेवा दी है तो उसे पीजी के बाद केवल दो साल और सेवा देनी होगी। इस फैसले से उन दर्जनों डाक्टरों को बड़ी राहत मिली है जो उच्च शिक्षा के बाद सरकारी बॉन्ड और पहाड़ों में सेवा की दोहरी शर्तों के बीच फंसे हुए थे। अदालत ने देरी से अपील दायर करने के लिए सरकार की 127 दिनों की देरी को भी माफ कर दिया और इस विवाद का अंतिम रूप से निपटारा कर दिया। इस आदेश के साथ ही मामले से जुड़ी अन्य सभी लंबित अर्जियां भी समाप्त कर दी गई हैं।

कुलपति की नियुक्ति को वैध करार दिया, जनहित याचिका खारिज

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर (केंद्रीय विश्वविद्यालय) के कुलपति की नियुक्ति को यूजीसी और केंद्रीय विश्वविद्यालय के नियमों के तहत वैध मानते हुए दायर की गई जनहित याचिका को खारिज कर दिया। यह याचिका प्रोफेसर नवीन प्रकाश नौटियाल द्वारा दायर की गई थी, जिन्होंने कुलपति की नियुक्ति को केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के 2018 के विनियमों का उल्लंघन बताते हुए इसे अवैध और मनमानी करार दिया था। प्रोफेसर नौटियाल ने अपनी याचिका में तर्क दिया था कि कुलपति की नियुक्ति में यूजीसी विनियमों की शर्तों का उल्लंघन हुआ है, जिनके तहत विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में कम से कम 10 वर्षों का अनुभव अनिवार्य है। उनका कहना था कि प्रोफेसर प्रकाश सिंह का भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) में चेयर प्रोफेसर के रूप में अनुभव, यूजीसी द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं था, क्योंकि आईआईपीए न तो विश्वविद्यालय है और न ही यूजीसी द्वारा शासित कोई संस्थान। इसके अलावा, विज्ञापन में स्पष्ट रूप से विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में 10 वर्ष का अनुभव आवश्यक बताया गया था, जिससे किसी भी समकक्षता या प्रतिस्थापन की संभावना समाप्त हो जाती है। याचिकाकर्ता ने यह भी तर्क दिया कि उच्चतम न्यायालय के कई फैसलों में यह स्पष्ट किया गया है कि चयन समिति किसी सार्वजनिक पद पर नियुक्ति की पात्रता शर्तों में बदलाव नहीं कर सकती। उनका कहना था कि इस तरह की मनमानी नियुक्तियाँ शैक्षणिक संस्थानों की निष्पक्षता और अखंडता पर असर डालती हैं, जिससे संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन होता है। हालांकि, मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने प्रोफेसर सिंह की नियुक्ति को यूजीसी और केंद्रीय विश्वविद्यालय के नियमों के तहत वैध ठहराया और जनहित याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने यह निर्णय देते हुए कहा कि प्रोफेसर सिंह की नियुक्ति में कोई नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ है और यह संविधान के तहत सही है।

रेलवे जवाब दाखिल करे

नैनीताल। तीनपानी बाईपास पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर के चलते रेलवे क्रॉसिंग बंद किए जाने और प्रस्तावित अंडरपास का निर्माण न होने के मामले में हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने रेलवे से दो सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश ग्राम हाथीखाल गौजाजाली निवासी एवं पूर्व ग्राम प्रधान सुरेश चन्द्र जोशी द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए रेलवे और संबंधित पक्षों से स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। याचिकाकर्ता का कहना है कि तीनपानी बाईपास पर फ्लाईओवर निर्माण के कारण रेलवे क्रॉसिंग से बरेली रोड को जोड़ने वाला मार्ग बंद हो गया है जिससे ग्राम गौजाजाली दक्षिण और हथियाल क्षेत्र के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार इस मार्ग के बंद होने से किसानों को खेतों तक सिंचाई के लिए पानी ले जाने में परेशानी हो रही है वहीं स्कूली बच्चों तथा मरीजों और स्थानीय लोगों को आवाजाही के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि रेलवे ने 11 दिसंबर 2023 को अंडरपास निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया स्वीकृत की थी लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि रेलवे क्रॉसिंग से बरेली रोड तक पूर्व की भांति आवागमन की व्यवस्था बहाल की जाए।

एक नजर

संसारी माता मंदिर में बैशाखी मेला

कालाढूंगी। बैशाखी के अवसर पर कालाढूंगी के बैलपोखरा स्थित संसारी माता मंदिर में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य मेले का आयोजन किया गया। यह मेला सदियों पुरानी परंपरा का हिस्सा है, जिसमें दूर-दराज से श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। पर्वतीय समाज और सिख समाज के लोगों ने इस खास दिन मंदिर में पूजा-अर्चना कर मेले में बढ़-चढ़कर भाग लिया। श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में फूल अर्पित कर सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। मान्यता है कि बैशाखी के दिन जो भी भक्त संसारी माता मंदिर में पुष्प अर्पित करता है, वह वर्षभर बीमारियों से दूर रहता है। यही कारण है कि यह मंदिर लोगों की गहरी आस्था का केंद्र बना हुआ है और हर साल यहां भारी भीड़ उमड़ती है। मेले में स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहर से आए श्रद्धालुओं ने भी उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल देखने को मिला।

ग्रामीणों का धरना लगातार छठे दिन भी जारी

कालाढूंगी। जनपद नैनीताल के कालाढूंगी क्षेत्र के न्याय पंचायत खुर्पाताल के घटगड़ इलाके में प्रस्तावित मदिरा की दुकान के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। दर्जनों महिलाओं और पुरुषों ने एकजुट होकर धरना-प्रदर्शन लगातार छठे दिन भी जारी रहा और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

डीएसी नंबर न आने से गैस उपभोक्ता परेशान

नैनीताल। नगर पालिका परिषद के सभासद मनोज साह जगाती ने कहा है कि अप्रैल माह में गैस बुकिंग के बाद भी डीएसी नंबर आने से उपभोक्ताओं

को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए पर्वत गैस सर्विस नैनीताल के प्रबंधक को ज्ञापन दिया है जिसमें उन्होंने मामले में त्वरित कार्रवाई नहीं होने पर जनप्रतिनिधि होने के नाते आत्मदाह की चेतावनी भी दी है। जगाती के मुताबिक अधिकांश गैस उपभोक्ताओं की ओर से 1 से 9 अप्रैल के बीच गैस बुकिंग करायी तो उनके डीएसी नंबर नहीं आए वहीं दूसरी ओर 9 अप्रैल के बाद जिन लोगों ने गैस बुकिंग की उनके डीएसी नंबर आ गए जिसकी वजह से जिन उपभोक्ताओं के डीएसी नंबर नहीं आए वह गैस की सुविधा से वंचित हो चुके हैं। जगाती के मुताबिक यह समस्या ज्यादातर उन लोगों के साथ हो रही है जिन लोगों ने इंडियन आयल एप के माध्यम से गैस बुकिंग करायी थी।

सभासद जगाती ने किया 38वीं बार रक्तदान

नैनीताल। नैनीताल के अयारपाटा के सभासद मनोज साह जगाती हमेशा ही सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर सहभागिता निभाते हैं। उन्होंने साल में तीन बार रक्तदान करने की अनूठी मिशाल कायम की है, उनकी ओर से नैनीताल के राजकीय बीडी पांडे जिला अस्पताल में बुधवार को 38वीं बार रक्तदान किया। जिस पर अस्पताल प्रबंधन ने भी उनकी सराहना की है। मनोज साह जगाती ने बताया कि बीते करीब दो दशक से वह रक्तदान को लेकर मुहिम चला रहे है। साथियों व सहयोगियों के साथ वह वर्ष में तीन बार रक्तदान अवश्य करते है। बुधवार को बीडी पांडे अस्पताल में उन्होंने 38वीं बार रक्तदान किया। उनकी इस पहल की अस्पताल प्रबंधन ने बेहद सराहना की है।

ओवरलोडिंग पर नैनीताल में दो ट्रक सीज

नैनीताल। नगर के तल्लीताल में पुलिस ने चैकिंग के दौरान सख्त कार्रवाई की है। कार्रवाई करते हुए ओवरलोडिंग करते दो ट्रकों को सीज कर दिया है। मंगलवार की देर रात तल्लीताल क्षेत्र में पुलिस चैकिंग अभियान में जुटी हुई थी। इस दौरान हल्द्वानी की ओर से आते दो ट्रकों को पुलिस ने रोक दस्तावेज मांगे। लेकिन दोनों चालक वाहनों के दस्तावेजए डीएल नहीं दिखा पाए, साथ ही ट्रकों पर ओवरलोडिंग भी पाई गई। एसआई बबीता ने बताया कि दस्तावेज जांच के दौरान वाहन संख्या यूके 04सीए 7864 के चालक पदमपुरी निवासी निर्मल सिंह बिष्ट व वाहन संख्या यूके 04सीए 8430 के चालक हल्द्वानी निवासी राजीव सिंहके खिलाफ बिना ड्राइविंग लाइसेंसए बिना परमिट, बिना रजिस्ट्रेशन, ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन और ओवरलोडिंग पर वाहन सीज कर दिया है। उन्होंने बताया कि बिना दस्तावेज व ओवरलोडिंग और नियमों के उल्लंघन पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखें और यातायात नियमों का पालन करें।

बदलते मौसम से जिला अस्पताल में बढ़ी मरीजों की संख्या

नैनीताल। नैनीताल में बढ़ती गर्मी और खानपान में लापरवाही का असर अब लोगों की सेहत पर साफ दिखने लगा है। बुधवार को बीडी पांडे अस्पताल में मरीजों की लंबी कतारें लगी रहींए जहां सबसे ज्यादा लोग उल्टी दस्त और वायरल बुखार की शिकायत लेकर पहुंचे। प्रभारी पीएमएस डा. एमएस दुग्ताल ने बताया कि गर्मी बढने् के साथ ही मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। खासकर पेट दर्द, उल्टी दस्त, फूड पॉइजनिंग और वायरल फीवर के मरीज ज्यादा आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में लोग बाहर का खाना ज्यादा खा रहे हैं और साफ सफाई का ध्यान नहीं रख रहेए जिससे संक्रमण तेजी से फैल रहा है। डा. दुग्ताल ने लोगों को सलाह दी है कि गर्मी में हल्का और ताजा भोजन करें अधिक पानी पिएं। बाहर के खुले खाद्य पदार्थों से बचें और साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें।

हल्द्वानी के स्कूलों में लड़कियों ने बाज़ी मारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सीबीएसई के 10वीं के छात्र-छात्राओं का इंतजार आज खत्म हो गया। सीबीएसई के 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं में इस बार लड़कियों ने बाजी मारी है। दीक्षांत पब्लिक स्कूल की अरुंधति तिवारी ने 99.6 प्रतिशत अंक हासिल कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। वहीं बीएलएम स्कूल के शिवांश अग्रवाल ने 99.2 अंकों के साथ दूसरे, इंस्पिरेशन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रकृति पांडेय व निमोनिक स्कूल के चिराग बेलवाल ने 99 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान पर रही। स्वस्त्यियन स्कूल की गीतिका ने 98.8 प्रतिशत अंकों के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम बुधवार शाम घोषित कर दिए गए। दसवीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित होते ही सफल परीक्षार्थियों तथा उनके अभिभावकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सुबह से ही इन परीक्षार्थियों में परिणाम जानने के लिए बेहद उत्सुकता थी। दीक्षांत पब्लिक स्कूल की अरुंधति तिवारी ने 99.6 प्रतिशत, बीएलएम स्कूल के शिवांश अग्रवाल ने 99.2, इंस्पिरेशन स्कूल की प्रकृति पांडेय व निमोनिक स्कूल के चिराग बेलवाल ने 99, स्वस्त्यियन स्कूल की गीतिका ने 98.8 प्रतिशत अंकों के साथ सर्वोच्च स्थान पर रहे। बीएलएम स्कूल की दीपांशी गुप्ता व रीशित खोलिया ने 98.8, इंस्पिरेशन स्कूल के दिग्विजय सिंह अधिकारी ने 98.6, बीरशिवा स्कूल की संस्कृति तिवारी, बीएलएम के दिवस भट्ट व यशिता गुप्ता,एवरग्रीम स्कूल की आकाशी जोशी ने 98.4, डीपीएस के गर्वित पांडेय, ऑरम पब्लिक स्कूल की दिविशा पांडेय, एवरग्रीन की भूमिका कबड़वाल व हिमाक्षी भट्ट ने 98.2, गुरुकुल स्कूल के रोहित जोशी, इंस्पिरेशन स्कूल के रमणिका जोशी व स्मृति सिंह, दीक्षांत स्कूल की प्रियांशी जोशी व रिद्धि शर्मा, जिम कार्बेट की स्नेहा चौहान, निमोनिक के वैभव बुधलाकोटी, व्हाइटहाल स्कूल की अंजलि उपाध्याय व कार्तिकेय डालाकोटी, सेंट लारेंस के मनीष सिंह ने 98, दी पैंथियोन स्कूल की दीपिका बिष्ट, सिंथिया स्कूल की मानवी शर्मा, ऑरम स्कूल की हिमांशी शाह, दीक्षांत स्कूल की अन्वी भट्ट, व्हाइटहाल स्कूल के देवाशीष जोशी व श्रेयस टम्टा ने 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किया।

नैनीताल के स्कूलों का परीक्षाफल रहा शत प्रतिशत

पार्वती प्रेमा जगाती के छात्र आर्यमान अग्रवाल ने 98.2 फीसदी अंक पाकर किया नैनीताल टॉप

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल में सीबीएसई के 10वीं बोर्ड का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा। पार्वती प्रेमा जगाती सरस्वती विहार दुर्गापुर के छात्र आर्यमान अग्रवाल ने 98.2 प्रतिशत के साथ नगर टॉप किया। दूसरा स्थान इसी विद्यालय के निष्कर्ष अग्रवाल ने 98 प्रतिशत के साथ प्राप्त किया। तीसरे स्थान बिड़ला विद्या मंदिर के छात्र शीर्ष सचान ने

सीबीएसई 10वीं के नतीजे

97.6 प्रतिशत अंकों के साथ प्राप्त किया। बता दें पार्वती प्रेमा जगाती सरस्वती विहार में 143 छात्र परीक्षा में शामिल हुए जिनमें 38 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की जबकि 105 छात्रों ने 75 फीसदी से अधिक अंक अर्जित किए। बिड़ला विद्या मंदिर में शीर्ष सचान ने 97.6 प्रतिशत अंकों के साथ पहला, सार्थक पंत ने 97.4 प्रतिशत के साथ दूसरा और गौरवादित्य बिष्ट 97.2 के साथ विद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया। 112 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे जिसमें 35 छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए। मोहन लाल साह बाल विद्या मंदिर की वर्णिता पांडे 96.6 फीसदी अंकों के साथ विद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया। रोजम बी ने 96.4 के साथ दूसरा तथा भव्या बिष्ट 96 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया जबकि कविता भट्ट ने 95 प्रतिशत अंक हासिल किए। परीक्षा में 82 छात्राएं शामिल हुई थी सभी उत्तीर्ण हुई। सनवाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। प्रथम स्थान पर राशि राशि बाराकोटी 97.2 प्रतिशत के साथ विद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर आदर्श चौधरी 96.2 व तृतीय स्थान कार्तिक बिष्ट ने 98 प्रतिशत अंकों के साथ प्राप्त किया। परीक्षा में 42 विद्यार्थी शामिल हुए सभी उत्तीर्ण हुए। लॉन्गव्यू पबलिक स्कूल का परीक्षा परिणाम उत्कृट रहा तथा विद्यार्थियों ने उत्तम प्रदर्शन किया। विद्यालय में प्रथम स्थान केशव शर्मा ने 94.4 फीसदी, द्वितीय स्थान देवांश भ- ने 94 फीसदी तथा तृतीय स्थान गर्व रस्तोगी ने 91.4 फीसदी के साथ प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त काव्यांश ने 98.4 फीसदी, अर्जुन बिष्ट ने 88.8 फीसदी देवोजीत सिंह नेगी ने 88.2 फीसदी अंक प्राप्त किये। सेंट जेवियर स्कूल में लक्ष्य पांडे 85 प्रतिशत के साथ विद्यालय में पहला और अब्दुल अहमद ने 80 प्रतिशत अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। 14 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। सभी बच्चे उत्तीर्ण हुए। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा। जिसे

लेकर नगर के बिड़ला विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य अनिल शर्मा, मोहन लाल साह बाल विद्या मंदिर की अनुपमा साह, लौंग व्यू पब्लिक स्कूल के भुवन चन्द्र त्रिपाठी, सनवाल स्कूल की ए इमैन्युअल तथा पार्वती प्रेमा जगाती सरस्वती विहार दुर्गापुर के प्रधानाचार्य डा. सूर्य प्रकाश समेत नईम खान उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य को लेकर शुभकामना व्यक्त की है।

बिरला स्कूल के शीर्ष बनना चाहते हैं इंजीनियर

नैनीताल। बिरला विद्या मंदिर

नैनीताल के छात्र शीर्ष ने बताया कि 10वीं में उन्होंने 97.6 फीसदी अंक हासिल कर अपनी मेहनत का परचम लहराया है। बोले कि स्कूल में भी काफी मेहनत कराई जाती है। बोर्ड एग्जाम के बच्चों को अभी 11वीं की कक्षा में प्रवेश किया है जिसमें आगे इंजिनियर बनना चाहते हैं। बता दें शीर्ष कानपुर के रहने वाले हैं, वह अपनी सफलता का श्रेय अपने प्रिंसिपल तथा अध्यापक समेत परिजनों को देते हैं।

एकेडमिक शिक्षा बिरला की पहचान: शर्मा

नैनीताल। बिरला विद्या मंदिर नैनीताल के प्रधानाचार्य अनिल शर्मा

ने बताया कि स्कूल का रिजल्ट हमेशा ही शत प्रतिशत रहता है। बिरला विद्या मंदिर स्कूल हमेशा से एकेडमिक शिक्षा के लिए जाना गया है और अनुशासन के लिए प्रसिद्ध है, इससे पहले भी बच्चों ने एग्जाम में परचम लहराया हुआ है, शिक्षकों ने आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

नव प्रवेशित छात्रों का स्वागत समारोह

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नव प्रवेशित छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों और अभिभावकों को पूरे शैक्षिक सत्र के दौरान स्कूल द्वारा आयोजित किए जाने वाले शैक्षिक कार्यों और पाठ्य सहगामी कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी गई। बुधवार को समारोह का उद्घाटन प्रधानाचार्य डॉ. प्रवींद्र कुमार रौतेला ने दीप प्रज्वलित करके किया। इसके बाद उन्होंने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि स्कूल का उद्देश्य केवल शैक्षिक विषयों तक सीमित नहीं है। बल्कि स्कूल बच्चों के व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए विभिन्न सहगामी गतिविधियों का आयोजन करता है, जो समय के अनुरूप बच्चों के व्यक्तित्व को विकसित करने में मददगार साबित हो रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने-अपने विचार साझा किए। त्रिभुवन बिष्ट ने स्कूल सिनेमा के माध्यम से बच्चों के मानसिक विकास और कहानी कहने की कला पर प्रकाश डाला। कृतिका त्रिपाठी ने व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की, वहीं महेंद्र विक्रम साह ने फ्रेंच भाषा के महत्व को बताया और स्कूल द्वारा दी जा रही इस भाषा शिक्षा की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेल न केवल बच्चों के शारीरिक विकास के लिए जरूरी हैं, बल्कि उनके अनुशासन और समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में सुरेश चंद्र मिश्रा, महेश जोशी, प्रदीप मित्रा, सीमा परिहार, नीमा पांडेय, बीसी सती, तनुजा भट्ट, मंजू जोशी, कोमल बिष्ट, आईडी जोशी, केसी पंत, रुचिता पांडेय, सुनीता तिवारी सहित स्कूल के शिक्षक, अभिभावक और छात्र मौजूद रहे।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में सेंट एडम्स स्कूल गरुड़ के बच्चे अव्वल

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। जिले में सीबीएसई हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा का परिणाम बुधवार देर शाम घोषित कर दिया गया। परिणाम घोषित होते ही छात्रों और अभिभावकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस वर्ष जिले

के सेंट एडम्स पब्लिक स्कूल, गरुड़ के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिला टॉप किया। सेंट एडम्स पब्लिक स्कूल गरुड़ में कुल 70 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और विद्यालय का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय के छात्र राकेश पंत ने 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला और विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा नियति (96.6), यश मिश्रा (96.4), शिवांशी जोशी (94.8), हर्षिता (94.6) और रिया (94.4) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महर्षि विद्या मंदिर बिलोना का भी परिणाम शत-प्रतिशत रहा। यहां शौर्य प्रकाश और आरव कंबोज ने 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में संयुक्त रूप से टॉप किया। वहीं अक्षय, तनिष्क और तन्मय गाड़िया ने 97 प्रतिशत, अभिषेक ने 96 प्रतिशत तथा इशिका ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कंट्रीवाइड पब्लिक स्कूल बागेश्वर में 113 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी और सभी सफल रहे। विद्यालय के कृष्णा पंत ने 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वैदेही ने 97 प्रतिशत और आकाशीय पांडे ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। आनंदी एकेडमी बागेश्वर का परिणाम भी शत-प्रतिशत रहा। यहां हार्दिक तिवाड़ी ने 94.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉप किया। चेतना आर्या (93.4) और भूमिका पंत (90.8) ने भी शानदार प्रदर्शन किया। परिणाम घोषित होने के बाद देर रात तक छात्र-छात्राएं अपना रिजल्ट देखने में जुटे रहे। विद्यालयों में खुशी का माहौल रहा। सेंट एडम्स पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य रजिया सिद्दीकी, महर्षि विद्या मंदिर की प्रधानाचार्य रेखा धामी, कंट्रीवाइड पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य सुखविंद्र सिंह और आनंदी एकेडमी के प्रधानाचार्य गौरव पंत सहित प्रबंधक मनमोहन भाकुनी ने छात्रों को मिष्ठान खिलाकर बधाई दी। टॉप करने वाले विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और माता-पिता के सहयोग को दिया।

पंचायतों की मजबूती पर ब्लॉक प्रमुखों का मंथन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल जिले के भीमताल विकासखंड में जिले के आठों ब्लॉक प्रमुखों की बुधवार को एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक बैठक आयोजित की गई जिसमें ब्लॉक प्रमुख के संगठन की एकता, मजबूती तथा जनहित एवं विकास योजनाओं तथा पंचायतों को मजबूत करने पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बता दें बैठक का मुख्य उद्देश्य विकास कार्यों में पारदर्शिता, समन्वय एवं प्रभावशीलता तथा पंचायतों को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा। बैठक के दौरान क्षेत्र पंचायत समिति की बैठकों में जिलाधिकारी सहित अन्य जनपद के जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित कराने के विषय पर एक स्वर में गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। सभी ब्लॉक प्रमुखों ने एक स्वर में इस बात पर जोर दिया कि उच्चाधिकारियों की सहभागिता से विकास योजनाओं की गुणवत्ता में

सुधार होगा। तथा स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो सकेगा। प्रमुखों ने एक स्वर में यह भी निर्णय लिया ब्लॉक पर होने वाले अनावश्यक हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा साथ ही हस्तक्षेप करने वाले लोगों के खिलाफ भी एक जुटता के साथ संघर्ष किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ब्लॉक प्रमुख संगठन की कार्यकारिणी के गठन को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। संगठन को और अधिक सशक्त एवं संगठित बनाने के उद्देश्य से सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में कार्यकारिणी का विधिवत गठन किया जाएगा जिससे संगठनात्मक कार्यों में गति एवं प्रभावशीलता लाई जा सके। बैठक में उपस्थित सभी ब्लॉक प्रमुखों ने जनहित के मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा आपसी समन्वय बनाए रखने तथा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि भविष्य में इस प्रकार की बैठकों का नियमित आयोजन किया जाएगा जिससे विकास कार्यों की सतत समीक्षा एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। इससे पूर्व भीमताल आगमन पर ब्लॉक प्रमुख भीमताल डा. हरीश सिंह बिष्ट ने सभी का स्वागत किया। बैठक में प्रमुख हल्द्वानी मंजू गौड़, ओखलकांडा के डी रूवाली, रामनगर मंजू नेगी, कोटाबाग मनीषा जंतवाल, धारी भावना आर्य, बेतालघाट अंकित साह, रामगढ़ दीपक कुमार समेत ज्येष्ठ प्रमुख संजय नेगी तथा ज्येष्ठ प्रमुख उमेश पलड़िया मौजूद रहे।

औद्योगिक इकाइयों में अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान

नैनीताल। नैनीताल में अग्निशमन विभाग ने औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया। इस दौरान कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में बचाव और उपकरणों के सही उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। अग्निशमन अधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के तहत कर्मचारियों और स्टाफ को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें आग लगने की संभावित घटनाओं से बचाव के उपाय बताए गए। इस दौरान कर्मचारियों को अग्निशमन उपकरणों के सही प्रयोग और संचालन की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई और सुरक्षित निकासी के तरीकों का भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

महिषासुर का वध नारी शक्ति की सर्वोच्चता: कृष्णानंद शास्त्री

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बिठौरिया नम्बर-1 स्थित शिवकाली धाम मन्दिर में श्रीमद् देवी भागवत ज्ञान कथा के आठवें दिन ब्यास आचार्य कृष्णानंद शास्त्री ने आदिशक्ति द्वारा अहंकार रुपी महिषासुर नामक असुर के वध का वर्णन किया।

व्यास जी ने कहा कि महिषासुर का वध नारी शक्ति की सर्वोच्चता को परिलक्षित करता है। इससे पूर्व बुधवार की सुबह आचार्य हरि ओम जोशी, दीप चन्द्र जोशी एवं धीरज पाण्डे ने मन्त्रोचारण के साथ मंडप प्रवेश, गणेश पूजन एवं नित्य पूजन कराया। मुख्य यजमान सुरेन्द्र सिंह बिष्ट सह यजमान गौरव बिष्ट थे। संगीत मण्डली में मोहित, दीपक, नीरज एव रमेश थे। इस मौके पर

विधायक बंशीधर भगत ने ब्यास जी का माल्यार्पण कर उनका आशीर्वाद लिया। ब्यास जी ने विधायक बंशीधर भगत सहित वरिष्ठ भाजपा नेता मनोज पाठक, राज्य आन्दोलनकारी ललित जोशी, नीरज तिवारी, वरिष्ठ नागरिक जनकल्याण समिति के संयुक्त मंत्री डीके पन्त, भारत विकास परिषद से राजेश अग्रवाल, दीपक माहेश्वरी आदि गणमान्य लोगो को अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। मन्दिर समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह बिष्ट, सचिव दीपक बिष्ट, कोषाध्यक्ष केसी त्रिपाठी, देवकी बिहार विकास समिति के अध्यक्ष रमेश चन्द्र पाण्डे, हिम्मत सिंह बिष्ट, गोपाल सिंह डसीला, डीके अधिकारी का सहयोग रहा।

लखनऊ ने बेंगलुरु को जीत के लिए 147 रन का टारगेट दिया

बेंगलुरु। लखनऊ सुपर जायंट्स (एसएसजी) ने आईपीएल-19 के 23वें मैच में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 147 रन का टारगेट दिया है। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ 20 ओवर में 146 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में बेंगलुरु ने एक ओवर में बिना नुकसान के 6 रन बना लिए हैं। फिल साल्ट और इम्पैक्ट प्लेयर विराट कोहली क्रीज पर हैं।

ओपनर मिचेल मार्श ने 40, मुकुल चौधरी ने 39 और आयुष बडोनी ने 38 रन की पारी खेली। रसिख सलाम ने 4 विकेट झटके। जबकि भुवनेश्वर कुमार को 3 विकेट मिले। क्रुणाल पंडड़ा ने 2 विकेट झटके। जोश हेजलवुड को एक विकेट मिला। विराट कोहली इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे हैं। वे पहली बार इस रोल में नजर आए हैं। कोहली को सुयश शर्मा की जगह मैदान पर ला गया। 20वें ओवर में रसिख सलाम ने दो विकेट झटके। उन्होंने मुकुल चौधरी और आवेश खान को बोल्ड कर दिया। इस तरह लखनऊ की टीम 20 ओवर में 146 रन पर आलआउट हो गई। मुकुल ने 39 रन बनाए। 19वें ओवर की पहली बाल पर जार्ज लिंडे को जीवनदान मिला। यहां रोमारियो शेफर्ड से कैच ड्राप हो गया। हालांकि, वे इसका फायदा नहीं उठा सके। वे तीसरी बाल पर टिम डेविड को कैच थमा बैठे। अगली ही बाल पर भुवी ने मोहम्मद शमी को बोल्ड कर दिया, लेकिन हैट्रिक नहीं ले सके। आवेश ने बाल को लान्ग आन पर खेल दिया। 17वें ओवर में लखनऊ ने छठा विकेट गंवा दिया। ओवर की पांचवीं बाल भुवनेश्र कुमार ने लो फुल टास फेंकी। ऋषभ पंत ने फ्लिक किया, लेकिन गेंद हवा में खड़ी हो गई। फिल साल्ट ने आगे की ओर डाइव लगाई और बेहतरीन कैच पकड़ लिया। पंत 1 रन ही बना सके। 16वें ओवर में लखनऊ ने पांचवां विकेट गंवा दिया। ओवर की पांचवीं बाल रसिख सलाम ने स्लोअर बाउंसर फेंकी। आयुष बडोनी ने शाट खेला, लेकिन काट बिहाइंड हो गए। बडोनी ने 38 रन बनाए। बडोनी के बाद ;षभ पंत बैटिंग करने आए। वे पावरप्ले में रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। पहली पारी में 5 ओवर का खेल बाकी है। टीम ने 83 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए थे, यहां से मुकुल चौधरी और आयुष बडोनी ने टीम को संभाल लिया।

पर्पल कैप तालिका: कम्बोज -प्रसिद्ध संयुक्त रूप से शीर्ष पर

चेन्नई। दे दनादन क्रिकेट इंडियन प्रमियर लीग (आईपीएल) 2026 जैसे -जैसे आगे बढ़ता जा रहा है अब हर दिन पर्पल और ऑरेंज कैप तालिका में बदलाव हो रहे है।

इसी क्रम में मंगलवार को चेन्नई सुपर किग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मुकाबले के बाद अंशुल कम्बोज और प्रसिद्ध कृष्णा पर्पल कैप तालिका में संयुक्त रुप से शीर्ष पर पहुंच गए है। सीएसके के मध्यम तेज गें. दबाज अंशुल कम्बोज अब तक एक भी मैच ऐसा नहीं खेले हैं जिसमें उन्हें विकेट न मिला हो। पांच मैचों में सिर्फ एक बार ऐसा हुआ जब वे दो या उससे अधिक विकेट नहीं ले सके। एमए चिदब. रम स्टेडियम में खेले कल खेले गए मुकाबले में कम्बोज ने केकेआर के खिलाफ 32 रन देकर

2 विकेट झटके इसी के साथ उनके इस सीजन में कुल 10 विकेट हो गए। अब वे प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात टाइटंस) के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर पहुंच गए हैं। हालांकि बेहतर इकॉनमी रेट के चलते पर्पल कैप अभी भी कृष्णा के पास ही है। इस तालिका में रवि बिश्नोई द्धराजस्थान रॉयल्सऋ नौ विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। उनके बाद जोफा आर्चर सात विकेट के साथ चौथे नंबर पर हैं। इसके बाद तीन गेंदबाज छह-छह विकेट के साथ मौजूद हैं, प्रिंस यादव (लखनऊ सुपर जायंट्स), जैकब डफी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) और केकेआर के वैभव अरोड़ा, जिन्होंने सीएसके के खिलाफ एक विकेट हासिल किया। ऑरेंज कैप तालिका में शीर्ष पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। हाइनरिक् क्लासन (224 रन) और इशान किशन (213 रन) अब भी पहले और दूसरे स्थान पर हैं। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी 200 रन के साथ तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। अभी तक केवल यही तीन बल्लेबाज 200 या उससे ज्यादा रन तक पहुंच सके हैं। उनके बाद चौथे नंबर पर आरसीबी के रजत पाटीदार 195 रन के साथ हैं। वहीं पांचवें नंबर पर एक नया नाम जुड़ा है।

महाराष्ट्र की पहली निशानेबाजी लीग पुणे में 17 से होगी शुरू

पुणे। महाराष्ट्र की पहली निशानेबाजी लीग 17 से 19 अप्रैल तक पुणे के अमनोरा पार्क स्थित छत्रगुंज नर्स स्कूल में आयोजित की जाएगी महाराष्ट्र राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'शूटिंग लीग ऑफ महाराष्ट्र', राज्य स्तर पर 'शूटिंग लीग ऑफ इंडिया' इकोसिस्टम की दिशा में एक अहम कदम है। हाल ही में 'शूटिंग लीग ऑफ कर्नाटक' की सफल शुरुआत के बाद, महाराष्ट्र संस्करण इस खेल के लिए एक प्रतिस्पर्धी लीग ढांचा तैयार करने की, पूरे भारत में लागू की जा रही रणनीति का अगला चरण है। महाराष्ट्र में इस खेल के इतिहास में पहली बार टीमों पर आधारित प्रारूप अपनाया जाएगा।

धीमी ओवर गति के लिए अजिंक्य रहाणे पर 12 लाख रुपये का जुर्माना

चेन्नई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर चेन्नई सुपर किग्स के खिलाफ खेले गए मुक. ाबले में धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल के एक बयान के अनुसार, चूंकि आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2-22 के तहत यह उनकी टीम का इस सीजन का पहला अपराध था ,जो धीमी ओवर गति से संबंधित है। इसलिए रहाणे पर 12 लाख जुर्माना लगा। आईपीएल के इस 22वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स को 32 रनों से हरा दिया। मेजबान टीम ने पांच विकेट पर 192 रनों के चुनौतीपूर्ण स्कोर का सफल बचाव किया। उन्होंने बेहतरीन स्पिन गेंदबाजी के दम पर केकेआर के लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश को रोक दिया।

निडर पंजाब के खिलाफ मुंबई को दिखाना होगा दमखम

मुंबई। वानखेड़े में मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स का मैच सिर्फ एक और आईपीएल मैच नहीं है। यह ऐसी शाम है जब रेप्युटेशन डगमगाती है और कॉन्फिडेंस बढ़ता है, और इंडियन क्रिकेट की पुरानी आदतें मानसून के जिद्दी गढ्ढों की तरह सतह पर लौट आती हैं।

पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस यहां ऐसे पहुंचती है जैसे कोई हैवीवेट बॉक्सर अचानक अपने पैरों पर खड़ा न हो। लगातार तीन हार ने उन्हें खतरनाक फिनिशर से बेचैन सर्वाइवर बना दिया है और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से तीसरी हार के बाद, कप्तान हार्दिक पांड्या ने अप्रोच में बदलाव की बात कही है, यह मानते हुए कि फॉर्म से कहीं गहरी चीज को ठीक करने की जरूरत है। यह टैक्टिकल एडजस्टमेंट कम और चुपचाप यह मानना ज्यादा है कि मशीन खराब हो रही है। हार्दिक अब खुद को एक ऐसी बॉलिंग यूनिट को एक साथ रखने की कोशिश करते हुए पाते हैं जो लीक करती है और जंग लगी बाल्टी की तरह चलती है। चिंता सिर्फ हार की नहीं है, बल्कि उसके तरीके की है-अचानक गिरने के बजाय धीरे-धीरे खत्म होना, और एक लीडरशिप ग्रुप जानी-पहचानी जगहों पर जवाब ढूंढ रहा है। सबसे ऊपर रोहित शर्मा हैं, जो अभी भी शानदार हैं, अभी भी खतरनाक हैं, उन्होंने चार मैचों में 137 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट बताता है कि पुरानी आदत अभी भी कायम है। उनके साथ, रयान रिकेल्टन ने आक्रामक शुरुआत करके उम्मीद दिखाई है, जबकि सूर्यकुमार यादव, जो शायद उन सभी में सबसे टैलेंटेड हैं, इस सीजन में अजीब तरह से संयमित हैं, जैसे कि धमाका करने की इजाजत का इंतजार कर रहे हों। तिलक वर्मा पर भी उम्मीदों का बोझ है, एक ऐसे युवा से कहा गया है जो तूफानों का

मजा लेने के बजाय उन्हें शांत करे। हार्दिक खुद हर जगह और कहीं नहीं हैं, एक पल शेरफेन रदरफोर्ड की आतिशबाजी के साथ पारी खत्म करते हैं, और फिर अगले ही पल एक ऐसे बॉलिंग अटैक को संभालने के लिए लौट आते हैं जो उनकी बात मानने से इन्कार कर देता है। मिचेल सेंटनर कंट्रोल तो करते हैं लेकिन डराते नहीं हैं। नमन धीर और शार्दुल ठाकुर से उम्मीद है कि वे कमियों को पूरा करेंगे, लेकिन कमियां बहुत ज्यादा हैं। मयंक मार्कंडे बीच के ओवरों में पक्का करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वानखेड़े ऐसे इरादों के लिए शायद ही कभी मेहरबान होते हैं। और फिर जसप्रीत बुमराह हैं। एक ऐसा नाम जिसने कभी बल्लेबाजों को डराकर रक्षात्मक चुप्पी साध ली थी, अब खुद को असहज जांच के दायरे में पाता है, चार मैचों में कोई विकेट नहीं, एक ऐसा आंकड़ा जो लगभग अस्वाभाविक लगता है। ट्रेंट बोल्ट भी नई गेंद से महंगे रहे हैं, जबकि व्यापक आक्रमण लय खोजने के लिए संघर्ष करता रहा है। पिच पर पंजाब किंग्स खड़ी है, एक ऐसी टीम जो वर्तमान में ऐसा व्यवहार कर रही है जैसे उसने कोई ऐसा रहस्य खोज लिया हो जिसे लीग के बाकी खिलाड़ी भूल गए हैं। श्रेयस अय्यर शांत अधिकार के साथ उनका नेतृत्व करते हैं, जो हाल ही में उनकी बढ़त में पहले ही 69 रन के एंकर हैं। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह बल्लेबाज कम, विध्वंसक दल ज्यादा रहे हैं - एक ने 20 गेंदों पर 57 रन बनाए, दूसरे ने 25 गेंदों पर 51 रन बनाए, जिससे पावरप्ले सार्वजनिक चेतावनी में बदल गए। कूपर कोनोली और नेहाल वढेरा स्थिरता प्रदान करते हैं जेवियर बार्टलेट और विजयकुमार वैशाख पेस और डिसिप्लिन देते हैं, जबकि अर्शदीप सिंह, कभी -कभी लीकेज के बावजूद, नई बॉल से उनके स्ट्राइक की उम्मीद बने हुए हैं। युजवेंद्र चहल, पुराने जादूगर, बैटर्स के उन्हें एक बार गलत समझने का इंतजार करते हैं-और फिर दो बार। वानखेड़े की पिच, किसी नेता के वादे की तरह सपाट, तबाही को न्योता देती है। पहली इनिग्स का एवरेज स्कोर लगभग 185 है और चेज करने वाली टीमें पिछले आठ में से पांच गेम जीत रही हैं, टॉस होने पर ऐसा लगता है जैसे आधा मैच पहले ही तय हो चुका है। धूप, पसीना और 30 सेल्सियस में पूरी तरह बैटिंग का मजा लें। और इसलिए कहानी और तीखी हो जाती है: मुंबई इंडियंस, न सिर्फ़ आउट ऑफ़ फ़ॉर्म है बल्कि खुले तौर पर अपनी पहचान बदलने के बारे में सोच रही है, बनाम पंजाब किंग्स, एक ऐसी टीम जो बेफ़िक्र होकर खेल रही है जैसे उसे लगता है कि अभी का उस पर कोई एहसान नहीं है। एक टीम सीजन के बीच में खुद को फिर से बनाने की कोशिश कर रही हैद्ध दूसरी टीम इससे होने वाली तबाही का मजा ले रही है।

महात्रे के मुरीद हुए ब्रेविस

चेन्नई। चेन्नई सुपर किग्स ने टाटा आईपीएल 2026 में लगातार दो जीत दर्ज कीं, और कोलकाता नाइट राइडर्स को 32 रन से आसानी से हरा दिया।

सीएसके के डेवाल्ड ब्रेविस ने जियोस्टार एक्सपर्ट रविचंद्रन अश्विन और डेल स्टेन के साथ मिलकर आयुष म्हात्रे के धमाक. ेदार प्रदर्शन, कैप्टन रुतुराज गायकवाड़ के फॉर्म और क्या केकेआर में वापसी करने की काबिलियत है, इस पर अपने विचार साझा किए। ब्रेविस ने कहा, ष्यह मजेदार था, मैंने इसका मजा लिया। यहां भीड़ के सामने होना बहुत अच्छा था, बहुत खास। और हां, बस विकेट को जानने में समय बिताया। यह पिछली रात की तुलना में थोड़ा अलग था, लेकिन हां, बहुत मजा आया। मैदान पर डाइव लगाना, बल्ले से अच्छा स्विग करना और बस उसे महसूस करना बहुत अच्छा था। ऐसा लगता है कि मेरा थोड़ा कॉन्फिडेंस बढ़ गया है क्योंकि

साइड स्ट्रेन के कारण बाहर रहना अच्छा नहीं था। लेकिन हां, मैं मजबूत महसूस कर रहा हूं और मुझे खुशी है कि हम जीत गए।ष टीम में साथी 'निडर खिलाड़ी' आयुष म्हात्रे के बारे में उन्होंने कहा, ष्म्हात्रे खास हैं, वह युवा हैं और जिस तरह से खेलते हैं, वैसे ही खेलते हैं। मेरी उनसे यही इच्छा है कि वह खुद के प्रति सच्चे रहें, मजे करें और चाहे कुछ भी हो जाए, ऐसे ही खेलें। आपके करियर में उतार-चढ़ाव आएंगे, लेकिन यह देखना शानदार है कि वह कैसे खेलते हैं। वह असल में बॉल-बाय-बॉल खेलते हैं, रिएक्ट करते हैं और उसे वहीं मारते हैं जहां उसे जाना चाहिए।ष रविचंद्रन अश्विन को उम्मीद है कि सीएसके के कैप्टन रुतुराज गायकवाड़ जल्द ही फॉर्म में आ जाएंगे उन्होंने कहा, ष्कप्तान के तौर पर उन्हें कुछ जीत मिली हैं, इससे उन्हें इस टूर्नामेंट में सच में आसानी होनी चाहिए। सच कहूं तो, अगर मैं डगआउट में बैठा होता या रुतुराज गायकवाड़ होता, तो मुझे ज्यादा परेशानी नहीं होती। टी 20 एक ऐसा गेम है जहां आपको लगातार इंटेंट दिखाना होता हैद्ध बस एक छोटी सी चीज है जो मैं चाहूंगा। अगर आप आयुष म्हात्रे या संजू सैमसन को देखें, तो उन्होंने ग्राउंड में जाकर सही ऑप्शन चुने। जबकि रुतुराज थोड़ा ज्यादा लाइन के पार जा रहे हैं और जल्दी कैच आउट हो रहे हैं। अगर वह अपनी इनिग्स की शुरुआत में थोड़ा आराम से खेलते, बॉल को टाइम करते, और ज्यादा डाउन ग्राउंड में खेलते तो यह उनके लिए अच्छा होता।

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(पूर्वा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
SAI

Room No. 210, SAI-Head Office Building, SAI-Headquarter,
Jawaharlal Nehru Stadium Complex (East Gate-No. 10)
Lodhi Road, New Delhi-110003

फाइल क्रमांक: 01-04001(01)/1/2026-66/150 दिनांक: 30.01.2026

अधिसूचना

भारतीय खेल प्राधिकरण नियमित आधार पर प्रदर्शन विश्लेषक के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है

भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) 7वें सीपीसी के वेतनमान-6 (₹35400-₹112400/-) में 7 खेल विज्ञान विषयों में प्रदर्शन विश्लेषक के 48 पदों (सीधी भर्ती) के लिए पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित करता है।

उक्त पद का विवरण और अन्य प्रासंगिक जानकारी एसएआई की वेबसाइट https://sportsauthorityofindia.nic.in पर उपलब्ध है।

उपनिर्देशक (DEPUTY DIRECTOR)
मानव संसाधन प्रभाग - II (HUMAN RESOURCES DIVISION -II)
भारखेप्रा मुख्य कार्यालय (SAI HEAD OFFICE)

cbc 47103/12/0002/2627

केवीएस कास्टिंग्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: विलेज- गिरधियाई एवं बाघलवाला, अलीगंज रोड,
तहसील- काशीपुर- 244713, यू.एस. नगर (उत्तराखंड)
सीआईएन: L27100UR2019PLC012217
संपर्क नंबर: 91-7535910007 | ईमेल आईडी: cs.kcpl@kvspremier.com

डाक मतपत्र की सूचना

एतद्वारा केवीएस कास्टिंग्स लिमिटेड (जिसे पहले केवीएस कास्टिंग प्राइवेट लिमिटेड के रूप में जाना जाता था) ["कंपनी"] के सदस्यों को कंपनी अधिनियम, 2013 ["अधिनियम"] की धारा 108, 110 और अन्य सभी लागू प्रावधानों, कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम, 2014 ["नियम"] के नियम 20, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं] विनियम, 2015 ["एसईबीआई सूचीकरण विनियम"] के विनियम 44, भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी आम बैठकों पर सचिवीय मानक ["एसएस-2"] और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रलय ["एमसीए"] द्वारा जारी विभिन्न सामान्य परिपत्रों ["परिपत्र"] के माध्यम से केवल रिमोट ई-मतदान प्रक्रिया ["रिमोट ई-मतदान"] के माध्यम से डाक मतपत्र आयोजित करने के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों, जिनमें कोई भी वैधानिक संशोधन या परिवर्तन शामिल हैं, के अनुसार सूचित किया जाता है। या इसके किसी भी पुन: अधिनियमन के लिए जो उस समय लागू हो, और कंपनी के सदस्यों से निम्नलिखित विशेष प्रस्ताव के लिए अनुमोदन मांगा जा रहा है:

a) श्री जसविंदर सिंह अहलूवालिया (डीआईएन: 03311764) को कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में लगातार 5 वर्षों के दूसरे कार्यकाल के लिए पुन: नियुक्त किया जाता है।

कंपनी आज, 16 अप्रैल, 2026 को डाक मतपत्र सूचना का प्रेषण केवल इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से उन सदस्यों को भेजेगी जिनके नाम सदस्य रजिस्टर में दर्ज हैं और जिनके ईमेल आईडी कंपनी/स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ["आरटीए"] डिपॉजिटरी में बुधवार, 15 अप्रैल, 2026 ["कट-ऑफ तिथि"] तक पंजीकृत हैं।
डाक मतपत्र सूचना की कॉपी कंपनी की वेबसाइट https://kvscastings.com/, स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bseindia.com, कंपनी के आरटीए https://www.skylinerta.com/ और एनएसडीएल की वेबसाइट www.evoting.nsdl.com पर भी उपलब्ध होगी। यह सूचना सदस्यों से डाक मतपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।
एमसीए परिपत्रों के प्रावधानों के अनुसार, इस डाक मतपत्र के लिए सदस्यों को सूचना की भौतिक प्रति, डाक मतपत्र प्रपत्र और पूर्व भुगतान किए गए व्यावसायिक उत्तर लिफाफे नहीं भेजे जाते हैं और सदस्य ई-वोटिंग के माध्यम से मतदान कर सकते हैं।
कंपनी ने एनएसडीएल ई-वोटिंग सिस्टम की सेवाएं ली हैं, जिससे सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से और सुरक्षित तरीके से अपना वोट डालने की सुविधा मिलती है।
ई-वोटिंग के लिए निर्देश: इलेक्ट्रॉनिक रूप में इक्विटी शेयर रखने वाले उन सदस्यों के लिए रिमोट ई-वोटिंग की विस्तृत प्रक्रिया और निर्देश, जिनमें लॉगिन क्रेडेंशियल भी शामिल हैं, जिन्होंने अपना ई-मेल पता आरटीए या अपने संबंधित डीपी के साथ पंजीकृत नहीं कराया है, इस सूचना का हिस्सा हैं। ई-वोटिंग सुविधा से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण विवरण नीचे दिए गए हैं:

मतदान के पात्र सदस्यों को निर्धारित करने की अंतिम तिथि	बुधवार, 15 अप्रैल, 2026
ई-वोटिंग अवधि का प्रारंभ	शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026 को सुबह 9:00 बजे (भारतीय समयानुसार)
ई-वोटिंग अवधि की समाप्ति	शनिवार, 16 मई, 2026 को शाम 5:00 बजे (भारतीय समयानुसार)
ई-वोटिंग इवेंट नंबर ("EVEN")	139117

सदस्यों से अनुरोध है कि वे इस सूचना में दिए गए ई-वोटिंग संबंधी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और शनिवार, 16 मई, 2026 को शाम 5:00 बजे (IST) तक रिमोट ई-वोटिंग प्रक्रिया के माध्यम से अपनी सहमति ("पक्ष में") या असहमति ("विपक्ष में") दर्ज करें।
मतदान का अधिकार सदस्यों के नाम पर पंजीकृत शेयरों के भुगतान किए गए मूल्य के आधार पर निर्धारित किया जाएगा, जो कट-ऑफ तिथि (15 अप्रैल, 2026) तक मान्य होगा। जो व्यक्ति कट-ऑफ तिथि तक सदस्य नहीं है, उसे यह सूचना केवल सूचना के उद्देश्य से ही समझनी चाहिए। एक बार किसी सदस्य द्वारा प्रस्ताव पर मतदान कर दिया जाए, तो वह बाद में अपना मत नहीं बदल सकेगा।
जिन सदस्यों ने अपने ईमेल पते अपडेट नहीं किए हैं, उनसे अनुरोध है कि वे अपने डिपॉजिटरी भागीदार के माध्यम से डिपॉजिटरी के पास अपने द्वारा धारित शेयरों के संबंध में ईमेल पते को इलेक्ट्रॉनिक रूप में पंजीकृत कराएं।
निदेशक मंडल ने डाक मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए मेसर्स निशी एंड एसोसिएट्स, कंपनी सेक्रेटरीज को जांचकर्ता नियुक्त किया है।
यदि प्रस्ताव अपेक्षित बहुमत से पारित हो जाते हैं, तो उन्हें शनिवार, 16 मई, 2026 को शाम 5:00 बजे (IST) यानी रिमोट ई-मतदान प्रक्रिया की अंतिम तिथि को पारित मान लिया जाएगा। डाक मतपत्र [रिमोट ई-मतदान प्रक्रिया के माध्यम से] के माध्यम से हुए मतदान के परिणाम, जांचकर्ता की रिपोर्ट सहित, सोमवार, 18 मई, 2026 को या उससे पहले घोषित किए जाएंगे। इन्हें कंपनी की वेबसाइट https://kvscastings.com, NSDL की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा और साथ ही BSE को भी सूचित किया जाएगा, जहां कंपनी के शेयर सूचीबद्ध हैं और इसकी वेबसाइट www.bseindiacom पर भी उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, परिणाम कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के सूचना बोर्ड पर भी प्रदर्शित किए जाएंगे।
किसी भी प्रश्न के लिए, आप शेयरधारकों के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs) और ई-वोटिंग उपयोगकर्ता मैनुअल देख सकते हैं, जो www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड सेक्शन में उपलब्ध हैं। आप 022-48867000 पर कॉल कर सकते हैं या सुश्री पल्लवी म्हात्रे, वरिष्ठ प्रबंधक को evoting@nsdl.com पर अनुरोध भेज सकते हैं। सदस्यों से अनुरोध है कि वे सूचना में दिए गए सभी नोट्स और विशेष रूप से रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से वोट डालने के तरीके को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

केवीएस कास्टिंग्स लिमिटेड के लिए
हस्ताक्षर/-
(श्वेता मेहरोत्रा)
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
सदस्यता संख्या: A23938

दिनांक: 15/04/2026
स्थान: काशीपुर

कार्यालय नगरपालिका परिषद, रामनगर (नैनीताल)।

पत्रांक: 960/05-कर अनु0/2026-27 दिनांक: 10/04/2026

सार्वजनिक सूचना

पालिका मासिक बैठक दिनांक 17-02-2026 के प्रस्ताव सं0 08 के अनुसार ठेका प्रवेश शुल्क के नाम को संशोधित कर ठेका पार्किंग/मोटर अड्डा शुल्क किये जाने की स्वीकृति के अनुसार नगरपालिका परिषद रामनगर जिला नैनीताल की सीमान्तर्गत उत्तरप्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1916 (यथाप्रवृत्त उत्तराखण्ड) की धारा 128 तथा 298 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारो का प्रयोग करते हुए वर्तमान उपविधि 12 जुलाई 2025 में वर्णित नाम को पुन: संशोधित करने हेतु उक्त एक्ट की धारा 301 (02) के प्रयोजनार्थ प्रकाशित की जाती है, यदि किसी व्यक्ति को वर्णित संशोधन पर किसी भी प्रकार की आपत्ति/सुझाव हो तो सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर कार्यालय नगरपालिका परिषद रामनगर में अपनी लिखित आपत्ति दर्ज करा सकता है, निर्धारित अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

उपविधि के नाम में संशोधन
स्तम्भ 1 के स्थान पर स्तम्भ 2 पढ़ा जाये

क्रम सं0	स्तम्भ-1	स्तम्भ-2
01	ठेका प्रवेश शुल्क	ठेका पार्किंग /मोटर अड्डा शुल्क

अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका परिषद, रामनगर।

अध्यक्ष
नगरपालिका परिषद, रामनगर।

क्या ग्रीन को ड्राप करना एक ऑप्शन है: फिंच

चेन्नई। पांच गेम एक भी जीत नहीं। एक मैच बारिश की वजह से रद्द हो जाने से एक पॉइंट। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच को छोड़कर, जो आखिरी बॉल तक चला, कोलक. ाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ऐसा नहीं लग रहा था कि वे आईपीएल 2026 में अपने कोई और मैच जीतेंगे।

उनका पेस अटैक कमजोर हो गया है। उनके दो मेन स्पिनर में से एक आउट ऑफ फॉर्म है। उनकी बैटिंग में फायरपावर नहीं दिखता। और, जैसा कि आरोन फिंच ने कहा, मंगलवार रात चेन्नई सुपर किग्स के खिलाफ उनकी कुछ टैक्टिक्स बहुत शक वाली थीं, भले ही सुनील नारायण के साथ बैटिंग ओपनिंग करने से पर्दे के पीछे कुछ सोच का पता चलता हो। लेकिन अगर यह जीत के लिए 193 रन के टारगेट पर होने और एक पॉजिटिव कदम के जवाब में था, तो अजिक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने अपनी पार्टनरशिप में - 31 गेंदों में 50 रन - बहुत कम हिम्मत दिखाई। गेम के बाद ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइम आउट शो में फिच ने कहा, ष्निश्चित रूप से यह अच्छा नहीं था। केकेआर के बारे में बहुत सारे सवाल हैं, खासकर उस रन चेज में। उनकी कुछ टैक्टिक्स पर बहुत शक था।

हमने सुनील नारायण को टॉप ऑर्डर में भेजने के फैसले की तारीफ की। आज यह काम नहीं आया (17 गेंदों में 24 रन), लेकिन यह कुछ अलग था। कम से कम उन्होंने कोशिश तो की।,लेकिन कुछ दूसरे फैसले थोड़े अजीब थे। और वे कभी भी दौड़ में नहीं थे। हमने रहाणे और रघुवंशी के साथ बैटिंग करने के बारे में बात की, कि यह कितना रुकावट डालने वाला फैक्टर हो सकता है। और उनकी पार्टनरशिप

हमने रहाणे और रघुवंशी के साथ बैटिंग के बारे में बात की, यह कितना रुकावट डालने वाला फैक्टर हो सकता है

खराब नहीं थी, लेकिन उस पार्टनरशिप में अभी भी कोई फ़र्क नहीं है। वे बॉलिंग नहीं लेते। वे उस पॉइंट पर नहीं पहुंचते जहां विरोधी टीम के कप्तान को अपनी टीम में बदलाव के बारे में कोई सीरियस फ़ैसला लेना पड़े।ष केकेआर के बॉलिंग कोच टिम साउदी ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ष्जाहिर है कि आईपीएल में कोलकाता के लिए बैटिंग में उन्हें काफ़ी सफलता मिली है, इसलिए मुझे लगता है कि हमारे पास टॉप ऑर्डर में बहुत सारे ऑप्शन हैं, और फिर हमने सोचा कि हम इस गेम में कुछ अलग ट्राई करेंगे। मुझे लगता है, जाहिर है जब आप हार रहे होते हैं, तो आप कई अलग-अलग ऑप्शन देख सकते हैं। और हां, मुझे लगता है कि आईपीएल की यही खूबसूरती है, अपनी टीम की गहराई को परखना।

मंगलवार को, केकेआर ने नारायण और फिन एलन के साथ ओपनिंग की। एलन ने 1 रन बनाया। अब उनके स्कोर 37, 28, 6, 9 और 1 हैं। कैमरन ग्रीन, जिन्होंने इस गेम में नंबर 6 पर बैटिंग की, इस सीजन में लगातार दो गेम में एक ही जगह पर बैटिंग नहीं की है, और उनके स्कोर 18, 2, 4, 32[और 0 हैं। उनके पास बेंच पर टिम सीफर्ट हैं - साथ ही रचिन रवींद्र भी, जो ज्यादा फायरपावर का वादा नहीं करते हैं - लेकिन वह किसे रिप्लेस करेंगे? फिच ने कहा, ष्जब आपके पास डगआउट में इतना अनुभव होता है, तो आपको लगता है कि वे कम से कम सही समय पर सही फैसले तो लेंगे।

कैमरन ग्रीन के लिए नंबर 6 पर बैटिंग करना, उनके लिए एक अजीब पोजिशन है। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने टी 20 क्रिकेट में ऐसा बहुत ज्यादा किया है। उन्होंने नहीं किया है। ग्रीन ने टी20 में 68 बार बैटिंग की है, जिसमें से उन्होंने सिर्फ़ नौ बार उस नंबर पर बैटिंग की है। आखिरी बार 2024 में था। लेकिन ग्रीन को ऑक्शन में 25-20 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। वह आउट ऑफ़ टच हैं, लेकिन क्या उन्हें ड्रॉप करना भी एक ऑप्शन है? कोलकाता के पास सोचने के लिए 48 घंटे हैं क्योंकि उनका अगला मैच शुक्रवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ है।

गुडवर्क : लक्सर पुलिस ने किया भोगपुर के ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा

मंदिर में चोरी का विरोध करने पर की सेवादार की हत्या

पकड़े जाने के खौफ से शहर छोड़ कर भागने की फिराक में था हत्यारोपी

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर कोतवाली पुलिस ने भोगपुर मंदिर के सेवादार ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा करते हुए हत्यारोंपी को गिरफ्तार कर उसकी निशान देही पर हत्या में प्रयुक्त हथोड़ा व चुराए गए एमप्लीफायर क बैटरी भी बरामद कर ली है पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशे की हालत में था और मंदिर में चोरी का प्लान किया था पुजारी के विरोध करने पर उसको हथौड़े से वार कर के मौत के घाट उतार कर फरार हो गया और अब पुलिस के पकड़े जाने की दर से वह भागने की फिराक में था।

एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि 12 अप्रैल को कोतवाली लक्सर के भोगपुर स्थित मंदिर में कार्य करने वाले राजवीर की किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या कर दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस टीम व फील्ड यूनिट टीम ने मौके पर मौजूद वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए तथा घटनास्थल का मुआयना किया। इस दौरान एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल द्वारा भी मौका मुआयना किया गया। प्रकरण के संबंध में कोतवाली लक्सर पर अज्ञातके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया। इसके साथ ही घटनास्थल के पास ही स्थित अन्य मन्दिर सेचोरी करने पर भी मुकदमा पंजीकृत किया गया। धार्मिक स्थल पर हत्या व चोरी के इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी नवनीत सिंह द्वारा लक्सर के नेतृत्व में गठित

पुलिस टीम कर घटना के अनावरण व अज्ञात आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजने के सुस्पष्ट निर्देश जारी किए गए। पड़ताल में जुटी पुलिस टीम ने बारीकी से सभी सबूतों की पड़ताल करत हुए तकनीकी व मैनुअल पुलिसिंग की मदद से आस-पास के दो मन्दिरो में हुई घटना की कड़ी से कड़ी जोड़कर अलग-अलग क्षेत्र में मुखबिर तंत्र को एक्टिव किया तथा निरंतर प्रयासों के पश्चात दिनांक 14.04.2026 को भागने की फिराक में तैयार घटना के एक

- ❖ भोगपुर में बुजुर्ग के सिर पर हथोड़ी से वार कर अज्ञात लोगों ने किया था कत्ल
- ❖ हत्या/चोरी में इस्तेमाल हथोड़ा, पेचकश तथा चुराया गया एम्प्लीफायर व इन्वर्टर बरामद
- ❖आरोपी ने शराब के नशे में दिया था वारदात को अंजाम, अब करेगा हवालात की सैर

संभावित संदिग्ध को दबोचकर उसके कब्जे से हथोड़ी, पेचकस व मन्दिर से चोरी किये इन्वर्टर तथा एम्पलिफायर बरामद किए। 'पूछताछ में हकीकत आयी सामने-पकड़ में आए मेरठ निवासी संदिग्ध से पूछताछ में सामने आया कि वह पेशे पेशे से ड्राईवर है और शराब पीने का आदी है। दिनांक 11.04.26 के आरोपी अपने मुज्जफरनगर स्थित किराये के मकान से काम की तलाश में कनखल में ट्रेवल एजेंट के पास आया और शाम को भोगपुर में शिव मन्दिर के निकट रहने वाली अपनी मौसी के घर पर रुका। रात आरोपी शराब के नशे में चोरी छिपे पेचकस और हथोडा लेकर नजदीकी वाले मन्दिर में पहुंचा जहां मन्दिर का ताला तोड़ने के दौरान मन्दिर के बाहर खाट पर सोया बुजुर्ग जाग गया और चिल्लाकर आरोपी को पकडने लगा। बचने के गरज से आरोपी ने पहले

बुजुर्ग व्यक्ति के सिर पर हथोड़े से वार कर उसे गंभीर रुप से घायल किया और फिर पहले मन्दिर के अन्दर से चढावे के करीब 200 रूपये और एक इनवेटर और फिर बगल वाले मन्दिर से एक एम्प्लीफाईर चोरी कर ले गया। आरोपी ने ये भी बताया कि वह इसके बाद चोरी किया सामान वही आस-पास छुपाकर वापस चुपचाप अपनी मौसी के घर जा कर सो गया। सुबह जब चारों तरफ पुलिस की गतिविधिया व सतर्कता को दिखी तो वह डर के मारे बिना चोरी के सामान के सुबह मुजफ्फरनगर चला गया। कल वह उक्त सामान को लेने के लिए आज टांडा भागमल क्षेत्र में आया था जहाँ सामान के साथ पुलिस टीम के हत्थे चढ़ गया।

बेहद कम समय में वास्तविकता को सामने लाकर ब्लाइन्ड हत्या का खुलासा कर हत्यारोपी को गिरफ्तार करने पर क्षेत्रीय जनता द्वारा एसएसपी नवनीत सिंह व हरिद्वार पुलिस की मेहनती कार्यशैली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। 'विवरण आरोपित-विशाल चौधरी पुत्र परविन्दर कुमार निवासी अलमासपुर गली न0 02 कुंज विहार कालोनी थाना नई मंडी जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश उम्र 25 वर्ष है। पुलिस टीम-सीओ लक्सर देवेन्द्र सिंह नेगी-प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सिंह कोश्यारी- व0उ0नि0 नितिन चौहान-उ0नि0 यशवीर सिंह नेगी- हे0 कानि0 रियाज अली-हे0 कानि0 पंचम प्रकाश-हे0कानि0 विनोद कुमार-कानि0 गंगा सिंह-कानि0 ध्वजवीर सिंह0-कानि0 वसीम आदि शामिल रहे।

सड़क बनाने में पांच लोगों पर मारपीट का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

खानपुर। शाहपुर गांव निवासी एक व्यक्ति ने गांव के पांच लोगों पर सड़क बनाने पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शाहपुर गांव निवासी मोनू उर्फ अजय ने तहरीर देकर बताया कि उनके घर के सामने से आम रास्ता होकर जा रहा है। इसपर सीसी रोड बनी हुई है। 13 अप्रैल की सुबह उसके ऊपर इंटरलॉकिंग से दोबारा सड़क बन रही थी लेकिन पड़ोसी उसका विरोध कर रहे थे क्योंकि वह सड़क को दूसरी ओर बनवाना चाहते थे। आरोप है कि दूसरे पक्ष के पांच लोग लाठी-डंडे, धारदार हथियार और तमंचे से लैस होकर उसके घर पर चढ़ आए व मारपीट कर उसे घायल कर दिया। शोर सुनकर कई लोग मौके पर आ गए थे। उन्हें देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। खानपुर थानाध्यक्ष दिग्पाल कोहली ने बताया कि रफल सिंह, मोनू, रामदेश, शिवा और हर्षित निवासी शाहपुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

मामूली कहासुनी पर युवक को पीटा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। टिक्कमपुर गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर निकाली जा रही शोभायात्रा के दौरान मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। गांव के ही एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर दूसरे युवक पर लात-घूंसे और बेल्टों से हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर क्षेत्र के टिक्कमपुर गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर जन्मोत्सव के तहत ग्रामीण शोभायात्रा निकाल रहे थे। इसी दौरान गांव के प्रवीन कुमार और अमन के बीच किसी बात पर हल्की कहासुनी हो गई। शोभायात्रा समाप्त होने के बाद विवाद ने तूल पकड़ लिया। आरोप है कि गुस्साए युवक ने अपने दोस्तों को बुला लिया और घर के बाहर बैठे प्रवीन पर अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने प्रवीन को लात-घूंसे और बेल्टों से बेरहमी से पीटा। युवक के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर दौड़े लेकिन ग्रामीणों को आता देख हमलावर फरार हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका उपचार चल रहा है। मारपीट की घटना पास लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पीड़ित पक्ष ने घटना की तहरीर पुलिस को देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सुल्तानपुर पुलिस चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि टिक्कमपुर गांव में हुई मारपीट का मामला संज्ञान में है। मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अवैध शराब सहित दो आरोपी गिरफ्तार

पिरान कलियर। कोतवाली पिरान कलियर पुलिस ने ऑपरेशन 'प्रहार' अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध शराब बेच रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 113 पव्वे अवैध देशी शराब (माल्टा) बरामद की है। कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने बताया कि क्षेत्र में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों, असामाजिक तत्वों और अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस टीम ने ग्राम मेहवड़कला में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने अमित सैनी निवासी मेहवड़ कला और सतीश सैनी निवासी मोहम्मदपुर पांडा को गिरफ्तार किया। दोनों के पास से 113 पव्वे अवैध देशी शराब (माल्टा) बरामद हुई।

बिहार के विशेषज्ञों और महिला उद्यमियों की बड़ी पहल

बंजर जलमग्न भूमि पर अब उगेगा सफेद सोना

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। उत्तराखंड के कृषि मानचित्र पर एक नया अध्याय जुड़ गया है। राज्य में कृषि नवाचार और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए स्टार्टअप ने जलभराव वाली चुनौतीपूर्ण भूमि पर मखाना फॉक्स यूनिट की खेती का सफल अभिनव प्रयोग शुरू किया है। इस साहसिक पहल का नेतृत्व महिला उद्यमी सोनल जैन एवं मंजू भसीन द्वारा किया जा रहा है। इस परियोजना के शुभारंभ के अवसर पर उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजीव रंजन अध्यक्ष मणिगाछीमिडास फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, दरभंगा राजेश शर्मा, अजय पनियुली, रोहताश सहरावत और कर्नल विनोद कुमार पनियुली सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं कृषि विशेषज्ञ उपस्थित थे। चुनौती को अवसर में बदलापरियोजना के तकनीकी पहलुओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि लक्सर क्षेत्र के गंदासपुर गांवमें जिस भूमि का चयन किया गया है, वह वर्ष में 5 से 6 महीने जलमग्न रहती थी पारंपरिक फसलों के लिए अनुपयुक्त मानी जाने वाली इस

जमीन पर वर्णम ने मखाना उगाने का निर्णय लिया। इस कार्य में बिहार के दरभंगा स्थित मणिगाछीमिडास फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड'' ने तकनीकी सेतु की भूमिका निभाई। विशेषज्ञों की टीम ने मौके पर पहुंचकर किसानों और उद्यमियों को चरणबद्ध प्रशिक्षण प्रदान कियाआर्थिक समृद्धि का नया मार्गमखाना खेती उत्तराखंड के किसानों की आय को कई गुना बढ़ाने की क्षमता रखती है। विशेषज्ञों के अनुसारलागत और उत्पादन एक बीघा भूमि में मात्र 8,10 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है जिससे 4, 6 क्विंटल तक उत्पादन लिया जा सकता है। बंपर मुनाफा वर्तमान बाजार भाव 800 से 1,200 प्रति किलोग्राम को देखते हुए, किसान प्रति बीघा 2 लाख से 4 लाख तक की संभावित आय अर्जित कर सकते हैं।

सीएमओ ने आयोजित होने वाले निःशुल्क चिकित्सा शिविर की तैयारियों का लिया जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी हरिद्वार डॉ. आर.के. सिंह ने ब्रस्पतिवार को साबरी गेस्ट हाउस पिरान कलियर में आयोजित होने वाले निःशुल्क चिकित्सा शिविर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान रुड़की ब्लॉक के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. राव अकरम भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ. आर.के. सिंह ने शिविर के सफल संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की ओर से मरीजों का परीक्षण और उपचार किया जाएगा। साथ ही सभी प्रकार की खून की जांच, एक्स-रे सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।उन्होंने जानकारी दी कि शिविर में विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, बहनों एवं बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा टीबी और एचआईवी की

जांच की सुविधा भी शिविर में उपलब्ध कराई जाएगी। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. राव अकरम ने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं।

संबंध विच्छेद-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र मौहम्मद कैफ हमारे कहने सुनने में नहीं है। इसीलिए मौहम्मद कैफ को मैं अपनी तमाम चल अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद करता हूं। आज के बाद उक्त के किसी भी अनैतिक कृत्य व लेनदेन की मेरे व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

शमीम पुत्र इस्लाम नि. खेलपुर नसरूल्लापु, तह. भगवानपुर जिला हरिद्वार।

बढ़ेड़ी राजपूतान से हलवाहेड़ी तक बनेगी सड़क

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। वधानसभा क्षेत्र पिरान कलियर के विधायक हाजी फुरकान अहमद के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग के निर्माण की घोषणा की है। इस संबंध में उत्तराखंड शासन के मुख्यमंत्री कार्यालय से आदेश जारी कर ग्रामीण निर्माण विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार पिरान कलियर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बढ़ेड़ी राजपूतान से भारापुर होते हुए हलवाहेड़ी तक इस संपर्क मार्ग का निर्माण किया जाएगा। विधायक की ओर से मुख्यमंत्री को यह प्रस्ताव भेजा गया था जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकृति देते हुए निर्माण की घोषणा की है। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होगा। सड़क बनने के बाद कम दूरी और कम समय में रुड़की सहित अन्य स्थानों तक पहुंच आसान हो जाएगी। सड़क निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा बल्कि स्थानीय व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी बेहतर होगी। विधायक हाजी फुरकान अहमद ने कहा कि उनके प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री ने इस मार्ग को अपनी घोषणा में शामिल किया है। वह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संगठन ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/ सेविका/ मिनी कर्मचारी संगठन उत्तराखंड ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन की ओर से मानदेय बढ़ाने, अनावश्यक कटौती बंद करने तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बायोमेट्रिक प्रणाली से न जोड़ने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/ सेविका/ मिनी कर्मचारी संगठन उत्तराखंड ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन की प्रदेश अध्यक्ष रेखा नेगी ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को लंबे समय से कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मानदेय बेहद कम है, जबकि कार्य का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा विभिन्न मदों में की जा रही कटौती से कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बायोमेट्रिक प्रणाली से जोड़ने के निर्णय को भी उन्होंने अव्यवहारिक बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की।

उन्होंने कहा कि कई बार संबंधित अधिकारियों को समस्याओं से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक ठोस समाधान नहीं हुआ है, जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान ममता, अंजू पाल, कविता रानी, रजनी फराना, पूनम, राधा, रेखा, रीना, अखिलेश, बबली, पिंकी, रजनी, शिक्षा, शहनाज, शारदा, सरल, पूनम, सुषमा, शीतल, रीना, बबली, सविता, ममता शर्मा और वीणा सहित अनेक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

ढंडेरा नपं कार्यालय में धरने पर बैठे पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष रवि राणा

रुड़की। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं नगर पंचायत ढंडेरा से पूर्व प्रत्याशी रहे रवि राणा मंगलवार को ढंडेरा नगर पंचायत कार्यालय में धरने पर बैठ गए। उन्होंने नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि बोर्ड के गठन के डेढ़ वर्ष बाद भी धरातल पर कोई ठोस काम नजर नहीं आ रहा है। रवि राणा ने कहा कि क्षेत्र की सड़कें बदहाल हैं, नालियां टूटी पड़ी हैं और सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें खराब हैं, जबकि अधिकांश जगहों पर लाइटें लगी ही नहीं हैं, जिससे रात में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पंचायत अध्यक्ष और बोर्ड जनसमस्याओं की ओर ध्यान देने को तैयार नहीं हैं। गौरतलब है कि नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश नेगी ने पूर्व में भाजपा से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी।

नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि सलीम अहमद ने फीता काटकर किया

नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। नगर पंचायत पिरान कलियर की ओर से बेहतर पानी के लिए थाने के नए भवन के पास एक 260 मीटर नाले का निर्माण कराया जा रहा है। जिसका शिलान्यास नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सलीम अहमद ने फीता काटकर किया।

कलियर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सलीम अहमद और ईओ कुलदीप सिंह चौहान ने बताया कि नगर पंचायत की ओर से थाने के नए भवन के पास 25 लाख रुपए की लागत ने बनने वाले 260 मीटर नाले के निर्माण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिरान कलियर में लंबे समय से पानी निकासी को लेकर एक बड़ी समस्या बनी हुई थी जिसके कारण लोग परेशान थे ओर बरसात के समय पानी निकासी खोलकर लोगो के सामने सबसे बड़ी समस्या उतपन्न हो जाती थी ओर बरसात का पानी लोगो के घरों में भर जाता था जिसके कारण लोगों को भारी नुकसान उठाने को मजबूर होना पड़ता था पानी निकासी की एक बड़ी समस्या बनी हुई थी जिससे बरसात के समय गंदा पानी घरों में घुसने से किसी भी गम्भीर बीमारी के फैलने की आशंका बनी रहती थी। इस नाले के निर्माण होने से करीब आधे कलियर

के पानी की निकाए इसी नाले से होगी जिससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा मगर पंचायत का चहुमुखी विकास करना उनकी पहली प्राथमिकता है। इस दौरान अधिशासी अधिकारी कुलदीप सिंह चौहान, राशिद गुलजार, मौसम, इसरार शरीफ, रोशन, राशिद, शफकत, इंतजार राणा, शहजाद, गुलजार चौधरी, तस्वर, हनीफ आदि मौजूद रहें।

माजरा में हज यात्रियों को दिया गया प्रशिक्षण, आसान और सुरक्षित सफर पर जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उत्तराखण्ड से हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के लिए बुधवार को माजरा स्थित मदरसा जामिया उल उलूम में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें हाजियों को हज के अरकान अदा करने की जानकारी दी गई।

देहरादून के हज यात्रियों को अध्यक्ष इमाम संगठन मुफ्ती रईस कासिम, मुफ्ती सलीम कासमी, मुफ्ती हुजैफा, मौलाना एजाज, राज्य हज समिति सदस्य मौलाना मन्नान रजा और हाजी अबरार ने एहराम, तवाफ, सई सहित हज के विभिन्न अरकान को पूरा करने की प्रक्रिया समझाई।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अल्पसंख्यक विभाग के उप सचिव हीरा सिंह बसेड़ा ने हाजियों से देश और प्रदेश की तरक्की तथा अमन-चौन के लिए दुआ करने की अपील की। उन्होंने हज यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की भी जानकारी दी।उत्तराखण्ड हज समिति के अध्यक्ष खतीब अहमद ने यात्रा को सरल और व्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी हाजियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि सऊदी अरब में किसी भी हाजी को कोई समस्या की सहोती है तो राज्य हज इंस्पेक्टर से संपर्क कर अपनी समस्या बताए।

उत्तराखण्ड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने भी हज यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी अरकान को पूरा करने का आह्वान किया। हज अधिकारी मोहम्मद अहसान ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रशासनिक एवं तकनीकी जानकारियां साझा कीं। इस दौरान आफताब आलम, मुस्तकीम, स्टेट हज इंस्पेक्टर अबुल शाहिद, अब्दुल कादिर, इजहारुल हक, मोहम्मद शादाब, गुलशन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

गुरुवार, 16 अप्रैल 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

महंगाई की मार

भारत में महंगाई की स्थिति और आम जनमानस पर इसके व्यापक सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण एक अत्यंत गंभीर और बहुआयामी विषय है। जब हम वर्तमान आर्थिक परिदृश्य को देखते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि देश में सामा. जिक स्तर पर आर्थिक असंतुलन एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरकर सामने आया है। रोजगार और आय के मोर्चे पर देश की एक बड़ी आबादी के लिए स्थितियां आज भी संतोषजनक नहीं कही जा सकतीं। यह एक विचित्र विरोधाभास है कि एक तरफ सरकार की ओर से लगातार यह दावा किया जाता है कि महंगाई पूरी तरह नियंत्रण में है और विकास की दरें सकारात्मक हैं, वहीं दूसरी ओर बाजार में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस बढ़ती महंगाई का सीधा और सबसे क्रूर प्रहार आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है, जिसे अपने घर चलाने के लिए जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है और कई तरह की मानसिक एवं आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसी भी विकासशील अर्थव्यवस्था में जब आय के साधन सीमित हों, तो आम नागरिक की सरकार से यही प्राथमिक अपेक्षा होती है कि कम से कम रोजमर्रा की जरूरी वस्तुएं उसकी पहुंच के भीतर रहें, ताकि परिवार के भरण-पोषण का संकट उत्पन्न न हो, लेकिन हाल के वर्षों का अनुभव यह बताता है कि आमदनी उस अनुपात में नहीं बढ़ी है, जिस गति से बाजार में वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ी हैं। सरकारी आंकड़ों पर गौर करें तो मार्च 2026 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.4 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई, जबकि फरवरी में यह 3.2 प्रतिशत थी। हालांकि यह आंकड़ा पहली नजर में छोटा लग सकता है, लेकिन जब हम इसके घटकों का बारीकी से अध्ययन करते हैं, तो वास्तविकता अधिक जटिल नजर आती है। इस महंगाई वृद्धि के पीछे अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियां भी एक बड़ा कारक रही हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और भू-राजनीतिक अस्थिरता के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रंखला प्रभावित हुई है, जिसका सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों की खुदरा महंगाई पर पड़ता है। विशेष रूप से अमेरिका, इस्राईल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव वैश्विक बाजार में अनिश्चितता पैदा कर रहा है। यदि यह युद्ध की स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो आने वाले दिनों में ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में और अधिक उछाल आने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। महंगाई का बढ़ना केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह देश के सामा. जिक ताने-बाने को प्रभावित करने वाला कारक है। देश में आर्थिक असंतुलन की खाई और चौड़ी होती जा रही है। एक तरफ जहां कॉरपोरेट लाभ और उच्च आय वर्ग की संपत्ति बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर रोजगार की कमी और बढ़ती कीमतों ने निम्न और मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति को बुरी तरह प्रभावित किया है। जब आय स्थिर हो और क्रय शक्ति घट रही हो, तो आवश्यक वस्तुओं पर होने वाला मामूली सा खर्च भी एक बड़े वित्तीय संकट का रूप ले लेता है।

पुराने संशोधनों को लागू किया जाए

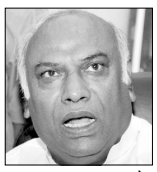

तमाम विपक्षी दल महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सरकार जिस तरह से इसे लागू करने की योजना बना रही है, वह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित और जनता को गुमराह करने वाला कदम है, हम सभी महिला आरक्षण बिल के पक्ष में हैं, लेकिन सरकार जिस तरह से इसे लेकर आई है, वह राजनीति से प्रेरित है, हमने हमेशा इस बिल का समर्थन किया है, लेकिन हमारा आग्रह है कि पुराने संशोधनों को लागू किया जाए, सरकार परिसीमन और जनगणना के नाम पर चालें चल रही है, कार्यपालिका के जरिए संविधान की उन शक्तियों को हथिया रही है जो संसद और संस्थाओं के पास होनी चाहिए, इन्होंने पहले भी असम और जम्मू-कश्मीर के परिसीमन में हमें धोखा दिया है, इसलिए हम इस बिल के मौजूदा स्वरूप का एकजुट होकर संसद में विरोध करेंगे।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

सही समय : महिला आरक्षण से बदलेगी भारतीय लोकतंत्र की तस्वीर

शोभा करंदलाजे

एक राज्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ लेते समय, मैंने उस खचाखच भरे कमरे में चारों ओर नजरें घुमाई और गिनती की। वहां मौजूद महिलाओं की संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती थी। इस दृश्य ने केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में ही नहीं, बल्कि इस बात के स्पष्ट संकेत के रूप में भी एक छाप छोड़ी कि सार्वजनिक जीवन में महिलाओं को अभी भी काफी लंबा सफर तय करना बाकी है।

मैं कर्नाटक के तटीय इलाके के पुत्तूर के पास स्थित एक छोटे से गांव से आती हूं। पारंपरिक रूप से यह एक समृद्ध इलाका है और यहां की महिलाओं ने हमेशा अपनी दृढ़ता एवं शक्ति का परिचय दिया है। मुझे पता है कि उस शक्ति को सार्वजनिक जीवन में लगाने का क्या मतलब होता है। खासकर, उस स्थिति में जब एक ऐसी राह पर चलना हो जिस पर पहले चंद लोग ही चले हों और हर महिला को वैसे ही जोश के साथ वैसा ही मौका नहीं मिला हो। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पहले ही पारित हो चुका है। संसद में सितंबर 2023 में इस पर चर्चा हुई थी और संविधान में संशोधन किया गया था। लेकिन अब उस वादे को निभाने का सबसे मुश्किल काम सामने है।

अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाला लोकतंत्र

भारत में कुल 670 मिलियन महिलाएं हैं, लेकिन पिछले कई वर्षों में महज 15 प्रतिशत महिलाएं ही संसद में पहुंच पाई हैं। जो लोकतंत्र अपने आधे नागरिकों को निर्णय लेने की प्रक्रिया से लगातार बाहर रखे, उसे सच्चा लोकतंत्र तो नहीं कहा जा सकता। ऐसे लोकतंत्र को विकास की प्रक्रिया में ही माना जाएगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन कागज पर लिखे किसी कानून का तभी कोई महत्व होता है, जब उसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। जनगणना कराना बेहद जरूरी है। इसके बाद परिसीमन होना चाहिए और संसद तथा प्रत्एक राज्य की विधानसभा में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए। जब कानून बनाने वाली प्रक्रियाओं में महिलाओं को शामिल किया जाता है, तो कानून बनाने का केन्द्रबिंदु ही बदल जाता है। पंचायती राज संस्थाओं में, जहां दशकों पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया था, प्राथमिकताओं में स्पष्ट बदलाव देखने को मिलता है। पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और बच्चों के पोषण के लिए अधिक बजट आवंटित किए गए। भ्रष्टाचार के प्रति कम सहनशीलता और समुदायों के प्रति अधिक जवाबदेही देखी गई। यह महज एक संयोग नहीं है। यह प्रतिनिधित्व का जीता-जागता उदाहरण है।

दुष्चक्र को तोड़ना

मैंने अक्सर यह तर्क सुना है कि महिलाओं को अपनी योग्यता के बल पर आगे बढ़ना चाहिए। मैं इस भावना का सम्मान करती हूं। लेकिन इस आधार को खारिज करती हूं। योग्यता शून्य में नहीं पनपती। यह वहीं पनपती है, जहां अवसर मौजूद होते हैं। पीढ़ियों से, संरचनात्मक बाधाओं-सामा. जिक, आर्थिक और सांस्कृतिक-ने प्रतिभाशाली महिलाओं को राजनीति से बाहर रखा है। उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में हमेशा उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दी गई है जिनके पास सुस्थापित नेटवर्क एवं संपर्क तथा विरासत में मिली राजनीतिक साख रही है और जो घरेलू जिम्मेदारियों से मुक्त हैं। दूसरी ओर, महिलाओं को इनमें से कोई भी सुविधा हासिल नहीं है।

आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि यह अड़चन को दूर करता है

जब बड़ी संख्या में महिलाएं पंचायतों में दाखिल हुईं, तो शुरू में उन्हें नजरअंदाज किया गया। आखिरकार, विभिन्न अध्ययनों में यह पाया गया कि उनके अपने समुदायों ने उन्हें उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में अधिक प्रभावी, अधिक सुलभ व अधिक ईमानदार माना। जब महिलाओं को उचित अवसर दिया जाता है, तो वे केवल भाग ही नहीं लेती बल्कि नेतृत्व भी करती हैं।

नीतिगत दृष्टि से इसके मायने

सरकार में रहते हुए अपने व्यापक अनुभवों से मैंने यह जाना है कि निर्णय लेने वाले स्थानों पर आपकी मौजूदगी ही इस बात को निर्धारित करती है कि किस विषय पर चर्चा होगी। महिला जनप्रतिनिधि मातृ स्वास्थ्य निधि में कटौती की आशंका होने पर इसके लिए आवाज उठाती हैं। वे उन नीतियों के लैंगिक प्रभाव को उजागर करती हैं, जिनका व्यवहार में सबसे बुरा असर महिलाओं पर पड़ सकता है। वे अपने निर्वाचन क्षेत्र की उन चिंताओं को सामने लाती हैं, जिनसे उनके पुरुष सहकर्मियों का सामना नहीं होता। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का मतलब यह है कि पहली बार ए आवाजें अपवाद नहीं रहेंगी। ये आवाजें ढांचागत व्यवस्था का हिस्सा होंगी। स्थाई होंगी। इन्हें नजरअंदाज करना असंभव होगा।

नारी शक्ति : सोच से कानून तक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह मानना रहा है कि भारत अपनी महिलाओं की पूर्ण और बराबरी की भागीदारी के बिना अपनी पूरी क्षमताओं का सदुपयोग नहीं कर सकता। यह महज एक बयानबाजी भर नहीं, बल्कि एक ऐसा .ढ़ विश्वास है जिसने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' से लेकर 'जन धन', 'उज्ज्वला' और 'प्रधानमंत्री आवास योजना' में महिलाओं की रिकॉर्ड भागीदारी वाली नीतियों को दिशा दी है। उन्होंने नारी शक्ति को केवल एक नारा नहीं, बल्कि विकसित भारत का आधार बताया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी सोच की पूर्ण अभिव्यक्ति है। यह सोच महिला सशक्तिकरण को कल्याणकारी योजनाओं से आगे बढ़ाकर शासन की संरचना में समाहित करती है। सभी दलों के अपने साथियों से यह क्षण हम सभी का है। यह मौका किसी एक दल का नहीं, बल्कि एक संस्था के रूप में संसद का है।

सरकार के हर स्तर पर इस राष्ट्र की सेवा करने वाली एक महिला के रूप में, मैं सभी से अपील करती हूं और मेरा मानना है कि हम सभी भारत के लोकतंत्र को मजबूत और अधिक पूर्ण देखना चाहते हैं। भारत की महिलाओं के प्रति हमारा अब यह कर्तव्य है कि हम जनगणना कराने, परिसीमन के कार्य को पूरा करने और यह सुनिश्चित करने में तत्परता बरतें कि इस प्रक्रिया में एक भी दिन अनावश्यक रूप से बर्बाद न हो। मैं कार्यान्वयन, आरक्षित सीटों के चक्रण (रोटेशन), परोक्ष (प्रॉक्सी) उम्मीदवारों और सनसेट क्लॉज से जुड़ी चिंताओं से अवगत हूं। यह जायज बहसें हैं, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि इन पर तत्काल ध्यान दिया जाए। सिद्धांत सही है। हमें पूर्णता को परिवर्तनकारी कदमों के आड़े नहीं आने देना चाहिए।

(लेखिका केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम और रोजगार राज्यमंत्री हैं)

पाकिस्तान कब से भारतीय नौकरियों में हस्तक्षेप करके वेतनमान तय करने का परोक्ष-अपरोक्ष अधिकारी बन गया। दरअसल, न्यूज चैनलों ने अपनी विश्वसनीयता, अपनी गैरत, अपना राष्ट्र धर्म, अपनी भाषा, अपने विषय। सब कुछ पूंजीपतियों व सत्ता के चरणों में न्योछावर कर दिए हैं। 2014 के बाद से एक भी जन सरोक. ारों के विषयों पर कभी भी चैनलों ने बहस नहीं की। उस पर एक दल विशेष के कार्यकर्ताओं को शो में बुलाकर बेमतलब के टाइमपास विषयों पर बहस, अब एक ट्रेंड बन गया है। जब भी सत्ता पर कोई बात आ रही होती है।

शोषण व चाटुकारिता के भंवर में पत्रकारिता

पवन सिंह

भारत के न्यूज चैनल्स मक्कारी, झूठ और चाटुकारिता से सनी जो पत्रकारिता कर रहे हैं, वह अब सीधे-सीधे राष्ट्र के प्रति युद्ध छेड़ने की परिभाषा में आती है। न्यूज चैनलों ने इस देश के भीतर वह माहौल खड़ा कर दिया है जो कभी भी न तो सीआईए कर पाई और न ही आईएसआई। पूरे देश के सामाजिक ढांचे को न्यूज चैनलों ने तबाह कर दिया है। समुदायों के बीच नफरत की खेती जिस तरह से भारतीय न्यूज चैनलों ने की है, ऐसा आपको विश्व में कहीं देखने को नहीं मिलेगा। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक, धार्मिक, व्यावहारिक, हर एक प्लेटफार्म को भारतीय मीडिया ने नष्ट कर दिया है। भारतीय मीडिया ने खुल्लम खुल्ला देश के भीतर एक आतंकवादी जैसा हमला किया, जिसने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को बेहद कमजोर कर दिया है। जिस देश में भारतीय न्यूज चैनलों जैसा अस्तित्व हो, वहां किसी भी देश को दुश्मनों की जरूरत नहीं है। नोएडा में हुए श्रमिक असंतोष का ठीकरा पाकिस्तान के सिर फोड़ना, भारतीय मीडिया के घटिया स्तर को दिखाता है। भारतीय मीडिया 2014 के बाद से जनता के सरोकारों से पूरी तरह से कट चुका है। जो लोग भी न्यूज चैनल्स देखते हैं वह झूठ, मक्कारी, नफरत के जहर को अपने व अपनी पीढ़ियों के भीतर जज्ब करते हैं। क्या पाकिस्तान ने भारतीय पूंजीपतियों से कहा था कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा में जाकर उद्योग लगाओ और श्रमिकों को 10 हजार से 13 हजार का वेतन दो। क्या पाकिस्तान की इतनी हैसियत हो चुकी है कि वह भारत के उद्योगपति को दिशा-निर्देश दे सके। यह कैसी असंवेदनशील पत्रकारिता है कि हमें जिन श्रमिकों के हितों के लिए खड़ा होने की जरूरत थी, हम उनके गुस्से, उनकी लाचारी, उनकी विवशता, उनकी गरीबी, उनके संघर्ष, उनके दर्द, उनकी भूख के साथ न खड़े होकर, सत्ता और पूंजीपतियों के समर्थन में नंगे खड़े हो गए। भारत एक परपीड़न में आनंद की अनुभूति लेने वाला देश है। असमानता और जातीय भेदभाव से गौरवान्वित महसूस करने वालों का मुल्क है। धार्मिकता की बीमारी ने 90 प्रतिशत भारतीय समाज को जड़ बुद्धि कर रखा है। यह सब मिलकर भारत को एक कबीलियाई जैसा देश बनाते हैं। जहां समान न्याय और समानता की बात सोचना, रात में सूर्योदय होने जैसा है। लाइट, कैमरा, एक्शन। में चेहरा पेंट करवाकर, खुद लाखों रुपये का वेतन पैकेज पाने वाली खबरांग्नाओं को यह एहसास है कि 13 हजार के वेतन में, कैसे जिया जा सकता है? प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश में करीब 88 प्रतिशत श्रमबल अनौपचारिक व असंगठित क्षेत्र में है। वर्ष, 2022-23 में 57 प्रतिशत स्वरोजगार व 22 प्रतिशत दैनिक श्रमिक हैं, मतलब काम आया न आया टाइप्स। वर्ष, 2020 के आंकड़ों के आधार पर श्रमिकों के कार्यबल को अगर देखें भारत के 476.67 मिलियन श्रमिकों में से 41.19 प्रतिशत कृषि क्षेत्र में, 26.18 प्रतिशत उद्योग व 32.33 प्रतिशत सेवा क्षेत्र में कार्यरत हैं। असंगठित क्षेत्र में करीब 88 प्रतिशत श्रमिक हैं। चलिए जब श्रमिकों पर लिखा ही है तो आपको संविदा कर्मियों को संक्षिप्त सच भी बता ही देते हैं। तथाकथित लोकप्रिय सरकारें व यशस्वी नेता जो साल दर साल अपना वेतन, भत्ते, सुविधाएं। भेज थपथपा कर बढ़ा लेते हैं, वो कभी भी न तो श्रमिकों और न संविदा कर्मियों के दर्द व विवशता के लिए सामने आते हैं। वर्ष, 2030 तक संविदा कर्मियों की संख्या करीब 1 करोड़ पार कर जाएगी। विगत 12 वर्षों में, संविदा कर्मचारी क्षेत्र 14-16 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा है। एक अनुमान के अनुसार, राज्य और केंद्रीय सरकारों में कार्यबल का लगभग 47 प्रतिशत हिस्सा संविदा या अनु. बंध पर है। वर्ष, 2023 में, 54 लाख संविदा श्रमिक औपचारिक रोजगार में शामिल हुए। क्या पाकिस्तान ने कहा था कि भारत में 13 हजार से 16 हजार वेतनमान पर, नेताओं की प्लेसमेंट एजेंसियों के द्वारा खाने-कमाने-लूटने-चूसने का ढांचा खड़ा किया जाए? अगर यह पाकिस्तानी इशारे पर हुआ है तो यह सरकार पर सवालिया निशान लगाया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जबरन धर्मांतरण और उत्पीड़न के आरोपों से हिला कॉरपोरेट तंत्र

कार्यस्थल केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और विश्वास का वातावरण होना चाहिए। यदि इस घटना से भी ठोस सबक नहीं लिया गया, तो यह महज एक और मामला बनकर रह जाएगा और यह किसी भी समाज की सबसे बड़ी विपफलता होगी।

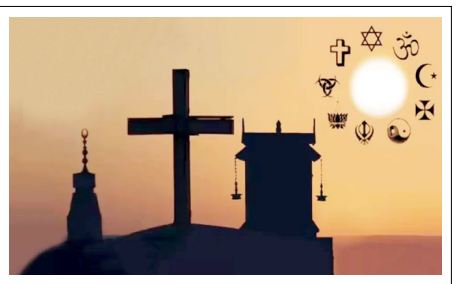

प्रो. आर.के. जैन

कॉरपोरेट दफ्तरों की जगमगाहट, कांच की ऊंची इमारतों का मोहक आभास और प्रोफेशनलिज्म के बड़े-बड़े दावे यदि इनके भीतर भय, शोषण और दबाव का अंधकार पलता हो, तो यह किसी एक कंपनी की चूक नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की गहरी असफलता का संकेत है। अप्रैल 2026 में नासिक स्थित एक आईटी इकाई (टीसीएस) से सामने आया प्रकरण इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है, जहां महिला कर्मियों के सपनों को सुनियोजित ढंग से रौंद दिया गया। रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता की आकांक्षा लेकर आई इन महिलाओं को अपने ही कार्यस्थल पर ऐसे असहनीय दबावों का सामना करना पड़ा, जो किसी भी सभ्य समाज के मूल्यों के सर्वथा विपरीत हैं।

यह मामला केवल यौन शोषण के आरोपों तक सीमित नहीं है इसके भीतर भय, मानसिक उत्पीड़न, धार्मिक आस्था पर दबाव और अधिकारों के खुले दुरुपयोग की कहीं अधिक गंभीर परतें छिपी हुई हैं। सामने आई शिकायतों के अनुसार, कुछ वरिष्ठ कर्मचारियों ने महिला कर्मियों पर अनुचित प्रस्तावों, अश्लील टिप्पणियों और निजी संबंध बनाने के लिए निरंतर दबाव डाला। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो उन्हें पदोन्नति रोकने, नौकरी समाप्त करने और उनके निजी जीवन को बदनाम करने की धमकियां दी गईं। सत्ता और पद के बल पर किया गया यह आचरण केवल अनैतिकता की पराकाष्ठा नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से कानूनन दंडनीय अपराध है, जो किसी भी कार्यस्थल की गरिमा, सुरक्षा और विश्वास को पूरी तरह ध्वस्त कर देता है। यह प्रकरण और भयावह तब बनता है, जब स्पष्ट होता है कि यह छिटपुट घटनाएं नहीं, बल्कि लंबे समय से सक्रिय संगठित तंत्र का परिणाम था। पुलिस जांच और शिकायतों के अनुसार, आठ महिला कर्मचारियों की नौ एफआईआर्स में सामने आया कि टीम लीडर्स सहित वरिष्ठों ने 2022 से 2026 तक करीब चार वर्षों तक सुनियोजित ढंग से उन्हें निशाना बनाकर दबाव में रखा। पुलिस ने फरवरी से 40 दिन तक महिला पुलिसकर्मियों के जरिए अंडरकवर ऑपरेशन चलाकर साक्ष्य जुटाए। आरोप हैं कि निजी तस्वीरें-वीडियो से ब्लैकमेल करना, नमाज पढ़ने और गोमांस खाने को मजबूर करना, जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव और मानसिक रूप से तोड़नाकृए सब उसी तंत्र के औजार थे। यह स्थिति दिखाती है कि जब शक्ति का दुरूपयोग संस्थागत रूप ले लेता है, तो पीड़ितों के लिए आवाज उठाना कठिन और जोखिम भरा हो जाता है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चिंताजनक पक्ष मानव संसाधन विभाग की भूमिका पर उठते सवाल हैं। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के तहत हर संगठन में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) और समयबद्ध, निष्पक्ष जांच अनिवार्य है। इसके बावजूद आरोप हैं कि शिकायतों को नजरअंदाज किया गया, ईमेल और लिखित आवेदन दबाए गए, और पीड़ितों को चुप रहने के लिए मजबूर किया गयाकृयहां तक कि एक एचआर असिस्टेंट जनरल मैनेजर को भी अनदेखी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जिस विभाग पर कर्मचारियों की सुरक्षा और न्याय की जिम्मेदारी होती है, यदि वही निष्क्रिय या सहभागी दिखे, तो यह कानून की अवहेलना के साथ विश्वास का गंभीर हनन भी है। चार वर्षों तक लगातार उठती शिकायतों के बावजूद कार्रवाई का अभाव यह स्पष्ट करता है कि समस्या कुछ व्यक्तियों तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की गहरी खामियों में जड़ें जमाए हुए थी। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के दिशा-निर्देश स्पष्ट करते हैं कि 24 घंटे के भीतर संज्ञान लिया जाए और 90 दिनों में जांच पूरी हो, परंतु यहां इन प्रावधानों की खुलेआम अनदेखी की गई। यह मात्र लापरवाही नहीं, बल्कि कानूनी दायित्वों से बचने की प्रवृत्ति का संकेत देता है। ऐसे मामलों में देरी न केवल पीड़ित के मानसिक आघात को गहरा करती है, बल्कि आरोपियों के हौसले भी बढ़ाती है। जीरो टॉलरेंस की नीति का हवाला तब खोखला लगता है, जब सवाल उठता है कि वर्षों तक शिकायतें दबने और पीड़ितों की आवाज अनसुनी रहने के दौरान यह लागू क्यों नहीं हुई। टीसीएस द्वारा उच्च प्रबंधन स्तर पर जांच (सीओओ के निर्देशन में) के आदेश और आरोपियों का निलंबन आवश्यक कदम हैं, पर पर्याप्त नहीं, क्योंकि नेसेंट इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज सीनेट ने श्रम मंत्रालय से पोश कंप्लायंस ऑडिट की मांग की है। जवाबदेही केवल निचले स्तर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, उसे उन सभी स्तरों तक तय होना चाहिए जहां लापरवाही या मिलीभगत रही हो। कॉर्पोरेट संस्थानों की साख मुनाफे या छवि से नहीं, बल्कि कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान, पारदर्शिता और विश्वास से बनती है।

यह घटना किसी एक कंपनी तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे आईटी क्षेत्र में कार्यस्थल की सुरक्षा पर गहरे और असहज प्रश्न खड़े करती है। क्या आधुनिक दफ्तर वास्तव में सुरक्षित हैं, या केवल बाहर से सजे-धजे और आकर्षक दिखते हैं? क्या महिलाओं और अन्य कर्मचारियों को अपने अधिकारों के लिए आज भी संघर्ष करना पड़ेगा? यह प्रकरण स्पष्ट करता है कि जब तक शिकायत तंत्र मजबूत, पारदर्शी और निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक किसी भी कानून का प्रभाव सीमित और अधूरा ही रहेगा। कर्मचारियों के भीतर यह विश्वास होना चाहिए कि उनकी आवाज न दबेगी, न अनसुनी होगी, बल्कि उसे गंभीरता से सुना जाएगा और उन्हें समयबद्ध न्याय अवश्य मिलेगा। अब समय केवल औपचारिक प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक सुधार का है। इस प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यापक जांच होनी चाहिए, दोषियों को कठोर दंड मिले और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के अनुपालन की स्वतंत्र ऑडिट पूरे आईटी क्षेत्र में कराई जाए। साथ ही मानव संसाधन तंत्र को स्पष्ट रूप से जवाबदेह बनाना और कर्मचारियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना आवश्यक है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

गैघाटा। करोला गांव के कई मतदाता जिनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है, चुनाव के बाद की स्थिति को लेकर चिंतित होते हुए।

अंडमान सागर में नाव डूबी, 250 रोहिंग्या-बांग्लादेशी लापता, मलेशिया जा रहे थे

ढाका। अंडमान सागर में एक नाव डूबने से करीब 250 रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिक लापता हो गए हैं। यूएन रिफ्यूजी और माइग्रेशन एजेंसी के मुताबिक, यह हादसा पिछले हफ्ते खराब मौसम और ओवरलोडिंग के कारण हुआ। यह ट्रालर बांग्लादेश से मलेशिया जा रहा था। बांग्लादेश कोस्ट गार्ड ने 9 अप्रैल को अपने एक जहाज के जरिए 9 लोगों को बचाया, लेकिन बाकी लोगों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। रोहिंग्या समुदाय 2017 में म्यांमार में हुई हिंसा के बाद बड़ी संख्या में बांग्लादेश में शरण लेने को मजबूर हुआ था। म्यांमार की सरकार उन्हें नागरिकता नहीं देती। वहीं, बांग्लादेश के शरणार्थी कैंपों में खराब हालात के चलते कई लोग मलेशिया जैसे देशों में बेहतर जिंदगी की तलाश में खतरनाक समुद्री सफर करते हैं।

हंगरी के पीटर मग्यार ने यूरोपीय संघ की निधि जारी करने के लिए रखीं शर्तें

बुडापेस्ट। हंगरी की नवनिर्वाचित टिस्जा पार्टी के नेता पीटर मग्यार ने बुधवार को कहा कि उन्होंने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन के समक्ष अटकी हुई यूरोपीय संघ की निधि को जारी करने के लिए चार शर्तें रखी हैं। मग्यार ने हंगरी के हाल ही में संपन्न संसदीय चुनावों में जीत हासिल की है। उन्होंने बताया कि सुलेएन के साथ भ्रष्टाचार विरोधी सुधारों को लागू करने पर चर्चा की गई है, ताकि हंगरी के लिए रुकी हुई निधि का रास्ता साफ हो सके। इन शर्तों में सरकारी मीडिया के संचालन को निलंबित करना, शैक्षणिक माहौल की स्वतंत्रता को बहाल करना और सभी मंचों पर हंगरी के हितों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना शामिल है। मग्यार ने सोमवार को कहा था कि उन्होंने 20 अरब यूरो यानी लगभग 23 अरब डॉलर की अटकी हुई यूरोपीय संघ की निधि की वापसी को लेकर आयोग के साथ पहले ही बातचीत कर ली है।

होर्मुज के बाद अब ट्रम्प की मलक्का स्ट्रेट पर नजर

इंडोनेशिया से रक्षा करार किया, अमेरिकी सैन्य विमानों को इंडोनेशियाई इलाके में जाने की इजाजत

वाशिंगटन। हार्मुज स्ट्रेट में इस समय हालात काफी तनाव भरे हैं। अमेरिका वहां ईरान से जुड़े जहाजों की गतिविधियों पर सख्ती कर रहा है। इसी बीच अमेरिका और इंडोनेशिया के बीच 13 अप्रैल को एक नया रक्षा समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत अब अमेरिकी सैन्य विमानों को इंडोनेशिया के हवाई क्षेत्र में ज्यादा आसानी से आने-जाने की इजाजत मिल गई है।

इसे आधिकारिक तौर पर दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने का कदम बताया जा रहा है, लेकिन इसकी टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यह डील ऐसे समय हुई है जब यूएस ने ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए होर्मुज में नाकाबंदी शुरू कर दी है। इसके बाद तेल सप्लाई लगभग ठहर गई और कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अमेरिका ने मलक्का स्ट्रेट पर नजर रखने के लिए यह करार किया है। मलक्का स्ट्रेट दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। यह वही रास्ता है जो हिंद महासागर को पूर्वी एशिया से जोड़ता है और दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। यहां से करीब 40 प्रतिशत वैश्विक व्यापार और लगभग 30 प्रतिशत तेल

■ यह डील ऐसे समय हुई है जब यूएस ने ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए होर्मुज में नाकाबंदी शुरू कर दी है

सप्लाई गुजरती है। इसकी भौगोलिक स्थिति इसे खास बनाती है। फिलिप चौनल पर इसकी चौड़ाई 3 किलोमीटर है, जो इसे बड़ा बाटलनेक बनाती है। यह होर्मुज से करीब नौ गुना ज्यादा संकरा है। मलक्का स्ट्रेट पर इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर का कंट्रोल है। इस रास्ते से दुनिया का बहुत बड़ा व्यापार गुजरता है। यही वजह है कि इस इलाके में कोई भी हलचल सीधे तौर पर वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर सकती है। यूएस-इंडोनेशिया डील के बाद एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका इंडो-पैसिफिक में बड़े समुद्री रास्तों को सुरक्षित करने की रणनीति पर काम कर रहा है। अमेरिकी एक्सपर्ट्स और पूर्व सैनिकों ने कहा है कि दुनिया के चोकपाइंट्स पर यूएस अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। अगर हार्मुज को तेल की सप्लाई का मुख्य रास्ता माना जाता है, तो मलक्का को पूरी दुनिया के ट्रेड की लाइफलाइन कहा जा सकता है। यहां से तेल के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनें और बाकी सामान भी बड़ी मात्रा में एक जगह से दूसरी जगह पहुंचते हैं। चीन के लिए तो मलक्का को सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरी माना जाता है। चीन के करीब 80 प्रतिशत तेल आयात इसी रास्ते से आते हैं। ये इंडस्ट्रियल इकानमी और एक्सपोर्ट सिस्टम के लिए बेहद जरूरी है। इसी वजह से चीन लंबे समय से इस पर अपनी निर्भरता को एक कमजोरी मानता है। यही कारण है कि पूर्व चीनी राष्ट्रपति हू जिंताओ ने इसे 'मलक्का डिलेमा' कहा था। हाल में चीन ने इलाके के आसपास समुद्री मैपिंग और मानिटरिंग गतिविधियां बढ़ाई हैं।

इजरायल-लेबनान ने तीन दशक बाद की सीधी बातचीत

हिजबुल्लाह के प्रभाव को समाप्त करने को लेकर 'रुख में समानता' देखने को मिली

■ अगली वार्ता की तिथि और स्थान उपयुक्त समय पर घोषित किए जाएंगे: अधिकारी

बेरूत/यरूशलम। इजरायल और लेबनान के बीच हुई प्रत्यक्ष वार्ता के बाद दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने हिजबुल्लाह के मुद्दे पर समान सोच उभरने के संकेत दिए हैं और दक्षिणी लेबनान में जारी संघर्ष के समाधान की इच्छा जताई है।

अमेरिका में इजरायल के राजदूत एचियल लेइटर ने कहा कि वार्ता में हिजबुल्लाह के प्रभाव को समाप्त करने को लेकर 'रुख में समानता' देखने को मिली। उन्होंने कहा कि लेबनान सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह हिजबुल्लाह के प्रभुत्व से बाहर निकलना चाहती है। लेइटर ने वार्ता को 'सकारात्मक और उपयोगी संवाद' बताते हुए कहा कि दोनों पक्षों ने यह महसूस किया कि वे इस मुद्दे पर एक ही दिशा में सोच रहे हैं, जो आगे की बातचीत के लिए उत्साहजनक है। लेबनान की राजदूत नादा हमादेह मोवाद ने युद्धविराम की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा को प्राथमिकता बताया। उन्होंने विस्थापित लोगों की सुरक्षित वापसी और संघर्ष से उत्पन्न मानवीय संकट को कम करने के लिए ठोस कदम उठाने की भी मांग की। इजरायल ने दोहराया कि उसका संघर्ष लेबनान राष्ट्र से नहीं, बल्कि हिजबुल्लाह से है, और वह भविष्य में संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। अधिकारियों के अनुसार, अगली वार्ता की तिथि और स्थान उपयुक्त समय पर घोषित किए जाएंगे।

17 देशों ने की लेबनान पर इजरायली हमलों की निंदा

मास्को। सत्रह देशों ने लेबनान पर इजरायली हमलों की निंदा की और पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की प्रक्रिया में लेबनान को शामिल करने का आह्वान किया। यह जानकारी स्पुतनिक ने उन देशों द्वारा जारी एक संयुक्त बयान के हवाले से दी। इस दस्तावेज पर ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, क्रोएशिया, साइप्रस, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, ग्रीस, आइसलैंड, लक्जमबर्ग, माल्टा, नॉर्वे, पुर्तगाल, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन और यूनाइटेड किंगडम के विदेश मंत्रियों ने हस्ताक्षर किए। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी बयान में कहा गया कि हम क्षेत्रीय तनाव में कमी लाने के प्रयासों में लेबनान को शामिल करने का आह्वान करते हैं और सभी पक्षों से एक स्थाई राजनीतिक समाधान की दिशा में काम करने का आग्रह करते हैं। हम हिजबुल्लाह द्वारा इजरायल पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा करते हैं जिन्हें तत्काल बंद करना चाहिए। हम लेबनान पर इजरायल द्वारा किए गए बड़े पैमाने पर हमलों की भी कड़ी निंदा करते हैं। बयान में आगे कहा गया कि देशों ने दोनों पक्षों की हिंसा की निंदा की इजरायल के साथ सीधी बात. चीत के लिए लेबनान की पहल का स्वागत किया और लेबनान की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच तनाव दो मार्च को तब शुरू हुआ जब लेबनानी आंदोलन ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली सैन्य अभियान के बीच इजरायली क्षेत्र पर रॉकेट से हमला करना फिर से शुरू कर दिया।

ईरान में मिशन अभी पूरा नहीं हुआः मोसाद प्रमुख

मास्को। इजरायली खुफिया सेवा (मोसाद) के निदेशक डेविड बार्निया ने कहा कि ईरान में एजेंसी का मिशन तभी समाप्त होगा जब ईरान में राजनीतिक शासन बदल जाएगा। द टाइम्स ऑफ इजरायल अखबार ने मंगलवार को बार्निया के हवाले से कहा कि हमारा मिशन अभी पूरा नहीं हुआ है। हमने यह नहीं सोचा था कि लड़ाई खत्म होते ही यह मिशन तुरंत पूरा हो जाएगा। हमने तेहरान में हुए हमलों के बाद भी अपने अभियान को जारी रखने और परिणाम हासिल करने के लिए गहन योजना बनाई थी। यह मिशन तभी पूरा होगा जब इस कट्टरपंथी शासन को हटा दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 11 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम समझौते की घोषणा करने के बाद, ईरान और अमेरिका ने पाकिस्तान के इस्लामाबाद में वार्ता शुरू की। 12 अप्रैल को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने घोषणा की कि ईरान और अमेरिका वार्ता के दौरान किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बिना किसी समझौते के वापस लौट गया।

शाहबाज शरीफ सऊदी अरब, कतर और तुर्की की यात्रा पर जाएंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सप्ताहांत में सऊदी अरब, कतर और तुर्की की चार दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह यात्रा अमेरिका-ईरान चर्चा के पहले दौर के बाद हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को संकेत दिया था कि 'अगले दो दिनों में' पाकिस्तान में कुछ नए घटनाक्रम सामने आ सकते हैं।

■ अगले दो दिनों में' पाकिस्तान में कुछ नए घटनाक्रम सामने आ सकते हैं: ट्रम्प

यह यात्राएं पाकिस्तान के लिए एक बड़ी वित्तीय मजबूती के साथ हो रही हैं। वॉशिंगटन में विश्व बैंक-आईएमएफ की स्प्रिंग मीटिंग्स के दौरान वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने कहा कि सऊदी अरब ने 3 अरब डॉलर की अतिरिक्त जमा राशि देने का वादा किया है और पिछली 5 अरब डॉलर की जमा राशि की अवधि भी बढ़ा दी है। औरंगजेब ने कहा कि इस मदद से पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिलेगी, उसके बाहरी खाते सुदृढ़ होंगे और आईएमएफ समर्थित कार्यक्रम के अनुपालन में सहायता मिलेगी। सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के अंत तक लगभग 18 अरब डॉलर का भंडार रखना है, जो 3-3 महीने के आयात कवर के बराबर है। उन्होंने पाकिस्तान की हाल ही में किए गए 1.4 अरब डॉलर के यूरोबॉन्ड भुगतान का उल्लेख किया और इसे 'सामान्य घटना' करार दिया। उन्होंने आगामी विदेशी दायित्वों को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। उन्होंने इस सहयोग को सुगम बनाने के लिए क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और वित्त मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल्ला अल-जदान सहित सऊदी नेतृत्व के साथ-साथ पाकिस्तान की राजनीतिक और आर्थिक टीमों को भी श्रेय दिया। वित्त मंत्री ने कहा कि सऊदी वित्तीय सहायता और आईएमएफ व विश्व बैंक जैसे संस्थानों से मिली अंतर्राष्ट्रीय पहचान का संयुक्त प्रभाव पाकिस्तान को आर्थिक स्थिरता के लिए आत्मविश्वास और गति प्रदान करता है।

रूस-चीन संबंध वैश्विक स्थिरता लाने में निभाते हैं महत्वपूर्ण भूमिकाः लावरोव

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को कहा कि रूस और चीन के बीच संबंध वैश्विक मामलों में स्थिरता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बीजिग में चीनी राष्ट्रपति शी जिन. पिंग के साथ एक बैठक में लावरा. व ने कहा कि रूस-चीन संबंध विश्व मामलों में एक स्थिरता लाने वाली भूमिका निभाते हैं। ए शेष विश्व और वैश्विक बहुसंख्यक के लिए अधिक से अधिक महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं, जो समस्याएं या उथल-पुथल नहीं, बल्कि सतत विकास के लिए शांत परिस्थितियां चाहते हैं। लावरोव के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी नेता के बीच सहयोग की बदौलत दोनों देशों के संबंध उन झटकों के प्रति उच्च लचीलापन प्रदर्शित करते हैं, जिन्होंने दुनिया को आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों रूप से अपनी चपेट में ले लिया है और दुर्भाग्य से ये अंतर्विरोध तेजी से सैन्य आयाम अख्तियार कर रहे हैं। इसके अलावा, लावरोव ने चीनी राष्ट्रपति को विदेश मंत्री वांग ई के साथ अपनी बातचीत और पुतिन की चीन यात्रा की तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

रूस ने ईरान के संवर्धित यूरेनियम भंडार समाधान की पेशकश दोहराई

बीजिंग। रूस ने बुधवार को ईरान के संवर्धित यूरेनियम के भंडार के समाधान में सहायता करने की अपनी पेशकश को दो. हराया है। यह पेशकश ऐसे समय में आई है जब अगले कुछ दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच नए दौर की वार्ता की संभावना जताई जा रही है।

रूसी समाचार एजेंसी तास के अनुसार, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि रूस ईरान के अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम को ईंधन-ग्रेड सामग्री में बदलने या उसे इस तरह से संग्रहीत करने में मदद कर सकता है जिससे ईरान के 'शांतिपूर्ण संवर्धन के अधिकार' का उल्लंघन न हो। रूस की यह पेशकश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि

■ यदि अमेरिकी हमले नहीं होते, तो ईरान होर्मुज स्ट्रेट को बंद नहीं करता

ईरान के साथ युद्ध समाप्त होने वाला है और अगले दौर की बात. चीत जल्द हो सकती है। लावरोव ने अपनी चीन यात्रा के दौरान ईरान के रुख का बचाव करते हुए कहा कि यदि अमेरिकी हमले नहीं होते, तो ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं करता। उन्होंने खाड़ी में तनाव कम करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच निरंतर बातचीत का आग्रह किया। अमेरिका-ईरान वार्ता में विवाद का मुख्य बिदु ईरान का अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम का भंडार है, जिसे परमाणु हथियारों के निर्माण की संभावना के रूप में देखा जाता है। कूटनीति को फिर से शुरू करने के लिए एक और प्रमुख मांग मिसाइल क्षमताओं को खत्म करने की है। सीएनएन ने व्हाइट हाउस के अधिकारियों के हवाले से कहा कि अमेरिका ने मांग की है कि ईरान संवर्धन रोके और जमीन के नीचे जमा किए गए अनुमानित 460 किलोग्राम अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम को सौंप दे। पिछले सप्ताहांत इस्लामाबाद में हुई बात. चीत के दौरान दोनों पक्षों ने संवर्धन को रोकने पर चर्चा की थी।

रूस-चीन ने पश्चिम एशिया आदि मुद्दों पर की चर्चा

मास्को। रूस और चीन ने पश्चिम एशिया की स्थिति, फिलिस्तीन मुद्दे, यूरोपीय संघ के सैन्यीकरण और नाटो में संकट पर चर्चा की। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि फलस्तीन, गाजा और वेस्ट बैंक को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। लाव. रोव ने कहा कि फिलिस्तीन, गाजा और वेस्ट बैंक को अंधेरे में नहीं रहना चाहिए और उन्हें पृष्ठभूमि में नहीं धकेलना चाहिए। हमने आज चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ यह बात बहुत स्पष्ट कर दी। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने चीनी पक्ष के साथ पश्चिम एशिया की स्थिति, यूरोपीय संघ के सैन्यीकरण और नाटो में संकट पर भी चर्चा की।

चीन ने बिना हथियार बेचे ईरान को बनाया मजबूत

मिसाइल बनाने की टेक्निक दी, अमेरिका ने बैन लगाया, तो बीजिंग ने छुपकर मदद पहुंचाई

बीजिंग/तेहरान। पिछले करीब दो दशकों से चीन और ईरान के रिश्तों में संतुलन बना हुआ था। चीन, ईरान को सीधे हथियार बेचने की बजाय परोक्ष (इनडायरेक्ट) तरीके से मदद करता रहा। जंग शुरू होने के बाद अमेरिकी अधिकारियों का ध्यान फिर से इस पर गया है। खुफिया एजेंसियां जांच कर रही हैं कि क्या चीन ने ईरान को कंधे पर रखकर दागी जाने वाले मिसाइल भेजी हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक अभी तक सबूत पक्के नहीं हैं।

अगर यह सही निकला, तो मिडिल ईस्ट में चीन की रणनीति में बड़ा बदलाव माना जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि अगर यह सच साबित होता है तो चीन से आने वाले सामान पर 50 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया जाएगा। चीन ने आरोप को झूठ बताया और कहा कि टैरिफ लगाए गए तो वह जवाबी कार्रवाई करेगा। चीन ने 1980 के दशक में ईरान को बड़े पैमाने पर हथियार बेचे थे, लेकिन पिछले 10 साल में यह लगभग बंद हो गया। इसकी सबसे बड़ी वजह अंतर्राष्ट्रीय दबाव है। 2006 के बाद संयुक्त राष्ट्र

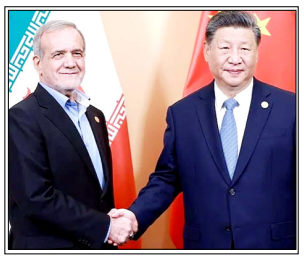

■ 2006 के बाद संयुक्त राष्ट्र ने ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर सख्त प्रतिबंध लगाए

ने ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर सख्त प्रतिबंध लगाए। इनके तहत किसी भी देश के लिए ईरान को सीधे हथियार देना मुश्किल हो गया। अमेरिका ने भी आर्थिक और व्यापारिक पाबंदियां लगाईं, जिससे ईरान को सैन्य मदद देने वाले देशों को नुकसान हो सकता है। इसी कारण चीन ने अपनी रणनीति बदल दी। उसने सीधे हथियार देने की बजाय 'डयूल-यूज' यानी ऐसी तकनीक और सामान देना शुरू किया, जिनका इस्तेमाल सिविल और सैन्य दोनों कामों में हो सकता है। इस तरीके से चीन सीधे हथियार बेचने से बच जाता है, लेकिन ईरान की सैन्य क्षमता को मजबूत करने में मदद करता रहता है। 1980 में ईरान-इराक युद्ध शुरू हुआ। उसी समय चीन में आर्थिक सुधार हो रहे थे। सरकारी कंपनियों से कहा गया कि वे सरकार पर निर्भर न रहें, बल्कि खुद कमाई कर मुनाफा कमाएं। इसका असर डिफेंस सेक्टर पर भी पड़ा। पहले जो कंपनियां सिर्फ देश के लिए हथियार बनाती थीं, उन्हें अब बाहर के देशों को हथियार बेचने की छूट मिल गई। 1982 से 1987 के बीच चीन ने ईरान को मिसाइल, लड़ाकू विमान, टैंक, बख्तरबंद गाड़ियां और राइफल्स बेचीं। दिलचस्प बात यह थी कि चीन ने इराक को भी हथियार बेचे। दोनों दुश्मन देश एक-दूसरे पर चीनी हथियारों से हमला कर रहे थे। चीन के लिए यह पूरी तरह व्यापार का मामला था।

ट्रम्प ने पोप लियो पर फिर हमला किया

कहा: ईरान ने पिछले दो महीनों के दौरान 42000 निर्दोष प्रदर्शनकारियों को मार डाला

वाशिंगटन। वेटिकन के साथ निरंतर विवाद के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को पोप लियो पर हमला तेज करते हुए कहा कि ईरान ने पिछले दो महीनों के दौरान कम से कम 42,000 निर्दोष प्रदर्शनकारियों को मार डाला है और इसलिए, उसके पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर कहा कि क्या कोई कृपया पोप लियो को बताएगा कि ईरान ने पिछले दो महीनों में कम से कम 42,000 निर्दोष, पूरी तरह से निहत्थे प्रदर्शनकारियों को मार डाला है। ऐसी स्थिति में ईरान के पास परमाणु बम होना 'बिल्कुल अस्वीकार्य' है। अमेरिका में जन्मे

पोप लियो पर यह हमला ट्रम्प द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से अपनी एक एआई निर्मित तस्वीर हटाने के एक दिन बाद आया है। उस तस्वीर में ट्रम्प को पोप की वेशभूषा में दिखाया गया था जैसे कि वह स्वर्ग से उतरे हों और एक बीमार व्यक्ति को ठीक कर रहे हों। ट्रम्प को भारी विरोध के बाद यह तस्वीर वापस लेना पड़ा था। पोप के प्रति ट्रम्प का यह तीखा रुख तब सामने आया है जब पोप लियो ने शनिवार को वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स बेसिलिका में शाम की प्रार्थना के दौरान कहा था कि ईरान युद्ध के चारों ओर 'सर्वशक्तिमान होने का भ्रम' व्याप्त है। पोप ने कहा था कि स्वयं की मूर्तिपूजा और धन का मोह अब बहुत हुआ! शक्ति का प्रदर्शन बहुत हुआ! युद्ध अब बंद होना चाहिए! सच्ची शक्ति जीवन की सेवा करने में दिखाई देती है। ट्रम्प ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि पोप लियो अपराध के प्रति नरम हैं और विदेश नीति के लिए भयानक हैं- मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए, जो यह सोचता हो कि ईरान का परमाणु हथियार रखना ठीक है। अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने ट्रम्प का बचाव करते हुए पोप से 'नैतिकता के मामलों तक सीमित रहने' को कहा। उल्लेखनीय है कि वेंस स्वयं एक कैथोलिक हैं। वेंस ने फॉक्स न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि वेटिकन के लिए यह सबसे अच्छा होगा कि वह नैतिकता के मामलों और कैथोलिक चर्च में जो चल रहा है, उस तक सीमित रहे और अमेरिका के राष्ट्रपति को अमेरिकी सार्वजनिक नीति तय करने दे।

'बाहुबली: द इटरनल वॉर' का एनेसी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में चयन

■ 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' अपनी रिलीज से काफी पहले ही दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है

मुंबई। बाहुबली: द इटरनल वॉर का एनेसी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में चयन किया गया है। बाहुबली फ्रैंचाइजी, जिसमें 'बाहुबली: द बिगिनिंग' और 'बाहु. बली: द कंक्लूजन' जैसी दो मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं, भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े ब्रांड्स में से एक है।

यह दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय सामग्री में से एक है और इसकी अपनी एक अलग पहचान है। जहां थिएटरों में इसने रिकॉर्ड तोड़े और नए बेंचमार्क सेट किए, वहीं अब मेकर्स इसे 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' के साथ एक नए लेवल पर ले गए हैं, जिसके टीजर ने ही ग्लोबल लेवल पर लहर पैदा कर दी है। अब एक और बड़ा ग्लोबल इम्पैक्ट डालते हुए, इस फिल्म को प्रतिष्ठित एनेसी इंटरनेशनल एनिमेशन फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया है। 'बाहुबली: द इटरनल वॉर' अपनी रिलीज से काफी पहले ही दुनिया भर में चर्चा बटोर रही है।

अड़ीवी शेष की 'डकैत-एक प्रेम कथा' यूएस टॉप 10 में शामिल

मुंबई। अड़ीवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप अभिनीत फिल्म डकैत - एक प्रेम कथा का शानदार सफर जारी है। इस फिल्म ने वैश्विक और घरेलू बाजारों में दमदार प्रदर्शन दर्ज किया है। रिलीज के पांचवें दिन, फिल्म ने यूएसए बॉक्स ऑफिस चार्ट में 7वां स्थान हासिल किया और मंगलवार तक टॉप 10 में बनी रही, जो इसकी बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता और विदेशी दर्शकों के बीच मजबूत वर्ड-ऑफ-माउथ को दर्शाता है।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. समाट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108